

204
a

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

C.R.
2/2/86

सं. 27] नई विस्ती, नामिदार, जुलाई 5, 1986 (आषाढ़ 14, 1908)
No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 5, 1986 (ASADHA 14, 1908)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या वो शाही है जिसमें इस अवश्यकता ने कर में रखा था सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 मई 1986

सं. ए० ३२०१३/३/८३ (iii)-(प्रशा०-१) - संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में विशेष भवायक के प्रतिनियुक्ति पदों से प्रत्यावर्तित होने के परिणामस्वरूप, सर्वश्री पी० पी० सिक्का तथा टी० आर० शर्मा ने 11 अगस्त, 1985 के पुरालू से संघ लोक सेवा आयोग के क०००००० आ० से०० संबंध में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (क०० स० आ० से० का ग्रेड "ख") के अपने पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 30 मई 1986

सं. ए० १२०२३/१/८६-प्रशा० २—संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डा० आ० पाण्डुरंग राव, निदेशक (रा० भा०) (केन्द्रीय संचिवालय राज्यपाल सेवा) को 26-5-1986 से 25-11-1986 तक अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, छः महीने की अवधि के लिये आयोग के कार्यालय में रु० 2250-125/2-2500 के वेतनमान में निदेशक (भाषा माध्यम) के संबंध बाह्य पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

1—136GI/86

2. निदेशक (भा० मा०) के पद पर डा० आ० आ० पाण्डुरंग राव को नियुक्ति प्रतिनियुक्ति आधार पर होगी श्री वित्त मंत्रालय, ध्यय विभाग, क०० का० ज्ञा० सं० ए० १ (१) - ई० III (बी०)/७५ दिनांक 7-11-1975 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगी।

एम० पी० जैन
अवर सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक एवं प्रशिक्षण प्रशासन सुधार,
लोक शिक्षायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण द्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 16 जून 1986

सं. ए० १९०३५/१/७८-प्रशा०-५—निवर्त्तन होने पर, श्री जगत मिह, कार्यालय अधीक्षक, क०० अ० छूरो, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली ने दिनांक 30 अप्रैल, 1986 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

(20755)

सं० ए० 19020/2/83—प्रश्ना०—५—प्रत्यावर्तन होने पर, श्री ए० ए० धवल्ली, शा० पू० सेपा (उत्तर प्रदेश: 1974) पुलिस अधीक्षक, बैन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विषेष पुलिस स्थापना, ए० स० आई० सी० शाखा की सेवाएँ दिनांक 30 अप्रैल, 1986 (अपराह्न) से उत्तर प्रदेश मण्डाकर को सौंपी जाती है।

सं० 13/2/86—प्रश्ना०—५—निवेशक, के० अ० अ० घूरो एवं पुलिस महाभिक्षक, विषेष पुलिस स्थापना ने श्री राम सरन सेठी को, पदोन्नति पर, एक मई, 1986 मे श्रगले आदेश होने तक, के० अ० अ० घूरो में, नियमित श्रवण पर, दार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

सं० 3/23/86—प्रश्ना०—५—श्री हंग राज बुलबुल अपराध सहायक, के० अ० अ० घूरो को दिनांक 27-5-1986 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश होने तक, अमण्डली पर गए जा रहे सर्वश्री ए० सर्वश्री, का० अ० केन्द्रीय जोन एवं डी० मुख्यमंत्री, का० अ० जोन-१ का लुट्री रिक्षियों में, पूर्णतया तदर्थ आधार पर स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त किया जाता है।

धर्मपाल भल्ला
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
के० ए० अ० घूरो

गृह मंत्रालय

अपराधशास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली—110055, दिनांक 11 जून 1986

सं० 1/11/76—आई० सी० एफ० एम०—सेवानिवृत्ति की आग्रह प्राप्त होने पर श्री ए० सर्वश्री, सहायक निदेशक (प्रलेख), अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) को 31 मई, 1986 (अपराह्न) से अपने पद से सेवानिवृत्ति किया गया है और पेंशन में भेज दिया गया है।

सं० 1-2/74—आई० सी० एफ० एम०—सेवानिवृत्ति की आग्रह प्राप्त होने पर डा० पी. सी० मैती, इनिशिक्त निदेशक, अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) को 31 मई, 1986 (अपराह्न) से अपने पद से सेवानिवृत्ति किया गया है और पेंशन में भेज दिया गया है।

आर० ए० कृष्णराज
निदेशक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली—110011, दिनांक 13 जून 1986

सं० ए० 10/7/86—प्रश्ना०—१—राष्ट्रपति, मंत्रिमण्डल की नियुक्ति समिति की सिफारिश पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारी और इस समय गृह मंत्रालय, भारत के महा-

रसिज्ट्रार के कार्यालय में भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार के पद पर भार्या श्री विजय पाल पाण्डे को, 2500-2750 रु० के वेतनमान में दिनांक 13 जून, 1986 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक उनके वर्तमान पद में संयुक्त मण्डिव के पद पर व्यक्तिगत आधार पर सहर्ष नियुक्त करने हैं।

बी० ए० सर्वश्री
भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—१, विहार

पटना, दिनांक 4 जून 1986

सं० प्रश्ना०—१(ले० प०)-20-5/292—महालेखाकार (लेखा परीक्षा)—१, विहार; पटना, निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को दिनांक 30-5-1986 (पूर्वाह्न) या पश्चात्याग्रहण करने की तिथि से बाद में जो हो, से श्रगले आदेश तक रुपये 650-30-740-35-880-इ० रु०-40-1040 के वेतनमान में स्थानापन्न महालेखा परीक्षा अधिकारी ग्रुप 'ब' राजपत्रित पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं :—

क्रम संख्या	नाम

सर्वश्री

1. सिया रघुवीर शरण
2. सुरेन्द्र प्र० सिंह, नं०-१
3. रनछोर प्रमाद वर्मा
4. कुंज विहारी प्रमाद
5. मो० मंजर मसुद
6. कृष्ण मोहन प्रमाद
7. लाल मोहन प्रसाद वर्मा
8. रविन्द्र नाथ मोयतरा
9. ए० जी० मोहीउद्दिन
10. चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह नं० II

जयन्त चटर्जी

उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (ले० ए० हक) का कार्यालय, केरल

तिरुवन्तपुरम, दिनांक 28 मई 1986

सं० स्थाना/प्र/5/9-86-खण्ड 3/59—निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सामने लिखित तारीख में लेखाधिकारी के पद में स्थानापन्न होने के लिए नियुक्त करने को महालेखाकार (ले० व. ह) मन्तुष्ट हुए हैं :—

1. श्री ए० आर० चंद्रेश्वरन नायर 16-5-86
2. श्री पी० बालकुमार स्वामी पिल्लै 19-5-86

3. श्री मात्य वर्गस 19-5-86
 4. श्रीमती सी० बी० पदमिनिकुट्टि अम्मा 19-5-86
 5. श्री टी० एन० शंकरन नायर 19-5-86

यह नियुक्ति ओ० पी० मं० 750/84 के—पर केरल के माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश जारी किया जाए, उस के अधीन अगले आदेश तक प्रस्थानी है।

एम० बी० पिल्लै
 वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लै० एवं हक), पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 10 जून 1986

मं० प्रशा० I/1038/XXI/319—महालेखाकार (लै० एवं हक) ने श्री आशोष कुमार चौधरी II/स्थायी अनुभाग अधिकारी जो कि पश्चिम बंगाल सरकार के गृह (पी० ए० आर०) विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं को अगले आदेश तक तदर्थ तथा अस्थायी तौर पर वेतनमान 840-1200/- पर अस्थायी और स्थानापन्न रूप से दिनांक 7-3-86 (अपराह्न) से प्रथात जिस दिनांक से उनके ठीक कनिष्ठ देवक्रम बोम लेखा अधिकारी के हैवित से कार्यभार संभालते हैं, प्रोफार्मा प्रोन्हति की स्वीकृति दी है। इन मामले में “अगला निष्ठला निष्ठम्” के अनुसार प्रोन्हति प्रदान करने के सभी पूर्व गति पूर्ण हुए हैं और महालेखाकार (लै० एवं हक), पश्चिम बंगाल ने एफ० आर० 30(1) के द्वितीय परन्तु के अनुसार प्रतिनियुक्ति पर सर्वश्री चौधरी द्वारा धूत पद को सेवा के साधारण क्रम के बाहर होने की घोषणा की है।

इसे स्पष्ट समझ लेना आविष्ये कि लेखा अधिकारी के संबंध में पूर्वोक्त प्रोन्हति जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुकदमे में निर्णय निलम्बित रहे तब तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य और दूसरों के

खिलाफ दायर किये गये 1979 के सी० आर० के संख्या 14818 (डब्ल्यू०) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

नया प्रोन्हति अधिकारी को एक माह के अन्दर विकल्प देना होगा। उनकी प्रोन्हति पर उनका वेतन पहले एफ० आर० 22-सी के अधीन निर्धारित करना चाहिए और यदि वे एक माह की निर्धारित अवधि के अन्दर दिनांक 26-9-81 के ओ० एम० के पैरा 2 (ख) के अनुसार विकल्प देते हैं तो उनका प्रोन्हति के दिनांक से पहले एफ० आर० 22(क)(i) के अधीन तथा उसके बाद प्रदायक (फीडर) पद पर परवर्ती वेतन वृद्धि के दिनांक से एफ० आर० 22-सी के अधीन निर्धारित करना चाहये।

इस कार्यालय पद संख्या प्रशा० 1/1038/XXI/3363 दिनांक 10-3-83 के आंशिक परिवर्तन करते हुए यह आदेश जारी किया गया है।

डी० मिश्र
 वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम

कलकत्ता-1, दिनांक 12 जून 1986

सं०-प्रशा० - तृतीय/आर०सी०/282/11/58 --- अनुलग्न सूची के अनुसार महालेखाकार (लेखा परीक्षा), प्रथम-पश्चिम बंगाल ने अनुभाग अधिकारियों (लेखा परीक्षा) को स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 1-11-1983 से लेकर या पदभार ग्रहण करने के दिनांक से, जो बाद में हो, वेतनमान 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 अगला आदेश मिलने तक नियुक्त करने की कृपा की है।

ये पदोन्हतियां माननीय उच्च न्यायालय कलकत्ता में लम्बित रिट याचिका के अन्तिम निर्णय होने के अधीन हैं।

स० कु० मिश्र
 वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)

सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों के पदों पर पदोन्हति के बाद नियुक्त अनुभाग अधिकारियों की सूची

क्रमांक	नाम	नियुक्ति आदेश संख्या	प्रभार ग्रहण दिनांक	नियुक्ति आदेश संख्या	प्रभार ग्रहण दिनांक
				नियुक्ति आदेश संख्या	प्रभार ग्रहण दिनांक
1	2	3	4		
सर्वश्री					
1. वैद्यनाथ डाली	.	.	.	प्रशा०सन 1/आर० सी०/281/1	1-11-1985 1-11-1985
2. अमरेन्द्रनाथ चौधुरी	.	.	.	" /2	" "
3. कानुलाल घटक	.	.	.	" /3	" "
4. रायेन्द्र लाल राय	.	.	.	" /4	" "
5. सोमेश सेन	.	.	.	" /5	" "
6. कंगाली चरण धोष	.	.	.	" /6	" "
7. भवानी प्रसाद बनर्जी	.	.	.	" /7	" "
8. रन्जीत कुमार भौमिक	.	.	.	" /8	" "
9. चित्तरंजन दास-II	.	.	.	" /9	" "

1	2	3	4
सर्वश्री			
10. नेपाल चन्द्र कंजीलाल	.	. प्रशासन—I/आर० सी०/281/10	1-11-85
11. सत्येन्द्र नाथ बनर्जी—II	.	" /11	"
12. रंजीत कुमार दत्त	.	" /12	"
13. समिरेन्द्र नाथ मित्र	.	" /13	"
14. सुभाष चन्द्र मुखर्जी	.	" /14	"
15. अशोक कुमार बसु	.	" /15	"
16. सधन प्रिय घोष	.	" /16	"
17. विकाश अनन्द सेन	.	" /17	"
18. ऋषिकेश चौधुरी	.	" /18	"
19. अशीस कुमार चौधुरी(I)	.	" /19	"
20. भञ्ज्चानन्द हरीमित्र	.	" /20	"
21. सुखेन्दु बिकाश दे	.	" /21	"
22. विमलेन्दु भट्टाचार्य—II	.	" /22	"
23. परिमल कुमार दास गुप्त	.	" /23	"
24. पंकज कुमार चौधुरी	.	" /24	"
25. सरल कान्ति सेन	.	" /25	"
26. अमित कुमार बोस	.	" /26	"
27. स्वराज कुमार बनर्जी	.	" /27	"
28. कल्यानकर गुप्त	.	" /28	"
29. अमृप कुमार राय	.	" /29	"
30. वैद्यनाथ चट्टर्जी	.	" /30	"
31. समिति कुमार बोस	.	" /31	"
32. सितांशु कुमार घोष	.	" /32	"
33. दिलीप कुमार दास गुप्त	.	" /33	"
34. लपन कुमार दास	.	" /34	"
35. असित रंजन सरकार	.	" /35	"
36. मानिकलाल कुन्डू	.	" /36	"
37. कमलेश नन्दी	.	" /37	"
38. विभूति भूषण सेन	.	" /38	"
39. विश्वनाथ सेनगुप्त	.	" /39	"
40. विष्वजीत मुखर्जी	.	" /40	"
41. अमरसाय चक्रवर्ती	.	" /41	"
42. प्रसुन कुमार मैत्र	.	" /42	"
43. मधुसूदन भट्टाचार्य	.	" /43	"
44. अब्दी मोहन गांगुली	.	" /44	"
45. वैद्यनाथ मुखर्जी	.	" /45	"
46. धीपक चन्द्र मजुमदार	.	" /46	"
47. सिब कुमार नियोगी	.	" /47	"
48. समीर कुमार राय—I	.	" /48	"
49. अशोक कुमार मित्र	.	" /49	"
50. सचिन्द्र नाथ शर्मा	.	" /50	"
51. कनाई लाल चट्टर्जी	.	" /51	"
52. मलय कुमार बनर्जी	.	" /52	"
53. अमूल्य रत्न मिह	.	" /53	"
54. धीरेन्द्र नाथ बनर्जी—II	.	" /54	"

1	2	3	4
सर्वश्री			
55. विमल चन्द्र घोषर्त्ती	.	.	प्रशासन -।/आर०सी०/281/55
56. दिवेन्द्र कुमार बोस	.	.	" /56
57. तपन कुमार भौमिक	.	.	" /57
58. रतन कुमार दास	.	.	" /58
59. प्रशान्त कुमार भौमिक	.	.	" /59
60. इन्दुभूषण चक्रवर्ती	.	.	" /60
61. अमरलाल पाल	.	.	" /61
62. मनीभूषण चक्रवर्ती	.	.	" /62
63. मिहिर सेनगुप्त	.	.	" /63
64. देवब्रत कुमार दे	.	.	" /64
65. सुशील रंजन पाल	.	.	" /65
66. पूरन चन्द्र धर	.	.	" /66
67. इन्द्रनारायण मिश्र	.	.	" /67
68. रमेन्द्रनाथ बोस	.	.	" /68
69. चित्तरंजन चौधुरी	.	.	" /689
70. जहर लालदत्त	.	.	" /70
71. रमेन्द्र नाथ दत्त	.	.	" /71
72. सुबोध चन्द्र भट्टाचार्य	.	.	" /72
73. कालीदास गांगुली	.	.	" /73
74. शांति प्रिय कर	.	.	" /74
75. सुनील कुमार गांगुली	.	.	" /75
76. मंजु गोपाल चट्टोपाध्याय	.	.	" /76
77. प्रसेनजीत चौधुरी	.	.	" /77
78. विजय कृष्ण सेन	.	.	" /78
79. रजत कुमार दत्त	.	.	" /79
80. अशीस कुमार मित-II	.	.	" /80
81. भारायण चन्द्र कुम्हू	.	.	" /81
82. भन्द गोपाल गोस्वामी	.	.	" /82
83. सनत राय चौधुरी	.	.	" /83
84. सन्तोष कुमर मित	.	.	" /84
85. शशन कुमार भट्टाचार्य	.	.	" /85
86. शान्ति भूषण सिङ्हा	.	.	" /86
87. हीरालाल साहा-II	.	.	" /87
88. सतीशचन्द्र भट्ट	.	.	" /88
89. सिद्धेश्वर घटर्जी	.	.	" /89
90. सुनील कुमार राय-II	.	.	" /90
91. दिलीप कुमार बनर्जी	.	.	" /91
92. निलय कुमार भट्टाचार्य	.	.	" /92
93. सुशान्त कुमार सुबर्जी	.	.	" /93
94. तरित चन्द्र मित	.	.	" /94
95. अर्जीत कुमार दत्त	.	.	" /95
96. शिष्मुतोष बनर्जी	.	.	" /96
97. नारायणचन्द्र सेनगुप्त	.	.	" /97
98. अमलेन्द्र दास	.	.	" /98
99. अजय कुमार माछल	.	.	" /99

1	2	3	4
सर्वश्री			
100.	सत्य चरण मठल	.	.
101.	बिमान चन्द्र सेन	.	.
102.	बिष्णुपद धोष	.	.
103.	भगवान चन्द्र विस्वास	.	.
104.	सूक्ष्मत सरकार	.	.
105.	कल्यान कुमार बत्त राय	.	.
106.	तमल कान्ति कोल	.	.
107.	सुधांशु भूषणदास	.	.
108.	आशुतोष चौधुरी	.	.
109.	श्रीमती सुमिता चटर्जी	.	.
110.	निन्यानन्द बसाक	.	.
111.	कमलकान्ति राय	.	.
112.	सूप्रिति कुमार चटर्जी	.	.
113.	नारायणचन्द्र साहा-II	.	.
114.	परितोष सरखेल	.	.
115.	मोहरलाल बनर्जी	.	.
116.	बेनुगोपाल चौधुरी	.	.
117.	मधुसूदन जोना	.	.
118.	नारायण चक्रवर्ती	.	.
119.	मूणाल कान्ति विस्वास (1)	.	.
120.	निमधन्द्र साहा	.	.
121.	अमल कृष्ण धोष	.	.
121ए.	रामधारी मलिक	.	.
122.	सीमनाथ धोष	.	.
123.	बिलाश छिहारी नाथ	.	.
124.	प्रयाम सुन्दर नन्दी	.	.
125.	मूणाल कान्ति विस्वास-III	.	.
126.	देवगंकर समद्दार	.	.
127.	समीर कुमार मुकोपाध्याय	.	.
128.	गौरेंग चन्द्र सरकार	.	.
129.	निरंजन चक्रवर्ती (1)	.	.
130.	कमला कान्ति विस्वास	.	.
131.	नन्दलाल राउथ	.	.
132.	लक्ष्मण चन्द्र नस्कर	.	.
133.	रंजीत चन्द्र राय	.	.
134.	तुषारकान्ति दास गुप्त	.	.
135.	अमर कुमार चक्रवर्ती	.	.
136.	देबी कुमार भट्टाचार्य	.	.
137.	चित्त प्रिय बनर्जी	.	.
138.	विश्वनाथ खाँस	.	.
139.	परिमल गांगुली	.	.
140.	पल्लव कुमार पाल	.	.
141.	समरेन्द्र नाथ कर	.	.
142.	सनत कुमार सेन	.	.
143.	निशिकान्त हल्दार	.	.
		प्रशासन-I/आर०सी०/281/100	1-11-85 1-11-85
		" /101	" "
		" /102	" "
		" /103	" "
		" /104	" "
		" /105	" "
		" /106	" "
		" /107	" "
		" /108	" "
		" /109	" "
		" /110	" "
		" /111	" "
		" /112	" "
		" /114	" "
		" /115	" "
		" /116	" "
		" /117	" "
		" /118	" "
		" /119	" "
		" /120	" "
		" /121	" "
		" /122	" "
		" /1	" "
		" /123	" "
		" /124	" "
		" /125	" "
		" /126	" "
		" /127	" "
		" /128	" "
		" /129	" "
		" /130	" "
		" /131	" "
		" /132	" "
		" /133	" "
		" /134	" "
		" /135	" "
		" /136	" "
		" /137	" "
		" /138	" "
		" /139	" "
		" /140	" "
		" /141	" "
		" /142	" "
		" /143	" "
		" /144	" "

1	2	3	4
सर्वश्री			
144. समीर कुमार पाल्म-III	.	.	प्रणासन-I/आर० सी०/28।/147/145 1-11-85 1-11-85
145. रत्नमनी चक्रवर्ती	.	.	" 146 "
146. मिहिर रंजन मनुभदार	.	.	" "
147. तखनाभ मिहा	.	.	" 148 "
148. अलोकरंजन सेनगुप्त	.	.	" 149 "
149. अजीत मोहन राय	.	.	" 150 "
150. अश्विनी कुमार सील	.	.	" 151 "
151. मतिमय बनर्जी	.	.	" 152 "
152. अष्टप कुमार भट्टाचार्य	.	.	" 153 "
153. रंजीत कुमार भट्टाचार्य	.	.	" 154 "
154. भिल्लिर कान्ति भट्टाचार्य	.	.	" 155 "
155. सुशान्त कुमार षष्ठीरु	.	.	" 156 "
156. समीरन दाम-I	.	.	" 157 "
157. गथिन्द्र नाथ मिश्र	.	.	" 158 "
158. अशीम कुमार लन्दी	.	.	" 159 "
159. गारायण चन्द्र घोष-II	.	.	" 160 "
160. अशोक कुमार मुखर्जी-III	.	.	" 161 "
161. स्वर्ण कुमार सन्दा	.	.	162 "
162. अबुल कलाम समरुद्धीन	.	.	" 163 "
163. पंकज कुमार दत्त	.	.	" 164 "
164. कामीपदन कुल्हा	.	.	" 165 "
165. भारायण चन्द्र घोष-I	.	.	" 166 "
166. समीर कुमार बनर्जी-II	.	.	" 167 "
167. पतिषेष आचार्य	.	.	" 168 "
168. मनोरंजन गोस्वामी	.	.	" 169 "
169. सुजीत कुमार सेनगुप्त	.	.	" 170 "
170. देवेन्द्र चन्द्र पाल	.	.	" 171 "
171. राधा कान्त दत्त	.	.	" 172 "
172. अजीत कुमार दे	.	.	" 173 "
173. मनीषभाष दास	.	.	" 174 "
174. चित्तरंजन मण्डल	.	.	" 175 "
175. नकुल चन्द्र मिहा	.	.	" 176 "
176. शान्तिमय दाम	.	.	" 177 "
177. मनमय दत्त	.	.	" 178 "
178. रमेन्द्र नाथ बसु	.	.	" 179 "
179. मनिरंजन दाम	.	.	" 180 "
180. चण्डीदास मुखर्जी	.	.	" 181 "
181. क्रिश्वराथ दन	.	.	" 182 "
182. मत्तोष कुमार सरकार-II	.	.	183 "
183. जातिन्द्रभाष मनुभदार-I	.	.	" 184 "
184. मनिख लाल भट्टाचार्य	.	.	" 185 "
185. गोरीण इरदत्त	.	.	" 186 "
186. मरखभ लाल चक्रवर्ती	.	.	" 187 "
187. नकुल चन्द्र पर्सई	.	.	" 188 "

1	2	3	4
सर्वश्री—			
188.	सखानाथ किल्हिया	प्रशासन-।।/मार०सी०/281/189	1-11-85
189.	कमलाखी मुखर्जी	" ।।/190	"
190.	जयदेव सनपुर्झ	" ।।/191	"
191.	मजुर्धी दासगुप्त	" ।।/192	"
192.	मूणाल कुमार मतीलाल	" ।।/193	"
193.	सुविमल कान्ति लोध	" ।।/194	"
194.	बुबाल कुमारमुखर्जी	" ।।/195	"
195.	इन्द्रजीत कुमारघोष	" ।।/196	"
196.	तुषार कान्ति भट्टाचार्य	" ।।/197	"
197.	दिलीप कुमार राय-।।	" ।।/198	"
198.	हिमांसु दे	" ।।/199	"
199.	श्वीर कुमार दास	" ।।/200	"
200.	सुविमल राय	" ।।/201	"
201.	बसन्ता कुमार बरन	" ।।/202	"
202.	सरोज कुमार भट्टाचार्य	" ।।/203	"
203.	परिमल चक्रवर्ती-।।	" ।।/204	"
204.	देवप्रसाद दास-III	" ।।/205	"
205.	श्वीर कुमार मुखर्जी	" ।।/206	"
206.	पतित पावन पात्र	" ।।/207	"
207.	निरंजन चक्रवर्ती-III	" ।।/208	"
208.	सुबीर कुमार दत्त,	" ।।/209	"
209.	अर्जय प्रसाद घोष	" ।।/210	"
210.	नीलमनी नन्दी	" ।।/211	"
211.	उत्पल दासगुप्त	" ।।/212	"
212.	इन्द्रजीत चन्द्र पाल	" ।।/213	"
213.	समरेण भट्टाचार्य	" ।।/214	"
214.	समीर कुमार नन्दी	" ।।/215	"
215.	प्रणव कुमार सेनगुप्त	" ।।/216	"
216.	प्रणव कुमार घच्छवर्ती	" ।।/113	"
217.	मणिकलाल सच्चा	" ।।/217	"
218.	हरधन श्रीमणी	" ।।/218	"
219.	सत्येन्द्रनाथ खांस	" ।।/219	"
220.	पार्थचरण पट्टनी	" ।।/220	"
221.	सुदर्शन मलाकार	" ।।/221	"
222.	प्रतिमा बन्दोपाध्याय	" ।।/222	"
223.	उषोत्तिरमय भट्टाचार्य	" ।।/223	"
224.	नरेश राय	" ।।/224	"
225.	हासु अन्द्र नाग	" ।।/225	"

राखाल रंजन सेन
लेखा अधिकारी (प्रशासन)
महा लेखाकार (लेखा परीक्षा) प० बंगल

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110 066—दिनांक 6 जून 1986

सं. प्रशासन/1/1172/1/जिल्हा-vi—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारियों को उक्त सेवा के बरिष्ठ प्रधानमंत्री ग्रेड (स्तर-II) (बान राय 2250-125/2-2500) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दर्शाई गए दिनांक से आगामी आदेश पर्यन्त सहृष्टि नियुक्त करते हैं।

क्रम सं.	नाम	दिनांक
1.	श्री रमेश डी० राव	15-1-86 (अपराह्न)
2.	श्री चर्णजीत नाल	8-5-86 (अपराह्न)

सं. प्रशासन/1/1172/1/—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी श्री डी० के० चेतावनी, जो रक्षा मंत्रालय (वित) नई दिल्ली में नियंत्रक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर है, को बरिष्ठ प्रधानमंत्री ग्रेड (स्तर-II) (बतामान रु 2250-125/2/2500) में दिनांक 18 जुलाई 1985 से आगामी आदेश पर्यन्त प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान करने हैं।

आर० बी० कपूर
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

श्रम मंत्रालय
बान सुरक्षा महानियंत्रक
धारा, दिनांक 11 जून 1986

सं०-२५ (6) 81-प्रशासन/4526—श्री लक्ष्मीनारायण कुमार छावरा को खात मुरक्का महानियंत्रक में सहायक नियंत्रक के पद पर अस्थाई रूप में 5 निवार 1985 पूर्वान्तर से आगत आदेश दिये जाने तक नियुक्त किया गया।

विं च० वर्मा
खान सुरक्षा महानियंत्रक

पूर्ति तथा वाणिज्य मंत्रालय

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा नियंत्रण महानियंत्रक
नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं. ए-1/1 (908)—नियंत्रण की आयु प्राप्त करने पर इस महानियंत्रक के स्थायी कनिष्ठ प्रधान अधिकारी तथा स्थायी नियंत्रक (ग्रेड-II) श्री एन० पी० नव्हुजा 2-136 GI/86

31 मई 1986 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

बी० साखरे
उप नियंत्रक (प्रशासन)
ठंडे मह नियंत्रक, पूर्ति तथा नियंत्रण

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1986

सं० ए-I/2 (353)ix—राष्ट्रपति ने, भवंश्री पी० एम० ग्लैड तथा आर० पी० नित्र को दिनांक 1-8-1977 से आगामी आदेशों के दिग्गजाने तक स्थानापन्न ग्राधार पर उप-नियंत्रक, पूर्ति के पद पर नियुक्त किया है। उपनियंत्रक पूर्ति के हृद के लिए बनाई गई संशोधित सूची के अनुसार, भवंश्री पी० एम० ग्लैड तथा आर० पी० नित्र की वरिष्ठता श्री ज० सहाय से नीचे और श्री सुर्जीत लाल में ऊपर रहेगी।

बी० साखरे
उप नियंत्रक (प्रशासन)

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1986

सं० ए०-19018 (27)/73-प्रशासन (राज०)—तकनीकी विकास महानियंत्रक में विकास अधिकारी (रसायन) के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री एन० टी० पी० सिंहा ने लघु उद्योग सेवा संस्थान नई दिल्ली में 29 अप्रैल 1986 (अपराह्न) से उप नियंत्रक (कांच एवं मृतिका) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12 (376)/62-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय नई दिल्ली के उप नियंत्रक (पांचिकी) श्री एन० एम० माथुर को इसी कार्यालय में 16-4-1986 (पूर्वान्तर) से अनले आदेशों तक नियंत्रक ग्रेड-II (पांचिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राधा
उप नियंत्रक (प्रशासन)

प्रस्त्र मंत्रालय

विं प्र० नारा० नारा०

नम्बर-20, दिनांक 5 जून 1986

सं० सी० ई० आर०/6/86-सी० एन० बी० 501—वस्त्र नियंत्रण आदेश 1986 के खण्ड 4 के उपखण्ड (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतदद्वारा इस अधिसूचना 'यथा "फार्म-ए" के रूप में संलग्न फार्म को कथित आदेश के खण्ड

के उपर्युक्त (1) के प्रतिपादन में बनाए जानेवाले आवेदन पत्र के रूप में निर्णित करता है।

(मिसिल सं० 2 (9)/86-सी० एल० श्री०)

टी० रामचंद्र राव

औद्योगिक सलाहकार

फार्म—ए

वस्त्र आयुक्त को अधिसूचना सं० श्री० ई० ११/६/८६-सी० एल० श्री० दिनांक ५ जून १९८६ का परिचय)

वस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश १९८६ के खण्ड ४ के अन्तर्गत कताई मशीनों की स्थापना हेतु प्रमाणपत्र की मंजूरी के लिए आवेदन पत्र।

1. आवेदक का नाम
2. आवेदक का पूरा पता
3. कारखाने का नाम
4. कारखाने का पता
5. मानिक, भागीदार का नाम या यदि कंगनी हो तो निदेशक का नाम
6. ईकाई नामे हेतु वस्त्र आयुक्त/ ग्रादेश प्राधिकारी वार्ग की गई पंजीकरण सं०
7. कताई मशीन की वर्तमान स्थापित क्षमता का विवरण
8. स्थापना के लिए प्रस्तावित कताई मशीन (पंजीकरण की फोटोस्टेट कॉपी लगाए)

विवरण	मशीन की प्रति मशीन संख्या	कुल तक्कुए/ रोटर की संख्या
-------	---------------------------	----------------------------

- (एक) रिंग फ्रेम
- (दो) ओ० ई० मशीन
- (तीन) अन्य यदि कोई हो।
9. कताई के लिए प्रस्तावित सूत का प्रकार
10. स्थापना के लिए शुल्क हेतु छिमांड ड्राफ्ट का अंगूठा
11. अन्य कोई संबंधित जानकारी

हस्ताक्षर —————

स्थान :

दिनांक :

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-७०००१६, दिनांक ६ जून १९८६

सं० ३३३९-बी/ए-३२०१३(प्रशा० अधि०)/७८-१९-सी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री डी० वैदेशवरन को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-४०-१२०० ह० के वेतनमात्र के वेतन पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, परिचालन यूनिट नमिलनाडू, केरल एवं पांडिचेरी, मद्रास के प्रशासनिक अधिकारी श्री एम० प्रा० रामचन्द्र की अवकाश विक्रित में ६-१-८६ से ७-३-८६ तक की अवधि के लिए ६-१-८६ के पूर्वाल्क से नदर्श आधार पर नियुक्त कर रहे हैं।

अभियंतक कुशारी
विदेशक (कार्मिक)
कृत महानिदेशक

नई दिल्ली दिनांक १० जून १९८६

सं० ३३७१-बी/ए-१९०१२(पी० के०)/८६-१९-ए— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (डी० ओ०) श्री पी० कन्दास्वामी को कलाकार के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रूपए के वेतनमात्र के वेतन पर स्थानापन्थ क्षमता में आगामी ग्रादेश होने तक ३१ जनवरी १९८६ के पूर्वाल्क से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक ४ जून १९८६

सं० ३२५७-बी/ए-१९०१२(२-एल० एन० एस०)/८५-१९-बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री लाकनाथ सिंह को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१२०० रू० के वेतनमात्र के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी ग्रादेश होने तक ६-१-८६ के पूर्वाल्क से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० ३२६९-बी/ए-१९०१२(३-पी० टी०)/८५-१९-बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्रीमती प्रतिमा दिवारी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रू० के वेतनमात्र के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी ग्रादेश होने तक १७-२-१९८६ के पूर्वाल्क से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक ६ जून १९८६

सं० ३३१६-बी/ए-१९०१२(२-बी० ए-ए०)/८५-१९-बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री विधान सरकार को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार ६५०-३०-७४०-

35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
रुपए के बेतनमान के बेतन पर अस्थायी अधिकारी की अवधारणा होने तक 18-10-85 के अपराह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3328-बी/ए-19012(2-एस० के० भी०) 85-19-
बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री एस० के० ओमेश्वर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के त्यूनतम बेतनमान में अस्थायी अधिकारी की अवधारणा होने तक 27-2-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 3349-बी/ए-19012(4-ए० के० भी०)/86-19--
बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विश्वित नक्तीकी महायक (ड्रिलिंग) श्री ए० के० प्रमाणिक को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-
880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के बेतनमान के बेतन पर स्थानापन अधिकारी की अवधारणा होने तक 31 जनवरी 1986 के पूर्वाह्न पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

सूचना और प्रमाण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

वस्त्रई-26 दिनांक 29 मई 1986

सं० ए-12025/3/85-आ० सी०—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री एस० एन० मिश्रा स्थानापन कैमरा मैन, पूर्व क्षेत्र निर्माणकेन्द्र, फिल्म प्रभाग, कलकत्ता को 15-4-1986 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक रुपए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में फिल्म प्रभाग, गोहाटी में तर्श्य आधार पर समाचार छिप अधिकारी नियुक्त किया है।

एस० एन० शर्मा
प्रशासनिक अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक का कार्यालय

नई दिल्ली-६६, दिनांक 10 जून 1986

सं० ए-19011/6/85 प्रशासन—इस कार्यालय की दिनांक 29-7-85 की समस्त्यक अधिकारी के ऋग में महालेखाकार (लेखा परीक्षा) के रूप त्रिवेन्द्रम के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री पी० डोर्स्ट्सामी की भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय, मदास में परिचालन अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति की प्रवधि 1-7-86 से 30-6-87 तक एक वर्ष के लिए विधमान शर्तों के अन्तर्गत बढ़ाई जाती है।

सं० ए-19011/1/86-प्रशासन—उद्योग मंत्रालय के प्रधान लेखा कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री आर० सी० भारद्वाज को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 30-5-86 (प्रपात्र) से परिचालन अधिकारी (विश्वित) के रूप में प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया जाता है।

2. श्री आर० सी० भारद्वाज की प्रतिनियुक्ति की अवधि प्रथमतया एक वर्ष होगी और कवित प्रवधि के दोनों उन पर समय-समय पर यथा संशोधित/स्पष्टीकृत वित्त मंत्रालय (व्यविधान) के कार्यालय ज्ञापन सं० 10(24)/3/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित शर्तें लागू होंगी।

कृपा साचार
भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1986

सं० 6(59)/63-एस-एस—श्री एस० रामास्वामी, कार्यक्रम निर्णायक, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम निवासन पर 31 मई, 1986 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत हो गए हैं।

श्राई० एस० पांधी
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1986

सं० ए-35017/1/84-प्रशासन—राष्ट्रपति ने श्री एस० बापी राजू, लेखा-परीक्षा अधिकारी, महालेखापाल (लेखा-परीक्षा), उडीमा, भुञ्जेश्वर, को 19 मई, 1986 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उपनिदेशक लेखा (भाष्णार) के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 11 जून 1986

सं० ए० 30012/8/85-प्रशासन—I—सेवा निवृति की आगु हो जाने के फलस्वरूप डा० एस० पी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक (टी० बी०) 31 मई 1986 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

पी० एन० घर्दी
उपनिदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

(कृषि एवं संकारिता विभाग)

केन्द्रीय पशु प्रजनन फार्म

मदास-५२, दिनांक 14 मई 1986

सं० पी० एफ० 70/प्रशा०-८५—केन्द्रीय मिलिल भेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उपनियम (1)

के अनुसार मैं, डा० एम० पी० नागपाल, निदेशक, केन्द्रीय पशु-प्रजनन फार्म, अलामाबी (आवडी) मद्रास-52 पुरुद्वारा श्री के० एम० राजी दोहक केन्द्रीय प्रजनन फार्म को यह सूचना देता हूँ कि जिस तिथि को यह सूचना संकारी राजपत्र में प्रकाशित होती है उससे लेकर एक महीने की अवधि पूरी होने की तिथि से उनकी सेवाएं समाप्त मानी जाएँगी।

डा० एम० पी० नागपाल
निदेशक

कृषि एवं प्रामाण विभास मंत्रालय
उर्वरक विभाग
उर्वरक उद्योग समन्वय समिति

नई दिल्ली दिनांक 21 मई 1986

सं० १(४)/उ० उ० रा० स०/८६ प्रशासन--राष्ट्रपति नगरीय विकास मंत्रालय के लेखा अधिकारी श्री राम सिंह को उर्वरक उद्योग समन्वय समिति, उर्वरक विभाग, में रुपए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सामान्य प्रतिनियुक्ति की गतों पद 23-4-1986 के (पूर्व मःगळ) से एक वर्ष के लिए लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० आर० नटराजन
कार्यकारी निदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 20 मई 1986

सं० ए० 32013/7/83-ई० सी०--राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की तकनीकी अधिकारी के पद पर की गई तदर्थि नियुक्ति को सामने दी गई तारीख बढ़ाते हैं :--

क्र०	नाम	सं	तक
वं०			
सर्वश्री :--			
1.	ए० एन० परांजपे	28-1-85	31-3-86
2.	एस० एस० कांग	8-9-85	31-3-86
3.	के० सी० सचेता	20-11-85	31-3-86

2. उपरोक्त अधिकारी तदर्थि नियुक्ति की अवधि बढ़ा दिए जाने से तकनीकी अधिकारी के पद पर नियमित नियुक्ति का दावा नहीं कर सकेंगे और तदर्थि आधार पर की गई सेवा न तो उस ग्रेड में वरीयता और न ही उच्चतम ग्रेड में पदोन्नति की पावता के लिए गिनी जाएगी।

बी० जंयचन्द्रन
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1986

सं० ए० 31015/2/85-ई० सी०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के नामने दी गई तारीख से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (वेतन-मान 1100-50-1600 रुपा) के ग्रेड में स्थानापन आधार पर नियुक्त किया है :--

क्रम सं०	नाम	स्थानापन आधार पर नियुक्ति की तारीख
----------	-----	------------------------------------

सर्वश्री :

1. एम० के० कब्रिङ्ग	.	1-8-79
2. रिसाल सिंह	.	28-2-80
3. डी० सी० मेहता	.	28-2-80
4. पी० सेठ	.	28-2-80
5. आर० एस० गहलौत	.	28-2-80
6. बी० के० खन्डेलवाल	.	28-2-80
7. एस० के० सरस्वती	.	2-2-80
8. एस० पी० हरदास	.	4-7-780
9. बी० एन० एम० गव	.	4-7-80
10. बी० के० चौधरी	.	4-7-80
11. सुशील कुमार	.	8-7-80
12. पी० एस० मलिक	.	4-7-80
13. आर० के० सूद	.	4-7-80
14. जे० बी० शर्मा	.	4-7-80
15. एम० एम० पोलस	.	4-7-80
16. के० सुरेन्द्र	.	4-7-80
17. एस० के० गोविलकर	.	4-7-80
18. राकेश कुमार	.	4-7-80
19. के० एस० नरसिंहग	.	13-7-80
20. रुष छन्द	.	13-7-80
21. विजय पवार	.	3-9-81
22. ए०के० बंसल	.	3-9-81
23. डी० अत्रालाग्न	.	26-9-81
24. बी० डी० गारेकर	.	26-9-81
25. एस० पी० कोनार	.	21-12-81
26. लखन कुमार	.	1-8-83
27. एम० इरुलप्पन	.	1-8-83
28. विश्वनाथ	.	1-8-83
29. आर० संगतकुमारन	.	1-8-83
30. यू० एन० सिंह	.	1-8-83
31. पी० के० बी० नायर	.	1-8-83

दिनांक 30 मई 1986

सं० ए० 32013/12/84-ई० सी०--राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक सचिव अधिकारियों को उनके द्वारा उच्च पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 31 मार्च, 1986

तक नागर विभानन विभाग में तदर्थे आधार पर संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। उन्हें उनके नाम के सामने दिखाए गए स्टेशन पर तैनात किया जाता है :—

क्रम सं.	नाम	वर्तमान तैनाती का स्टेशन	स्टेशन जिसमें तैनाती हुई है	कार्यभार करने की तारीख
1	2	3	4	5
1	श्री एस० एस० एन० मूर्ति	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	वैमानिक संचार, स्टेशन, मद्रास।	15-1-86 (पूर्वाह्न)
2	श्री टी० एस० रेखा	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ।	वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ।	17-1-86 (अप्राह्न)
3	श्री आर० टी० मिह०	नागर विभानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।	नागर विभानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।	27-1-86 (अप्रहाह्न)
4	श्री बी० जी० मुन्द्ररामन	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	15-1-86 (पूर्वाह्न)

सं० ए-32013/14/84-ई० सी०--राष्ट्रपति, नागर विभानन विभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को 28 फरवरी 1986 से निम्नलिखित संचार के प्रेषण में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं। और अगले आदेश होने तक उन्होंने महानिवेशक नागर विभानन का मुख्यालय नई दिल्ली में तैनात करते हैं।

1	श्री आर० सी० छिनकारा	वरिष्ठ संचार अधिकारी
2	श्री विजय पंचारा	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

सं० ए-38013/3/85-ई० सी०--नागर विभानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने सेवा निवृत्त करने की आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर नीचे दी गई तारीख को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

क्रम सं०	नाम व पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवानिवृत्ति की तारीख
1	श्री एस० षण्मूर्ति वरिष्ठ संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास (अपराह्न)	31-10-85

सं० ए-12025/1/85-ई० सी० -- राष्ट्रपति श्री एन० वैकटापथीराज को दिनांक 1-8-1985 से नागर विभानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में तकनीकी अधिकारी (वेतनमात्र : रुपये 700-1300) के पद पर नियुक्त करते हैं। उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास में तैनात किया जाता है।

बी० जयचन्द्रन
उपनिदेशक प्रशिक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं० ए-39013/1/82-ई० एस०--राष्ट्रपति, नागर विभानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उपनिदेशक/नियंत्रक उड़ानयोग्यता के प्रेषण में की गई तदर्थे नियुक्ति की प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

क्रम सं०	नाम	से	तक
1	सर्वे श्री		
1	एम० एस० इश्वराहिम	16-10-85	15-1-86
2	के० प्रभाकर	11-11-85	10-2-86
3	कलाश नारायण	7-11-85	6-2-86

दिनांक जून, 1986

सं० ए० 32012/2/82-ई० एस०--राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ उड़ानयोग्यता अधिकारी के प्रेषण में की गई तदर्थे नियुक्ति को उनके नाम के सामने उल्लिखित अवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

सर्वश्री	से	तक
1. एस० एस० नट	1-9-85	20-2-86
2. एस० एस० कुनेर	वही	वही
3. अनुपम बागची	वही	वही
4. एस० एम० फुल	वही	वही
5. मोहम्मद मुस्तफा	वही	वही
6. देव प्रसाद घोष	वही	वही
7. एल० एम० मायुर	वही	वही
8. डी० पी० घोष	वही	वही

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं०—12025/1/84—ई० प्र०—मंध लोक सेवा अध्योग की अनुसंधान पर राष्ट्रपति (श्री बिप्लब दत्ता को दिनांक 6-5-1986 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक 700-1300 रुपये के बेतनमान में स्थानापन्न रूप में उड़न योग्यता अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बिप्लब दत्ता को निदेशक उड़न योग्यता कलकत्ता एयरपोर्ट कलकत्ता के कार्यालय में तैनात किया गया है।

सं० ए०-38013/1/86—ई०—निदेशक विमानक्षेत्र, महाराष्ट्र के कार्यालय के विमानक्षेत्र अधिकारी श्री आर० मम्पत् सेवा निवृति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-4-1986 से सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं।

एम० भट्टाचार्जी
उपनिदेशक, प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 11 जून 1986

सं० 16/436/85—स्थापना—1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून के जी० टी० वी० घट्टर्जी सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय कुर्सीयाँग की सेवाएं दिनांक 30-4-86 के प्रपराह से अण्ठमान नकोबार वन विभाग के सुपुर्द कर दी हैं।

दिनांक 13 जून 1986

सं० 16/445/85—स्थापना—1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून श्री कृष्ण कान्त श्रीवास्तव के वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून के अन्तर्गत रोग कीट संवेधरण के केन्ट के अन्तर्गत अनुसंधान अधिकारी के पद पर दिनांक 25-4-1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जे० एन० सक्सेना, कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद दिनांक 7 जून 1986

सं० 3-746/मू० जल भू० (स्था०)—श्री मुकेश कुमार शर्मा को दिनांक 26-5-1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में सहायक जल भूवैज्ञानिक के पद पर जी० सी० एस० समूह-ब्र (राजपत्रित) बेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द०-ग०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जल भूवैज्ञानिक एवं सदस्य

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1986

सं० 7/1/86—प्रशा०—(बी०) विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ब्र) की मस्तुतियों के आधार पर अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे दी गई तारीख में केन्द्रीय विद्युत इंजिनियरिंग (समूह-ब्र) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता की श्रेणी में केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में मूल स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं० अधिकारी का नाम	पदनाम	अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर मूल स्थायी रूप में नियुक्त की तारीख
1. श्री एम० सी० रावत	सहायक निदेशक	28-9-82
2. श्री रामाकृष्णन के०	उप निदेशक	28-9-82
3. श्री बी० सी० मंडल	उप निदेशक	28-9-82
4. श्री एम० के० दास	सहायक निदेशक	28-9-82
5. श्री के० बी० एम० विजय कुमार	सहायक निदेशक	28-9-82
6. श्री एम० एम० राव	उप निदेशक	28-9-82
7. श्री जगेन्द्र कुमार	सहायक निदेशक	28-9-82
8. श्री बी० एस० कैंग	सहायक निदेशक	28-9-82
9. श्री ई० राजगोपालाचार्यसू	सहायक निदेशक	28-9-82
10. श्री बी० एम० सेठी	सहायक निदेशक	28-9-82
11. श्री एस० के० जातवाल	सहायक निदेशक	28-9-82
12. श्री ओ० पी० गुप्ता-१	सहायक निदेशक	28-9-82
13. श्री एम० पी० एम० विद्यार्थी	सहायक निदेशक	28-9-82
14. श्री वाई० पी० एम० बोहल	सहायक निदेशक	28-9-82
15. श्री रामशर्या राय	सहायक निदेशक	28-9-82
16. श्री जी० एम० लाग राजन	सहायक निदेशक	28-9-82
17. श्री बी० के० छक्का	सहायक निदेशक	28-9-82
18. श्री एस० के० शारदा	सहायक निदेशक	28-9-82
19. श्री एस० बी० अत्री	सहायक निदेशक	1-5-84
20. श्री जी० के० नन्दा	सहायक निदेशक	31-8-84

आर० शेषाद्रि, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

परिवहन मंत्रालय
वक्षिण पूर्व रेलवे
कार्यालय महाप्रबन्धक

कलकत्ता: 700043, दिनांक 2 जून 1986

सं० पी०-जी०/14/300ई/भाग-II—इस रेलवे के कार्मिक विभाग के नियन्त्रित स्थानापन्न “शुप बी०” के अधिकारियों का पुष्टीरत्न उमी विभाग में शुप-“बी०” सेवा में प्रत्येक के नाम के सामने उल्लिखित तिथि में फिया गया है।

ऋग सं० नाम व पद नाम

पुष्टीरत्न
की तिथि

1. श्री डी० एल० एन० मूर्ति, मण्डल कार्मिक अधिकारी, नागपुर (सेवा निवृत्त)	12-09-79
2. बी० एम० भिक्षण मण्डल कार्मिक अधिकारी, बिनामपुर	01-03-82

श्रूप बिहू,
महाप्रबन्धक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं युह इन्वेस्टमेंट प्रा० लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 11 मई 1986

सं० 708/8958/560 (3)---कम्पनी अधिनियम 1956- की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर जूहु इन्वेस्टमेंट प्रा० लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

बी० राधाकृष्णन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र बम्बई

कम्पनी अधिनियम 1956 कनिंह बिल्डर्स प्रा० लिं० के विषय में

पटना-800001, दिनांक 6 जून 1986

सं० 1917/560/1428---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा 3 के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सी० इन्टरप्राइसेम इंजीनियर्स प्रा० लिं० के विषय में
पटना-800001, दिनांक 6 जून 1986

सं० 1551/560/1431---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर सी० इन्टरप्राइसेम इंजीनियर्स प्रा० लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिसूचना 1956 और श्री शक्ति कोलड स्टोरेज एंड इंडस्ट्रिज प्रा० लिं० के विषय में

पटना-800001, दिनांक 6 जून 1986

सं० 1467/560/1434---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर श्री शक्ति कोलड स्टोरेज एंड इंडस्ट्रिज प्रा० लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और डालमिया बिस्कुट प्रा० लिं० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 6 जून 1986

सं० 1643/560/14374 कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर डालमिया बिस्कुट प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विवरित कर दी जायेगी।

ह० अष्टावीं
कम्पनी रजिस्ट्रार
बिहार पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और मिदनापुर लोन एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 12014/560 (3)---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मिदनापुर लोन एंड ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लिं० का नाम इसके प्रतिकूल कारण न दर्शित

न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी, अधिनियम 1956 और कल्याणी के० के० हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 24252/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कल्याणी के० के० हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एस० गांगुली एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 16864/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एस० गांगुली एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेस्ट बंगाल साल्ट एण्ड हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 23186/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेस्ट बंगाल साल्ट एण्ड हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर० एच० एस० चौधरी एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 17511/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० एच० एस० चौधरी कम्पनी एण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आर० एच० एस० पी० हॉंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 27021/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि डा० तारीख से तीन मास के अवसान पर आर० ए० एस० पी० हॉंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रेन्डो हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1986

सं० 21649/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रेन्डो हॉस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टि कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यांत्रिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 8 जून 1986

सं० 22149/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यांत्रिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जायेगा और उक्त विषट्टि कर दी जायेगी।

डी० कौ० पाण, कमानियों का रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

क्रमांक ४८२, ती १५ अ १००

आधिकर बोर्डर : 1961 (1961 का 43) की
नंबर २६७ व (१) के इच्छा दस्तावेज़

आदत संग्रहालय

विद्यालय, सल्लुदक आधिकर बाजार लैन रोड

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिसंबर 28 मई 1986

निदेश मं० राज०/क्षा०/ अर्जन/२६७०— अतः मुझे,
मुझीर चन्द्र,
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस हो इच्छा 'इच्छा अधिनियम' कहा जाता है), की अन्तरा
२६०-व ए अधीन सुक्षम प्राधिकारी ने, यह विवरण करते का
कारण दै एवं स्थान सम्बन्धि विद्यालय आधिकर बाजार अल्प
१,००,०००/- रु. से क्षमित है

अग्रिम विवरकी सं० नीलकमल सिनेमा तथा जौ भगतपुर में स्थित
है (अग्रिम उपाय अनुसुची में और पूर्णरूप से दर्शित है),
रजिस्ट्रीड अधिकारी के आवासीय, भगतपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन लारीख
16-10-1985,

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विवास
करने का कारण है कि एपर्वेक्त गंपति जा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफलों का
एंट्री प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) इच्छा से हुई किसी आय की बाबत सुन्न
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
उचित अन्तरकों की दरों द्वारा उपरोक्त इच्छा के अधिकारी
की विवरण

(२) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्न वासियों
की विवरण अपर्वेक्त लालू कर अधिनियम, 1925
(1925 का ११) द्वारा अधिकारी, १९६८ वर्ष २८
के अधिकारी द्वारा अपर्वेक्त लालू कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इच्छा प्रकट नहीं किया
जा या आ किसी दाता कालिया, लैन वा
प्रतिक्रिया के लिए:

अतः अब, इच्छा की विवरण द्वारा अपर्वेक्त कर के अन्तरक
की अन्तरित अधिनियम की नंबर २६७ व दी गयी उचित
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—136 GL/86

(१) श्री प्रणाली हु पुत्र श्री रेतीर्णि हु व श्री हरीमोहन
पोद्दार पुत्र श्री मदामोहन पोद्दार, भगतपुर।
(अन्तरक)

(२) मेरम आर० एस० शर्मा एण्ड एम्प्ली (दिल्ली) प्रा०
लि०, सी-३/६० जनकपुरी, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

वे यह सूचना लारी करते बनावस भगतपुर के अंदर के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सूचना के उचित के सम्बन्ध में लाइन श्री अद्वीत-

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन तक अवधि प्राप्ति व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि दृढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उपरोक्त व्यक्ति द्वारा अप्रोत्तिकरण के पाल
नियम से किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होता है जो उक्त अध्याय में दिया
जाता है।

प्रत्यक्षी

सिनेमा भवनों जिने "नियामन लालू नियामन" रहा जाता है;
मिथन भगतपुर विभाग द्वारा दिनांक १५ अगस्त, भगतपुर
द्वारा का सं० १९३४ दिसंबर १३-१०-१९८५ पर पंजीयन दिया
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मुझीर चन्द्र
मध्यम प्राधिकारी
महायक आधिकार लालूकर (किरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 28-5-1986

मोहर :

प्रह्लाद आर्टी.टी.एन एम.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जनरेज ज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 14 अप्रैल 1986

निदेश सं० पा० 274/ 85-86/ डी० बी० आर०/ ए० क्य००/
एन०/ 14-16—लतः मुझे, श्री हौ० जे० मावलोंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधिक स्थावर प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिसकी सं० दाग नं० 507, पी० पी० नं० 146 खोटिया-
वारी वाई है तथा जो डिग्रूगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद
अनुसूची में श्री० पूर्णस्वप्न में लिखा है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के
कार्यालय, डिग्रूगढ़ में, रजिस्ट्रीक्षण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 4-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए उन्नतरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिगत प्रतिफल में ऐसे इयमान प्रतिफल का
पंडह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाबित्व में
कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी बन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हे भारतीय लाभकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अक्षर
प्रदीप्ति, 1957 का 27) द्वे अन्तराल
अंतरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किम्,
जिता चाहिए था, प्रद्याने में साइधा ऐसे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

- (1) गतेण नत्तं धरा, डिग्रूगढ़ पी० डॉल्यू० डी० कानोनी,
(अन्तरक)
(2) (1) प्रतुल चन्द्र गोई (2) श्रीमती पूर्णमा गोई
प्रतुल चन्द्र गोई की पत्नि, जीवन कुल नगर, पी०
सी० आर० विल्डग, डिग्रूगढ़।
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिसूत्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का परिया ओ० बी० 1 (एक) कट्टा जीरो
ला० पक्का मलान के साथ जिम्मा दाग नं० 507 पी०पी० नं०
146 खोटियावारी वाई, डिग्रूगढ़ में स्थित है।

हौ० जे० मावलोंग

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जनरेज ज, शिलांग

तारीख: 14-4-1986

मोहर :

प्रधान प्राप्ति, टी.एम.एस. —————

(1) श्री एन० डॉ भायाल।

(अन्तर्राष्ट्रीय)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदेश
269-व (1) के वर्तीन संख्या

(2) श्री मुकुल पांडित्या।

(अन्तर्राष्ट्रीय)

विषय विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० ए०सी०-२/ एक्य० रेज-४ /ईडी/ कलकत्ता
85-८६— अभ्युक्त: श्रेष्ठ नर्दमुदीन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रत्येक 'उपायकर अधिनियम' कहा गया है), की आदेश
269-व के वर्तीन संख्या प्राधिकारी जो वह विषयात् करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमें दीचल बाजार भूम्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रेष्ठ जिसकी सं० 150 है तथा जो जी० टी० रोड, आमनसोन
में स्थित है (श्रेष्ठ इनमें उपायकर अनुसूची में श्रेष्ठ पूर्णलूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रा नं० जधि-नारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रा नं०
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-10-

1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूले यह विषयात्
करने का कारण है कि व्यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उपर्युक्त बाजार
भूम्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल अ
पूर्ण प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षों
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥

(३) विषय व उपर्युक्त विवरण का वाचक, उपर्युक्त
अधिनियम के अन्तर्वर्ती उपर्युक्त विवरण के अन्तर्वर्ती
विवरण के अन्तर्वर्ती उपर्युक्त विवरण के अन्तर्वर्ती विवरण
में लिखा जाएगा वा लिखा जाना चाहिए वा छिपाना वा
दूसरी विधि के लिए;

अनुसूची

(४) एकी किसी वाय या किसी भूमि या अन्य आवासों
को, 'अन्हूँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
एनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अतिरिक्त ब्याज अकट नहीं किया जा
पाया या वा किया जाना चाहिए वा छिपाना वा
दूसरी विधि के लिए;

वह यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त हम्मति के वर्तीन के लिए
कार्यालयान्हीन करता है।

वर्तीन संख्या के वर्तीन के लिए वर्तीन में कार्य भी वर्तीन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पंचांगी अविक्षितमें दर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि दोनों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी दोनों व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित नहीं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इह नं० प्रयुक्त संख्या और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के उद्धाय 20-क में परिधायित
है, यही वर्ती उपर्युक्त विवरण के पास
गया है।

विषय व उपर्युक्त विवरण का आदेश 269-व के वर्तीन संख्या
में, मौ, उक्त अधिनियम की आदेश 269-व का उपर्युक्त (१)
के वर्तीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तीन ८—

जमीन-10 काटां जमीन का भाय मकान का 1/4 भाग,
पता-150, जी०टी० रोड, (ईस्ट) आमनसोन।
दलील सं० 1985 का 37ई० नं० 10/ एक्य० रेज/फ्लॅट
85-86

श्रेष्ठ नर्दमुदीन

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 27-12-1985

मोहर:

“**ज्ञान विद्या, सी. एस. एस.**”

(१) श्री पृथ्वी भायावस ।

(ଅନ୍ତର୍ଜାଲ)

आमदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
संख्या १८० वा (१) के विप्रीत गवाहा

(2) श्री ज्योति प्रकाश पामिसिया !

(अन्तिमिति)

三

कार्यालय, सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शुल मत्ता

१८८४, दिसंबर २७ दिवस्त्रिंशि, १९८५

निर्देश सं० न०सी०-३/ प्रकृ० रेंज-४/इडी/ कलहता/
५-८३-२८ दिन: नम्बे, श्रीमहार्वदि,

बायकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (‘प्रते इसमें
इसके प्रवक्ता ज्ञात नहीं हैं’ कहा जाता है), को भारा
269-के अधीन समझा गया था। उसके बारे में विवाद बढ़ते जा-
ते हैं जिसके लिए अनुचित ब्रह्मांड, जिसका उत्तर आज तक पूर्ण
1,00,000/- रु. से अधिक है

अमेरिकन नॉर्म १५० हेलोग्राफी ३०० रेल, (इस्ट) जापान-
सोन्न में व्यवस्था है (अमेरिकन इंजिनियरिंग सोसायटी में अमेरिकन पूर्णलाप से
वर्णिता है), एकमात्र तरीका यही के लायलिय, जल-जला में
रुक्षित्ती देणा ज्यार्थितम्, १९०८ (१९०८ का १६) के अध्यान
तारीख १०-११-१९०८।

कानूनोंकी समीक्षा के उत्तराधिकारी मूल्य से कम के, दृष्टिभाव प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करता हूँ कि वास्तविक यथात् इसकी छापता हुआ डॉक्यूमेंट मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल के पृष्ठ प्राप्तिकरण से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरारकी (अंतरिक्षितपदों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया विविध विभिन्नताओं उत्तराधिकार से उत्तराधिकार सिद्धित हैं।

पर्याप्त उत्तीर्ण किसी नाम या किसी भग या अन्य आरितमार्ग को 'जिल्हे' भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसी अधिनियम, यह वरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगलगार्थी अस्तारा इवांग प्राफृत भर्ता किया गया था या किया गया। बाहिए था, जिसने भैं लविधा के लिए,

अथवा उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के कनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूखना पारी करके पूर्णसत् वस्त्रिति के वर्षत के दिप
आयोगिकां करुता है।

उक्त सम्पर्क के अर्द्धन के संबंध में कोई भी वास्तविक ५—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगति व्यापकतमा पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णरूप व्यक्तियाँ दो से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राखागत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पालि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति सूचारा, अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्फृतीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ब्रह्मनियम, जो अल्पाभ् २१८ में परेभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस व्याख्याय में दिया गया है।

अन्तस्त्री

जमीन-10 खाडा जमीन का साथ मराम का 1/4 भाग
पर्ता-150, जी० टी० रोड, (इस्ट आवाससोल जिला-वर्धमान।

शेष नईमुद्दीप
गत्थम प्राधि हारी
सहायक आयकर आयुक्त (तिरोक्षण)
बर्जन रेज, कलकत्ता।

प्राचीन : ३७-१२-१९८५

मोहनः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.

(1) श्री प्रभास चन्द्र राय, श्री विमूर्ति भूषण राय, श्रीमति
इन्दु बाला राय।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

(2) वपेग इनोवेशन लिं.

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 27 फावरी 1986

निर्देश सं. ए० सी०-३५ / प्रक्ष० रेंज-IV / कलकत्ता/85

86-अन्तः मुझे शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीरामप्रसाद की सं. 150 है नथा जो महेश, श्रीरामपुर, हुगली में
स्थित है श्रीरामप्रसाद अमूल्यनी में श्रीरामपुरहन्द में वर्णित है),
रजिस्ट्री लॉट अधिनियम के कार्यालय, श्रीरामपुर में रजिस्ट्री लॉट
अधिनियम, 1908 (1908 लॉ. 16) के अधीन, तारीख
14-10-1985,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्त
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

मृत्युचंद्री

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृविधा
के लिए;

जमीन-1 बीचा 5 काठा।

पता—मौजा—महेश थाना—श्रीरामपुर जिला—हुगली।

दलील सं. 1985 का 5068

शेख नईमुद्दीन
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ताअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख : 27-2-1986

मोहर :

प्रस्तुत लाइ०. नौ, एन. एन. २२८

(१) श्री एस० देवराज।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) को
धारा 269-ए (१) के अधीन सूचना

(२) श्री रामचन्द्र नायडू।

(अन्नारिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक ३ जून १९८६

निवेदा सं० ३/अक्तूबर, १९८६—अनैः मुझे, श्रीमति आर०

जानकीरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) के अनुच्छेद
इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, वा २८
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर समाज, जिसका उचित आजार भूम्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग्रेजियों सं० उडुमलै है, तथा जो निरूपण में स्थित है (ओर
इसने उपाबद्ध अनुसूची में आंद्र पूर्णांच (विधि है), निपटी-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुमलैपेठ/लेख सं० 2517/85 में
भारतीय राजस्थान अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधिन अक्तूबर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दोगे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अपेक्षा (प्रतिफल के लिए
बल्लारी (अन्तर्दिक्षणों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तथा
पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचित रूप से उक्त अनुसरण
निधित में शास्त्रावक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से है किसी आय की आवधि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के मुद्रारक क
योग्यता में कमी करने या उससे बचाने में दूरीवास
के लिए और/या

अनुसूची

(क) एकी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर आंतरीनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अ
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का ११)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय प्रदूष नहीं, ऐसी आय
आदा किया जाता जाता है या उसमें में दूरीवास
के लिए;

कुपि खतीपूलंकिनार गांव-उडुमल, निरूप्पुर उडुमल
पेठ लेख सं० 2517/85

आर० जानकीरामन
मकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः इस उक्त अधिनियम की आय 269-ए के अनुसरण
में, मैं इस अधिनियम की आय 269-ए की उपधारा (१)
के अर्जौं, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मार्गित्र : ३-६-१९८६

मात्र :—

पठन काहौं, टी. पर., एस.

(1) श्री म. रंगामि श्रीर अन्धे।

(अन्तरक)

(2) डॉ मेर्स डेप्रेसको इन्जीनियरिंग तथा पार्टनर श्री
म. रंगामि।

(अन्तरिती)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत करकार

सार्वजनिक, उहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निदेश सं० 4/अक्तूबर, 1985— अन्त मुझे, आर०
जानकीरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसने
इसके पश्चात् 'चक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है;

और जिसकी सं० कृषि खेती कुरुडम्पालयम है, तथा जो कोयम्ब-
नूर में स्थित है (और इसपे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, पेरियाल्य-
कनपालयम लेख सं० 2477/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 85
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए जम्लरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाकूरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए क्षय गया ज्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

(१) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन उन इन्हें के अन्तरक ने
दावित बोक्ती करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

जानकीरामन

(२) एवं किसी बाय या किसी भव या वस्तु आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 32)
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा श्रेष्ठ नहीं, न ही
गया था या किसी जाता आहिए या निराम
स्थिति के लिए;

अन्त मानकीरा मन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

अन्त: अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-घ के क्रमसंख्या
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

तारीख : 3-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत वाद वी. एस. एव. 269-ग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाय
269-ग (1) में अधीन वाचन

वायकर वाचन

अधीनवाद, उच्चावक बायकर वाचन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1985

निदेश सं० 5/अस्तूबर/85— अतः मुझे, आर० जानकीरामन, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विस्तृत इसमें इसके पश्चात् 'उच्चावक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सभी साधन प्राप्तिकारी को यह विवाद करने का अवृण है कि स्थावर अन्तरित विवाद उच्चावक बायकर वाचन 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जहांगीर हाउस डोर सं० 213 राजा स्ट्रीट, है तथा जो कोपम्बन्नूर-2 में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोपम्बन्नूर में सेक्स सं० 4519/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1985

क्वां पूर्वोक्त संस्थित के उचित बायकर मूल्य से कम के रख्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसके बहु विवाद के रूपों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्थित का उचित बायकर मूल्य, उसके रख्यान प्रतिफल से, एसे रख्यान प्रतिफल का एन्ड्रू प्रतिवाद से अधिक है और बस्तरक (बस्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से इक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(1) श्री श्रीदेव पाठ और अन्य तथा बाबर अफ

अटारनो प्रेसेंट श्री ए. रामचेन्द्रराव।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनाथ मार अन्य।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थित के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उच्चावक अधीन के अर्जन के संबंध में कोइ श्री बालेश ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की साझील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांहस्ताक्षरी वे पात्र निर्दित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों-और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को घिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किसी आना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और महान “जहांगीर हाउस” 213, राजा स्ट्रीट कोपम्बन्नूर। लेन सं० 4519/85

आर० जानकीरामन
मक्षम प्राधिकारी
मद्रास बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 3-6-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपभारण (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी करता हूँ—

प्र० एम० एम० एन० प०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निकेश सं० 9/अक्टूबर 1985— अतः मुझे श्री आर० जानकीरामन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहू है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० पुंजा भूमि चेट्टिपालयम है तथा जो कोयम्ब-
 तूर में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्णरूप से
 वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विणाकुड़ि
 लेख सं० 786/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पारा बद्र ब्रॉडफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण ते हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कर्ता करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय जो किसी भन या अन्य जास्तियों के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—136 GJ/86

(1) श्री एम० एम० एन० प० एम० वी० वोजन और 9 अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० अब्दुल्ला और उनके पुत्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आशेष नहीं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किये जा सकते।

प्रदूषकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और वर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अथ होगा जो उस अध्याय में विद्या एवं है।

अनुसूची

कृपि खेती—चेट्टिपालयम गांव—कोयम्बत्तूर तालुक किन्न-
 तुक्कड़व—लेख सं० 786/85

आर० जानकीरामन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 3-6-1986

मोहर :

प्रकृष्ट वाइ. टी. एव. पड़. ——————

(1) श्री सम्पत और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० राममूर्ति और अन्य।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत बारकार

आयत्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 जून 1986

निवेश सं० 17/अक्टूबर 1985—अतः मुझे आर०
आनकीरमन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकोपशास्त्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100 ०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० III वार्ड टी० एस० सं० 1335 है तथा जो तंजावूर
में स्थित है (और इससे उपांड अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायत्ति तंजावूर जिला—लेख
सं० 2054/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे द्वारा विश्वास
फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसें अन्तरण के लिए तथा
गया गण दर्जनफल, निम्ननिम्नतम् उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नतम् पर वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ॥—

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई वाचन ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मुद्रित

भूमि और मकान—III वार्ड—दक्षिण रामपाटी टी० एस० सं०
1335 तंजावूर जिला—तंजावूर लेख सं० 2054/85

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

आर० जानकीरमन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

वाच: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्ननिम्नतम् व्यक्तियों, वर्षात् ॥—

तारीख : 3-6-1986

मोहर :

प्रकृष्ट बाईं दी. पन. एवं ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन दृष्टना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२/एस० आर०-१/
10-४५/२७९— अतः मुझे, अशोक ककड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एम०पी०एल०
11/5057 प्लाट नं० 6 नेताजी सुभाष मार्ग दिरियांग दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अक्टूबर 1985

के पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृम्भे यह विवाद
हरने का कारण है कि वथाप्पोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके अधिमान प्रतिफल से, एवं अधिमान प्रतिफल का पक्ष
प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरुप होते हैं जिन्हें तब पाया जाता है कि
प्रतिफल निर्माणित उद्देश्य से उक्त बन्तरक लिखित में
गास्ट्रिक रूप से कीदित नहीं किया जाता है ॥—

(क) बन्तरक से हूर्दा किसी भाव की दृष्टि उक्त
बन्तरिति के बीच बहु दर्दे के बन्तरक के बन्तरित
में कोई छाप या उदाहरण दृष्टि में दृष्टिता की जिस;
और/या

(ख) हेठों किसी भाव या किसी भाव का उक्त
कालिकार्य की विद्यु भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अद-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी भाव आहिए था, जिसमें में संविधा
नी निए।

वहाँ बत, भवत अधिनियम की भारा 269-ए के उक्ताद्य
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन ॥—

(1) श्री हरचन्द जैन चेन्ट्रिकल ट्रस्ट रूम नं० 8, छट्टा
खण्ड, 10, कलाहव रोड कलकत्ता-70001 द्वारा
ट्रस्टी जितेन्द्र कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री रेणू कुमार जैन, संजय कुमार जैन, अमृत जैन,
नीरज कुमार जैन, सुपुत्र रतन लाल द्वारा अभिभावक
देवीचन्द निवासी 4/९ ए० एन० स्टूट मद्रास-1
(अन्तरिती)

को यह दृष्टना भारी करके पूर्णत जम्मी के बर्बन के निष
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वक्त्रपे :—

(क) इह दृष्टना के उपर्युक्त प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
दृष्टना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होते हैं, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह दृष्टना के उपर्युक्त प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
पिण्डी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्वाक्षरता :—इसमें प्रथमत दृष्टों द्वारा पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

प्राप्ती बीयर्सिंग नं० 11/5057, प्लाट नं० 6, ब्लाक ए,
तादादी 295.2 वर्ग गज नेताजी सुभाष मार्ग दिरियांग नई
दिल्ली । लीज होल्ड।

अशोक ककड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 11-6-1986

मोहर :

सूचना वाहन दौ पत्र.पत्र.-----

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरण
269-प (1) के अधीन सूचना

सूचना वाहन

कार्यवाच, सहायक दायकर बायोक्त (विवरण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस०आर०-१/
10-85/281-- प्रतः मुझे अशोक कक्षकड़

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धरण 269
प्रति अधीन संख्या प्रारंभिकारी को, वह विवरण करने का अनुच्छेद
है कि स्थावर संपत्ति विवरण उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो प्राप्तीं नं०
एफ-3/28, बनी तादादी 272.22 वर्ग गज माडल टाउन दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णसूच्य से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायानियं नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन नारीख अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एवं उसके इष्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाजा बदा बांट-
छाप, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंदरण विवित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से उत्तर कियी जाती बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिक्षम
में कभी अंतरण वा उक्त संचारन में सुविधा के लिए
बार/बा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय दायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

जरूर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंतरि ए—

(1) गुलशन कुमार बक्शी सुपुत्र स्वर्गीय गोविन्दा राम
बक्शी निवासी—एफ-3/28 माडल टाउन दिल्ली-9
(अन्तरक)

(2) 1. श्री लखीराम सुपुत्र नन्द किशोर 2. सुदेश लता
पतिं सत्य नारायण 3. अशोक कुमार गुप्ता सुपुत्र
लखी राम और 4. शशि गुप्ता पति श्री किशन
कुमार बी-118 अशोक ब्रिहार-1, दिल्ली ।
(अन्तर्गत)

को यह सूचना आपी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के विषय
कार्यवाहियां करता है।

का बर्बन के बर्बन के सम्बन्ध में कोइ भी वापरेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाल निवित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्तीं नं० एफ-3/28 बनी तादादी 272.22 वर्ग गज
माडल टाउन, दिल्ली ।

अशोक कक्षकड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक दायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 11-6-1986
मोहर :

संस्कृत वाहन, डॉ., एम., एच.-----

कांपनी नियम, 1961 (1961 का 43) तथा
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

कांपनी नियम

कांपनी, सहायक बाबकर बाबकर (नियम)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

नियम सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एम आर-१/१०-८५/
२९९—यतः मुझे, अशोक ककड़,

बाबकर बाबिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन उक्त विभास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट 103 पी० एन० नं० 4834/24 अंसारी रोड दरियागंज दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो इसका प्रतिफल के सिए बलारित की नहीं है क्योंकि यह विभास करने का कारण है कि विषेषज्ञ विभास का उचित बाबकर मूल्य उक्ते इसका प्रतिफल है कि इसका प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिवेद अधिक है और बंदरग (बंदरगों) और बंतरियों (बंतरियों) के दीप एवं बंदरग के लिए इस पक्षा का प्रतिफल, विषेषज्ञ अनुदेश से उक्त बंदरग प्रतिवेद में वास्तविक रूप से कीभी नहीं किया गया है :—

(म) बलारित द्वारा लिखी दाता की वापसी, उक्त विभास के अधीन उक्त दाते के बलारित के अधीन दाता की वापसी की विविध गोपनीय

(८) दाती लिखी दाता का विविध वर्ष का वापसी विविध का, निष्ठा वास्तवीय बाबकर बाबिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त विभास, वा बनकर बाबिनियम, 1957 (1957 का 27) के विषेषज्ञ अनुदेश अनुदेश सही किया गया था वा किया जाना आविह था, जिसने में सुविधा की विविध;

वर्ष: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसारण में, गोपनीय उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, विषेषज्ञ विविध वर्ष का, वर्षहूँ :—

1. श्री एस० डी० मदन सुपुत्र सी० आर० मदन सोल प्र० साउथ दिल्ली बिल्डर्स एंड प्रोटोर्स निवासी 482 डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली । जनरल एटोर्नी बृजेश्वर दवाल सुरेश्वर दवाल एण्ड महेश्वर दवाल माथुर सुपुत्र स्वर्गीय प्रेम बिहारी माथुर

(अन्तरक)

2. डॉ० एशिया आटोएण्ड जनरल फाइनेंस लिमिटेड 11/4397 दरियागंज नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त बलारित के बचत के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यपेतः—

(क) इस सूचना के राबवत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख वे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर द्वितीय व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वायाः;

(क) इस सूचना के राबवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तवाची वस्त्र व्यक्ति द्वायाः विवाह स्थावरी के बाद लिखित हैं किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें विवरण वालों और वर्षों का, वी स्थावर बाबिनियम के अन्वाद 20-के वीरभाष्यित है, वही वर्ष होगा जो उक्त अध्याय में लिखा गया है।

वानृत्यसी

फ्लैट नं० 103 प्रथम खण्ड तादादी 935 वर्ग फीट ।
पी० नं० 4834/24 अंसारी रोड दरियागंज, नई दिल्ली ।

अशोक ककड़
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-6-86

मोहर

उच्च वार्ता दी. एव. एव. १९८६-८७-८८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सात्त्वि उत्तराखण्ड

कार्यालय, तहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस-आर-१-१०-८५/

502—यतः मुझे, अशोक ककड़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बायकर मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सिंगल स्टोरी एम० पी० एल० ए० 4866/1
ओल० नं० में हरबंस सिंह स्ट्रीट दरियागंज दिल्ली 283
वर्ग गज है तथा नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
ग्रन्तिकारी में और पूर्ण रूप से अनित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बायकर मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह के यह विश्वास
कारण का कारण है कि बायकर सम्पत्ति का उचित बायकर
मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल से, ऐसे स्थावर प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरोक्त) और अंतरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए उच्च बायकर प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादिक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उच्च
अधिनियम ने अधीन कर देने के अन्तरण के
द्वायकान में कमी करते वा उक्त बजाए वे अधिकारी
के लिए लाभ/वा

(क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिमों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर
व्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशाला
अन्तरिती इकाया प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् —

1. श्री महेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र स्वर्गीय डा० हर लाल गुप्ता
1170 कूच महाजनी चांदनी चौक दिल्ली-1 10008
(अन्तरक)
2. अकांक्षा विनियोग लिमि० कार्यालय 1/1-ए बीपलाबी
मुकुल स्ट्रीट कलकत्ता द्वारा डायरेक्टर सतीश बर्मा
सुपुत्र रामजी घास ए-1 नारायण बिहार नई दिल्ली-1
(अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन वे सम्बन्ध में होइ भ्री बालोप ८—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी अविक्षितों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितों में से किसी अविक्षित इकाया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति व्याया अधोहस्ताक्षरी के पास
प्रिविले ने एक ए वा सहभाने;

प्रतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वहीं वर्ष होगा जो उक्त अन्याय में दिया
गया है।

ग्रन्ति

सिंगल स्टोरी :विल्डिंग एम० पी० एल० नं० 4866/1
(ओफी नं० 7) हरबंस सिंह स्ट्रीट 24 दरियागंज नई दिल्ली-
110002 तालादी 283 वर्ग गज बसरा नं० 51

अशोक ककड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-6-1986

मोहर :

उच्च वादुः श्री लक्ष्मण

**बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०/२/एस-आर-१/११-४५/

331—यतः मुझे, अशोक ककड़,

**बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकरणी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० ई-२६/३ राजौरी गाड़न नई दिल्ली है तथा
जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख नवम्बर 1985**

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
संलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) उक्त वंश हृषी किंवि वर्म की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
ने किए; और/वा

(ब) एकी किंवि वर्म वा किंवि वर्म वा उच्च वारिकर्णी
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा उच-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहीला वंश लिए;

वयः वय, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अर्थम, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्मात :—

1. श्री संत कुमार सरीन स्वयं एटार्नी सरेश कुमार सरीन
पुत्र श्री जी० एल० सरीन ई-२६-३ राजौरी गाड़न
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश प्रेम प्रकाश सुपुत्र नथा राम और
कैलाश वती पत्नी स्वर्गीय कृष्णलाल निवासी-७/१३०
सुभाष नगर नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयमें शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध वित्ती व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
जाता है।

अनुसूची

प्राप्तीं नं० ई-२६/३ राजौरी गाड़न नई दिल्ली तावादी
555.55 वर्ग गज । फी-होल्ड।

अशोक ककड़
सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाइं. टी. एन. एस.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

साइट दर्शक

अधिकारी, वायकर अधिकार बाबूलत (नियोजन)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस-ग्रा०-१/११-८५/
३४६—यतः; मुझे, अशोक कक्कड़,
वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-२१, माडल टाउन, दिल्ली
है, तथा जो दिल्ली में स्थित है) और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विवाह संकरने का कारण है

कि वह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दबावान प्रतिफल से, ऐसे दबावान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा जे लिए; औड़/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को किन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबाव प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा जे लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसार
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री दुर्लेश सिंह ए० महिन्द्र सिंह सुपुत्र एस० गुरुमुख
सिंह ए०-२१, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री राजेन्द्र कुमार मेहरा सुपुत्र ए० ए० मेहरा संलग्न
रमेश नारायण मरमर चन्द्र कुमार मेहरा और सिंह
कुमार मेहरा निवासी कलंकता और जी० ए० ए०-२९,
माडल टाउन, दिल्ली-९।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन वे दिए
कार्यवाहीया करता है ।

उपर सम्पत्ति के अर्बन वे सम्बन्ध में कोई वास्तव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
तिवित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ॥

अनुसूची

हाउस नं० ए०-२१, माडल टाउन, दिल्ली तादादी 450
वर्ग गज एक मंजिल बिल्डिंग, ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (नियोजन)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-6-1986

माहेर :

संसद वार्षि. दौरी. प्रस. प्र० २६९-८ (१) के अनुसार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
संखा २६९-८ (१) के अधीन सूचना

भारत भवन

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड-1, बैगलूरु

बैगलूरु, दिल्ली ७ फॉरी 1986

निर्देश सं० पा - १८४२/३७ ईई/८५-८६—पा मुझे,
आर० भारद्वा०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इष्टमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय
269-८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर तम्भिति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और इसकी गंदगी आकिम स्पेस नं० 4708 है, तथा जो
45, प्यालेस रोड, बैगलूरु में स्थित है (ओर इसमें उपावड
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्तित है) ग्रन्टोकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-10-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण से लिए अन्तरित की जाए है और उसे यह विवाद करने का कारण है कि इसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, टरके क्षयादान प्रतिक्रम ५, ऐसे क्षयादान प्रतिक्रम या
एन्ड्रू प्रतिक्रम से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकी) और
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथा पाश
प्रतिक्रम, निम्नसिद्धि उद्देश्य में उक्त अन्तरक लिखित
पूर्णांकित रूप से कीचित नहीं किया जाता है —

(क) अन्तरक से हटा० किसी बाब की आवत, उक्त
विधिवाद, वृंदावन वर वर्ते वृंदावनक वृं
दावन जै करने का सहजे बनने वृंदावन
से लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बासिनी
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) दा दल्ला अधिनियम या
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का ११)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वावरा प्रकट नहीं किया
जाय था ता किया जाता रही है वा, कियाने में
तात्पर्य नहीं रिक्तः

१. श्रीमती पूजा डी परीना
एफ० ३४ फेरलाड
सेतम-६३६००४।

(प्राप्तक)

२. श्रीमती बीमा मोनीनान ब्राजाज,
प्रेस काट १ फॉरा, २७ प्रगाट
म्हार्को रोड बैगलूरु-५६००५२।

(अन्तरितो)

मैं यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त इम्प्रीट के बर्लेस के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त इम्प्रीट के अर्जन के सम्बन्ध में ओह भी आलोच्य —

(क) इस सूचना के राजस्व में पकालन को तारीख से
४५ दिन की अवधि या उत्तमाधिनी अवधिकाले पर
दृचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद ये समाप्त होती हो, के दौरान उपरोक्त
अधिकारी द्वारा दिए गए अन्तिम दृचना;

(ख) इस सूचना के उत्तराप में उक्तका की तारीख से
४५ दिन से अधिक दृचना स्थानीय अन्तरक से हितवृप्त
मिली अवधि अधिक दृचना अपेक्षित करनी वृंदावन
दिलीपत वृंदावन से लिए जा सकते हैं।

सम्बोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
विधिवाद, वे अध्याय 20-के पौराणिक
हैं, वही वर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में विवर
प्रकृति।

अनुसूची

(हम्मावेज सं० १५९८/८५-८६ तारीख २८-१०-८५)
आकिम स्पेस नं० ४७०८ जी VII फॉरा है पाइल-IV
नं० ४५, प्यालेस रोड बैगलूरु-१ में स्थित है।

श्रीर० भारद्वाज,
संघव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रोड, बैगलूरु

तारीख: ७-२-१९८६

माहर:

... एवं अधिविषयक की आव० २६९-८ के अनुसार
१. आयकर अधिनियम को संखा २६९-८ की उपायता (१)
के अनुसार अन्तरित करनी चाहिए, अर्थात् :

प्रालेख आर्हे.टी.एन.एस.-----

उचित अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बनियम, भ्रष्टाचार कालकर वामपक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 मई 1986

निर्देश सं. 48779/85-86—अतः मुझे, शार० भारद्वाज
उचित अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' लिहा गया है), की भाग
269-घ में लिखा गया वापरकाली को यह विषयक उपचार करने का
कारण है कि स्थावर संशोधन, विस्का उपचार वाकार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 82 है तथा जो डिफेंस कालोनी II मैन
1 आम इन्दिरा नगर, बंगलूर-38 में स्थित है (और इससे
उपचार अनुभूतों में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, शिवाजी
नगर में तारीख 16-10-1985

को पूर्वोन्नति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान
प्रतिक्रिया के लिए उन्नति की गई है और यह विषय
उपचार का कारण है कि वापरकाली सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्ते उपचार प्रतिक्रिया से, एवं उपचार प्रतिक्रिया से
संलग्न उपचार से अधिक है और दूसरे (बंतरकों) और अंत-
रिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाद वा
वाहिक, निम्नलिखित उद्दरेष्य से उक्त दूसरे विषय वे
वात्तविक रूप से कारण नहीं किया गया है—

(क) उपचार से हुए किये गये की वाय की वाय, उपचार
वायिकरण से अधीन कर देने के बावजूद हुए उपचार से उपचार
से की करने या उससे उपचार में उपचार से किया

(ख) ऐसी कियी वाय या किसी भाग या वाय वायिकरणों
को, विस्तृ भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
वात्तविक द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया थायी हुए था, विषयने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जीस ८—

1. लैफिटेनेंट कर्नेल प्रथम रमानन्द शर्मा
नं. 318 VII मैन,
IV क्राम एच० ए० एल० III स्टेज,
बंगलूर-560075

(प्रतिरक्त)

2. श्रीमती जगजीन कौर,
श्रीमती दरशन कौर
श्रीमती सुरिन्दर कौर
II मैन, ए० एक० ब्लाक,
3362 ए० वो० अन्नानगर,
मद्रास- 6000040।

(प्रतिरक्ती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोन्नति सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहीवाला करता है।

उपचार सम्पत्ति के वर्जन के मन्त्रन्धर में कोई भी वालों ८—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की वर्जन या उत्तमत्वी व्यक्तियों द्वारा सूचना
की तारीख से 30 दिन की वर्जन, जो भी वर्जन
दर ५० प्रतिशत होती है, के भीतर पूर्वोन्नति
व्यक्तियों द्वारा भी वर्जन होता है;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वाहन विक्री वा अन्य विक्री द्वारा वापोहत्तावारी के
पात्र विषय में किए गए दर्जे।

वात्तविकरण:—इसे प्रत्येक वारी लौट रखी था, तो उपचार
वायिकरण वी वाय 20-घ में असंभव है,
वही वर्ज होता था तो उपचार में दिया
करा है॥

ग्रन्तीकारी

(दस्तावेज सं. 2121/85-86 तारीख 16-10-1985)

सब सम्मति है जिसका नं. 82 जो डिफेंस कालोनी
II मैन, 1 आम इन्दिरा नगर, एच० ए० एल० II स्टेज,
बंगलूर में स्थित है।

शार० भारद्वाज,

मध्यम प्राधिकारी,

महायक श्राद्धकार प्रायुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-5-86

मोहर :

प्रस्तुत वार्ता, दृष्टि, एवं विचार।

आयकर विधिविद्या, 1961 (1961 का 43) की
पारा 209-प (1) से जरूरी बदलाव

संग्रह विभाग

Digitized by srujanika@gmail.com

शर्जित रेज़ बोगला

ब्रिग्लुर. दिनांक ३० मई, १९८६

निर्देश सं० 48775/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वा के अधीन सकम प्राधिकारी को वह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिछका उचित बाहर वृद्ध
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 21/18 है, तथा जो एम० जी० रेंड,
बोगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रतुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908
(1908 का 16) के अधीन, शिवाजी नगर में तारीख
16-10-1985

जैसे पूर्वोंकाल उत्तरीत भौतिक वास्तव जूल्म से कम के अवयवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवाहास करने का कारण है कि वापापूर्वोंकाल संपर्क का उत्तिर वास्तव जूल्म, उसके अवयवान प्रतिफल से, ऐसे अवयवान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन वादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

- (क) भन्दरपत्र ते हुई किसी जाप या भन्दर, उच्च अधिनियम ये वर्तीन कर देने के बन्दरक के अधिनियम में कही करते था उत्तर बदले ये सूचिया के तिए; जारी/था

(ख) ऐसी किसी जाप या किसी भन या बन्द आस्तियों को जिन्हे भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ जन्मरियो इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा चाहिए था, छिपाने में सूचिया के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की जपथारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्रीमती जी० मुण्डतलक्ष्मी
न० २४, V फास, १ मेन
लोकप्रिय पदालिम आर्चर्डस,
बंगलुरू।

(अन्तर्वा)

2. मैमर्स मधुरा कोटस लिमिटेड
नं 10/4, कम्प्यूरवा रोड,
बैंगलरू-1

(प्रस्तुतिः)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्बंधित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करताका हूँ।

द्वितीय सम्पत्ति के अर्थात् के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तक तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूरीकृत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

- (क) इससम्बन्ध में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संरचना में हिन्दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिहित में किए जा सकें।

व्याख्याकरण :- इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ग होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

三

(दस्तावेज सं० 2129/85-86 तारीख 16-10-1985
 सब ममति है जिसका सं० 21/18 जो प्र० जी० रोड़,
 बेंगलुर में स्थित है।

प्रार० भारद्वाज
पक्षम प्राधिकारो
सहायक आधिकरं प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज बोगल र

दिनांक : २०-५-१९८६
मोहर :

प्रस्तुत वाहौं टौ. पन्. एव.

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाय

269-ग (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 मई 1986

निर्देश सं० 48840/85-86-यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रबन्धत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घात
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसको संख्या 44-45 है तथा जो रेसिडेंसों रोड
बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), अविस्टोकण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के बायोन, शिवाजी नगर में तारांख 1-10-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
द्वय उन्हें द्वयमान प्रतिशत से, एसे द्वयमान प्रतिशत का
वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(कन्तरितीयों के बीच अन्तरक अन्तरक के बीच एवं पाया नया
प्रतिशत, निम्नलिखित उदाहरण से दर्शत अन्तरक प्रतिशत एवं
वन्द्रह प्रतिशत का निम्नलिखित दर्शाते हैं :—

(३) अन्तरक से हुई किसी वाय की दरवत, उसके
अधिनियम के अधीन कर दने के बन्तरुल के
व्यक्तिके बैंकी करने वा उसके बजाने वै सुविधा
के लिए; और/वा

(४) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वापसीयों
के लिए भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अस. १५, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
दे. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोपाल कृष्ण चेटियार,
और कोई अन्य लोग
550/4, गूरुतमन पार्क,
बंगलूर-4।

(अन्तरक)

2. डॉक्टर अविनाश नुरेन्द्र नवगिरी
नं० 8, देविस रोड,
बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रबन्ध शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, बही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1970/85-86 तारीख 1-10-1985)
सम्पत्ति है जिसका सं० 44-45 जो रेसिडेंसों रोड,
बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 20-5-1986

मांहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
संसदीय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूरु
बैंगलूरु, दिनांक 20 मई 1986

निदेश सं० आर० 1831/37 ईई/—यतः मुझे आर०

भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
स्थावर संपत्ति जिसका बाजार मूल्य 1,00,000/- से अधिक
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिमकी संख्या प्लाट नं० 322 और 323 है तथा जो
4 5 और 6 लाल बाग रोड बैंगलूरु-27 में स्थित है
(आंग इमें उपाजद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 28-10-1985

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उपर्युक्त दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह दिव्यांशु स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
गास्ट्रिक है संक्षिप्त नमूने किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 ममता एन्टरप्राइजेस
नं० 3 बैंकिंग रोड
बैंगलूरु-5600011

(अन्तरक)

2 श्री मोहन लाल बन्दानी
श्रीमती नीटा एम० लालबन्दानी
3 ए सुजाता बिलिंग
मद्रास-6000081

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीहोना करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में तापात् होती हो, के भीतर प्रांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृश्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त क्षम्भों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विस्तृत दिया
है, वही वर्ष होता हो जो उस अध्याय में दिया
या है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1558/85-86 तारीख 28-10-85)
बिलिंग नं० 3, 4, 5 और 6 में प्लाट नं० 322
और 323 11 फ्लोर जो लालबाग रोड बैंगलूरु-560027
में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख: 20-5-86

मोहर :

प्रधन भाई, टॉ. परम. परम. ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, 20 मई 1986

नोटिस सं० आर० 1881/837ई-गति: मुझे

आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्दर एक उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' जूहा था है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी ये यह विश्वास करने की छारण है कि स्थावर सम्पत्ति विवक्ता उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लाट नं 103 है तथा जो 47/6 एम० जी० रोड बैंगलूर में स्थित है (और इस से उपावद्व अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अधिस्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

28-10-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दारण से उक्त अन्तरण दिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक व्यापारित में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए; और/या

(इ) एसी किसी काय या किसी अन्य या अन्तरिती की व्यापारित काय, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) द्वारा 1921 की तारीख, द्वारा दर्शाया गया था कि आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा व्यापारित अन्तरीती दिखारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसान में संविध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्दरूनी में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

१ श्री मिठुल इनवेस्टमेंट कार्पोरेशन
४७/६ एम० जी० रोड
बैंगलूर।

(अन्तरक)

२ श्रीमती पद्मिनी कृष्णमूर्ति
श्री ए० के० शिवकुमार
नं० ७१७ चिन्मया मिशन हास्पिटल रोड
हन्दिरानगर, बैंगलूर - ३८।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी कर्त्ता पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोकृताकारी के पास लालित या विकारी किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

(दस्तावेज सं० 1637/85-86 तारीख 28-10-85)
फ्लाट नं० 103 जो I फ्लॉर है विंग मिठुल टावर्स
जो 47/6 एम० जी० रोड बैंगलूर-1 में स्थित है।

प्रार० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 20-5-1986

मोहर :

श्रेष्ठ बाहौदरी, एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 20 मई 1986

सं. डी० आर० 928-37 हई/—यतः मुझे आर०
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कास्त है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संज्ञा जलता नं० 4 और 5 है तथा जो
तलगांव पनजी गोवा में स्थित है (और इस से उपावद
प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख

1-10-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, एसे अव्याप्त प्रतिफल का
गलत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में
कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एवं किसी आय था किसी भन वा बन्ध लाप्तियों
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एवं
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2.)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय बाबरा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिसमें पैर नहीं थीं तथा

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ...

1 श्री लिक्छवि गिरोलम सोकोरो
2 डॉ. राम डा गास्टा और
श्रीपती जेनेवा आर्डम डा गास्टा
तलगांव गोवा

(अन्तरक)

2 मेर्स नामा रियल एस्टेट्स
एफ० 2 इन्डिगा अपार्टमेंट्स
केटियानो आलवूरक रोड
पैरगी गोवा।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उच्चतम संपर्क के वर्षत के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना दी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
शुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

प्रदोषकरण:—इसमें प्रदोषकरण करने वाले वा उच्च
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतेश्वरी

(दस्तावेज सं. 611/85-86 और तारीख 1-10-85
लम्हि है जिसका सं. जालता नं० 4 और 5 (और
जिसका जाला 9606 स्केमर मीट्स) जो "टोलने या
मर्टें आन्टी बांती जाल से परिचित है और मोरद के साथ
है जो तलगांव पनजी गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रजन्त रेंज बंगलूरु

तारीख: 20-5-86

मोस्टर:

क्रम वार्ड ३१ दस्तावेज़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक दिनांक 30 मई 1986

सं. आई० ए० सी०/एक्य०/३७६६/९/८-८६—अतः मुझे
जी० ए८० खट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय अधिकारी उक्त वाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 458/1/17 गुडगांव सोसना रोड गुडगांव
में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 10-7-1985

को प्रबोचन संपर्क के उचित बाजार मूल्य से कम हो अवधारण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रबोचन सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, एसे अवधारण प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
वेक्षण कर से कथित नहीं किया जाता है ॥—

1 श्री रमेश अनंद भसीन
श्रीमती मविता भसीन
एस-३१७ पंचशील पार्क
नई दिल्ली ।

(अत्रक)

2 मैं जानम्यर मोटर एजेंसी (दिल्ली) नि०
6 सहगल कालोनी कोटे सेन
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करते प्रकाशन के वर्तमान के लिए
कार्यकालियां करता हूँ ।

उच्छव अधिकारी के वर्तमान के सम्बन्ध में आई ती बाहें ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोचन
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकरी के पास
निवित में लिए जा सकते हैं ।

लक्ष्यांकन:—इसमें प्रबोचन सूचने और वर्ते का, जो उस
अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है,
वही वर्त होता जो उस अध्याद में दिया गया है ॥

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर हैं वे अन्तरक वे
वार्तावाले हैं जिसी करवे या उक्तवे अवधि में प्रविधि
के सिए; और/या

(क) एसे किसी आय या किसी भत या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, वर्तमान ॥—

अनुसूची

सम्पत्ति म० न० 458/1/16, 1733 वर्ष गज जो गुडगांव
सोहना रोड में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय निरीक्षण सहायक आयकर आयकर अर्जन रोहतक
रजिस्ट्री संख्या 3766/144/85-85 दिनांक 10-10-85
पर दिया है ।

बी० ए८० खट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज रोहतक

दिनांक: 30-5-1986

माहूर ॥

प्रस्तुत का राजपत्र, टी. एन. एस. -----

1. श्री सत्य देव निं० ए० एन०

3 गी शालीमार बाग दिल्ली।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

अर्जन रेज रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1986

निदेश सं० आई० प०० मी०/एक्य०/दिल्ली/८/८५-८६:—अतः

मुझे, बी० ए० खट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ने अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 39 कानून 11 मर्जे जो पी.वा.क्ली
बीड़ हिसार में स्थित है (और इसने उपचान्ड अनुमूली में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
10 अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिता
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रासादीक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;
और/या

(ब) एसो किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता
के लिए;

मन्त्रसूची

सम्पत्ति भूमि 39 कानून 11 मर्जे जो पी.वा.क्ली बीड़
हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 1404 दिनांक 10-10-
1985 पर दिया है।

बी० ए० खट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुत (नियोजन)
अर्जन: जेज़ रोहतक

दिनांक: 30-5-1986

मंहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकाश नाहर, टी. एच. एच. —————

1. श्री दलबीर सिंह

8. विमूर्ति मार्ग दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूरु (विरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1986

निवेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/दिल्ली/10/85-86—आतः
मुझे, बी० ए० ए० खंडीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वादर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी संख्या भूमि 67 कलान 7 मरग्ना हिमार में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
आगंती आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक
25-10-1985कि प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो ज्यादा
प्रतिक्रिया के लिए बत्तरित की गई है और मृक्ष मह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जसके ज्यादात प्रतिफल या, पैक्स ज्यादात प्रतिफल का
न्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और बत्तरक (बत्तरको) और बत्तरित
(बत्तरितयों) के दोष इस अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रतिक्रिया में अधिक नहीं किया गया है :—

1. दो बहुबलपुर विजेता कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोमायटी निमिटेड बहुबलपुर तह ० व जिला
हिंगार।
- (अन्तरक)
2. दो बहुबलपुर विजेता कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोमायटी निमिटेड बहुबलपुर तह ० व जिला
हिंगार।
- (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रवृत्त सम्पत्ति के अधीन एवं निवेश
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सबध पै काहौ भी ज्ञातप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन की अवधि या तस्वीरन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तापील से ३० दिन की अवधि, जो भी
बधीन बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृत्त
सम्पत्ति में अविभागी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में एकात्म की तारीख में
४५ दिन के भीतर उक्त स्वादर सम्पत्ति में हुए
वृष्टि किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधिकारी द्वारा
पाप विक्रिया में लिए जा सकें।

प्राप्तिकरण :—इसपे प्रयुक्त उद्दौ और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बायाय 20-के पैरमान्त्रिक
हैं, वही बर्द होता जो उस बायाय पै दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हुए एकसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन एवं इसके १०-व
वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने पै मुश्यित
एवं भिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भूत या जम्म आस्तीयों
को चिह्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ज्यत अधिनियम, ए
भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ बत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, अस्पान
स्विधा के लिए;

गतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, दो उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

बी० ए० ए० खंडी

समान भूमि 67 कलान 7 मरग्ना जो हिंगार में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
द्विली रजिस्ट्री संख्या 1452 दिनांक 25-10-1985 पर
दिया है।

बी० ए० ए० खंडी
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)
अर्जन रेज रोहतक

दिनांक: 30-5-1986
मोहर:

प्रकाश नाइट, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाबूपत्र (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

रोहतक, दिनांक 30 मई 1986

सं. आई. ० ए. ० सी.०/एक्यू/हिमार/६४/८५-८६—अन:

मुझे, बी० ए.० एल० खत्री

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 34 कनाल 15 मरला गांव गंगवा
तहसील हिमार में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय हिमार में भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक 8 अक्टूबर 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एंसे रूपमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
तोरती (अंतरितायों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा यांत्रिक सं
प्राप्तिकरण, रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अंतरित किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूमि या क्षेत्र आस्तित्व
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाय था या किया जाना चाहिये था, जिसने में
कठित नहीं किया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वथी प्रभु दयाल पुत्र रूप चतुर्दश
अशोक कुमार एण्ड बनदेव कुमार
पुत्रान श्री प्रभु दयाल
234 माडल टाउन हिमार।

(अन्तरक)

2. दी हिमार आफिसर कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग
सोसायटी लि।
हिमार द्वाग श्री सतपाल मिह
प्रधान निं. राजगढ़ रोड हिमार।

(अन्तरिती)

मैं वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त तंपति के वर्जन के बंधन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या इसमेंन्हीं व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उग अध्याय में दिया
गया है।

अनुभूची

सम्पत्ति भूमि 34 कनाल 15 मरला जो गांव गंगवा
नहूँ व जिं. हिमार में स्थित है जो अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्मी के कार्यालय हिमार में रजिस्ट्री मंडा 4064 दिनांक
8-10-1985 पर दिया है।

बी० ए.० एल० खत्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

दिनांक : 30-5-1986

मोहर :

प्रस्तुप बाईं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भाय 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्व्यक्त आयकर बायूज्ज्ञ (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रोहतक

गोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/हिमार/67/85-86—अतः
मुझे, औ० ए० एन० खन्नी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को वह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 42 कनाल 7 मरले जो सात रोड खास
में स्थित है (आंग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिमार में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक 15-10-
1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवाय प्रतिफल से ऐसे व्यवाय प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब आय बना
गतिकरण, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निर्दित
के वायाके रूप में कठित रहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण त हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यवित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिभां
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
अन्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहीए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: न८, उक्त अधिनियम की भाय 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाय 269-घ की उपभाय (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षाद् ॥—

1. श्री निहाल पुत्र आर्य जाट निं०
सात रोड खास तह० हिमार।

(अन्तरक)

2. मै० एमोनियेटिड फूड्स बाई पास
दिल्ली रोड हिमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते० 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, औं भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते० 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
चिह्नित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औं उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 42 कनाल 5 मरले जो सात रोड खास
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हिमार में रजिस्ट्री संख्या 4229 दिनांक 15-10-1985
पर दिया है।

बी० एल० खन्नी
सकाम प्राधिकारी
सद्व्यक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक: 16-4-1986

मोहर:

प्रकल्प नामः श्री. एन. एस. 20799

**आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के वधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बोर्डकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

रोहतक दिनांक 30 मई 1986

निर्देश सं०प्राइंट० सी०/एक्यूहिसार/72/85-86: —ग्रतः

मुझे भी० एल० खट्टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन लक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 33 कनाल 11 मरले जो हिसार में स्थित है (और इसके ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक

29-10-1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यापक प्रतिफल के लिए उक्त अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्यापक प्रतिफल से, ऐसे अव्यापक प्रतिफल के वंदेह प्रतिष्ठित से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापद, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अंतरक के दायित्व वे कमी करने या उससे बचने में सहित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाँ में सूचित के लिए;

वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तरमें, दूर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् है—

1 श्री राम अनंदर पुत्र बेगा राम,
निवासी डी० सी० कालोनी
हिसार।

(अन्तरक)

2 विश्व आध्यात्मिक संघ को आपरेटिव ग्रुप हाउस बिलिंग सोसायटी लिमिटेड हिसार
बजरिये श्री गुलाब राज मेहता,
मेहता नगर ठण्डी सड़क
हिसार।

(अन्तरिती)

वे वह सूचना चारों कल्पके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यालयों करता हैं।

उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वालोंपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरण के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 43 कनाल 14 मरले जो हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 4431 दिनांक 29-10-85 पर दिया है।

बी० एल० खट्टी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज रोहतक

दिनांक: 30-5-1986

मोहुड़ :

प्रस्तुत दार्शनी द्वारा एवं एक-

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के वधून लृष्णा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज रीहतक

रोहतक, दिनांक ८ मई १९८६

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्य/हिंदा०/ 85/85-86:—ग्र

मस्ते, बी० एल० खत्ती

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके प्रभाव उक्त अधिनियम कहा जाता है), की शर्त 269-वाले अधीन संसाधन व्याधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थानीय समिति, जिसका उपरित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या भूमि 194 कनाल 1 मरला जो तत्वबन्डी राना में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक

20-10-19851

को पूर्वोंका सम्पर्क के उचित बाजार मूल्य से लम्ब के दृश्यमान अंतरफल के लिए बनायी गई थी। इसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोंका सम्पर्क का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतीक-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतीकफल का पन्द्रह प्रतीकशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पासा गया प्रतीकफल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से व्यक्ति गति किया गया है—

(क) बल्लरक वे हर किसी वाह की वापत, उसके अधिनियम के अधीन कर देने के बल्लरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किसी भीर वा

(क) ऐसी किसी वाय या किसी भन या बन्ध-वासितबौं
ये, जिसे भारतीय वादकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगवार्ता वास्तुतः इतरा प्रकट नहीं किया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भाति :—

१ श्री राम नारायण पुत्र पूरन चन्द
गंव डाबड़ा तहसील उकलाना
जिला हिसार।

२ मन्दिर बाबा मस्तनाथ गदी अस्थल बोहरा
 महत्त आंद नाथ योगी चेला
 महत्त श्रयोनाथ योगी
 निवासी अस्थल बोहर तह० व जिला
 रोहतक।

(अन्तर्क)

(अन्तर्गती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मिलित के वर्णन के लिए कार्यवाहिया भूमि करता है।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आधिकारिक अधिकारी नहीं

(क) इस सूचना के संबंध में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और जी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्णकाल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के एवं उपर में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितव्यधन किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वभाग्यस्थाकरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही वर्ण होता जो उक्त अध्याय द्वे दिला गया है।

४८८

सम्पत्ति भूमि 194 कनाल 1 मरला जो तलबन्डी राना तहसील हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 4385, दिनांक 20-10-1985 पर दिया है।

बी० एल० खक्षी
मक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज़ रोहतक

दिनांक : ८-५-१९८६

मोहरः

प्रकाश बाहरौ एवं एस.-----

1 मे० वाय के० बिरुड्स
कल्पतरु चेस्टफोर्ट
बम्बई-23।

आदर्श अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आवा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत का राजपत्र

कार्यालय, वहायक आयकर बाधक बाधक (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1986

निवेदित सं० पी० आर नं० 4624 (II/86-87)---अतः मुझे,
ए० के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इकाई (उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आवा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संख्या ब्लाक नं० सी छठा मंजला पुरोहित अपार्टमेंट है तथा जो स्थामीगंज बड़ीदा रजिं 312 टी० का नं० 342 में स्थित है) और इसके उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ईंडी का 16) के अधीन 4 अक्टूबर 1985 को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके स्थगान प्रतिफल से, ऐसे स्थगान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अन्तरीरिकों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए एवं आय आय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण मिलित अस्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अनुसरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अनुसरक के दायित्व में की करने वा उक्त से बचने में सुविधा के लिए;

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1 मे० वाय के० बिरुड्स
कल्पतरु चेस्टफोर्ट
बम्बई-23।

(अन्तरक)

2 मे० बड़ीदा एसेटरेस

शंकर भवन
स्वामी गंग बड़ीदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के बर्बन के निए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के हांस्प्र में कोइ भी आलोप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवधु वह किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित:—इसमें प्रभुकृत कान्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पार्ट नामित है, वही वर्ष होता जो उस अध्याय में दिया गया है;

अनुमूल्य

37 ईंडी का कोर्ट पर कायलिय में दिनांक 4-10-85 को पेश किया गया है। जिसमा कुल मूल्य 6,10,000 है

ए० के० मिन्हा
मक्षम प्राधिकारी
वहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज अहमदाबाद

दिनांक: 15-5-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की आवा 269-ए के अनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की आवा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कर्त्ता :--

इकाइ वाले दो दर. एवं -----

बन्धुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाप
269-ए (1) के अधीन वृक्ष

बाल बालकर

वायदाता, बहावल बालकर वायदाता (प्रिस्टेशन)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर०नं० 4625/11/86-87:—अतः मुझे, ए० के० सिन्हा,

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विचार हस्ते इससे बन्धुकर 'उच्च अधिनियम' बहा जाता है), की अन्त 269-ए के अधीन वृक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का अवृत्त है कि बालकर उन्हें, विचार अधिक बालकर वृक्ष 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या ब्लाक सी पुरोक्षित अपार्टमेंट सयामीगंज है। तथा जो टी० का नं० 3/1/2 बड़ोदा में स्थित है और इससे उपावस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम (37 ई० का 16) के अधीन दिनांक 4-10-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बालकर वृक्ष से कम के अवयवान शीर्षक से जिए बन्धुकर की वह है और दूसी वह विवाद करने का अवृत्त है कि बालापूर्वोक्त वृक्षमित वा अधिक बालकर वृक्ष, उसके अवयवान शीर्षक से, कुछ अवयवान शीर्षक से अलग शीर्षक है अधिक है और बालकर (बालकरका) और बन्धुकरी (बन्धुकरीका) के बीच ऐसे बालकर से जिए उच्च बालकर वृक्ष अधिक वृक्ष वा बालकर वृक्ष से बालकर वृक्ष वा बालकर वृक्ष से अधिक नहीं किया जाता है।—

1. मे० वाय के० विल्डर्स
सयामीगंज बड़ोदा।

(अन्तरक)

2. मे० फार्मसन अनरुजस प्रा० लि०।
शंकर भवन
सयामीगंज बड़ोदा।

(अन्तर्गत)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिये कार्यवाहिया करता है।

बाल वृक्षमित के बर्बन के व्यवाय में कोई वालोप है—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर दृश्या की तारीख से 30 दिन की अवधि, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राष्ट्रपति में बालकर की तारीख ते 45 दिन के भीतर उच्च बालकर वृक्षमित में द्वितीय विकीर्ण व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताकरी के तारीखिये वे किए जा सकते।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रदूषित धब्दों और वही का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही वर्ष होता जो उच्च बालकर में दिया जाता है।

(ए) बालकर वृक्ष की वाल की वाल, उच्च अधिनियम के बर्बन वर्द्धने के बालकर के वालियम वे कोई व्यवाय वा व्यवाय वर्द्धने वे दीवाना हो किए जाएँ।

अनुसूची

(इ) दीवानी किसी वाल वा किसी वन वा बाल बालिया का, जिसके बालकर वालकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, का उच्च अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनाम बन्धुकरी इवाय प्रकट नहीं किया जाता वा वा किया जाना चाहिए वा, जिसमें वे दीवाना हो किए;

37 ई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-10-85 को पेश किया गया है जिसका मूल्य 6,10,000 रुपये है।

ए० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

वर्तमान अधिनियम की वाप 269-ए के वर्तमान में, सौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, विल्डर्स वृक्षमित, बालकर

दिनांक: 12-5-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मई, 1986

निर्देश सं. पी० आर० नं० 4626/11/86-87:—अतः

मुझे, ए० के० गिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौंर जि की संख्या ल्वाक न० 31, पुरोहित, अपार्टमेंट,
मगामीगंज, है। तथा जो बड़ोदा टी० का० नं० 3112,
म० नं० 312 में स्थित है और इसके उपावद्व अनूसूची में
प्रौंर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (37ई०
का 16) के अधीन, तारीख 4-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमाल
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्व्यमाल प्रतिफल से एसे द्व्यमाल प्रतिफल का
मंजूर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पता गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्र
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिस्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—136 GI/86

1. मै० वाय के० बिल्डर्स,
संयामीगंज,
बड़ोदा।

(अन्तर्गत)

2. मै० के० दिठानी फेमिली इम्प्रॉ
404, प्रम्प्रेसी गेन्टर,
नगायान पाइन्ट, बम्बई

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या सत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितद्वय
किसी अन्य स्वित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिपित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

37 ई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-10-85
को पेश किया गया है जिसका मूल्य 5,90,000/- रुपये है।

ए० के० गिन्हा,
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अहमदाबाद

दिनांक: 12-5-1986

मोहर:

प्रकाश भाइ०, टी. पूर्ण लाल, ...

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 मई, 1986

निवेद नं० पी० आर० नं० 4627/II/86-87:—अनः
मुझे, ए० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के बधीन संकेत प्राप्तिकारी को, यह विवास करने के
कारण है कि स्थानीय अधिकारी, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको संख्या ब्लाकनं० ए, पुरोहित अपार्टमेंट, टी० का
नं० 3112 है तथा जो न० नं० 512 बर्डांडा में स्थित
है और इसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीरण अधिनियम (37 ईई का 16) के अधीन,
4-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ज्यौ इसमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यह स्थानीय संगठित का उचित नामां
मूल्य उसके इसमान प्रतिफल से एसे इसमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (वर्तरक) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे व्यवरण के लिए तथा पर्याय गया प्रति-
क्रिया, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अंतरक विवित में वास्त-
विक क्षय से अधिक नहीं किया जा सकता है:—

(ए) अंतरक है है किसी आय की वादा, उक्त
अधिनियम के बधीन कर दर्जे की अंतरक है
कार्यालय में बदले करने वा उक्त से बदले में संविधा
है लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था लिखने में संक्षिप्त के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के बधीन, निम्नान्वित व्यक्तियों, वर्तवा—

1. मै० आर० के० विल्डर्स,
मध्यमींगंगा,
बड़ीदा।
(अन्तरिक)

2. मै० फार्मेसन कामिल्लील्य गुजरात प्रा० नि०
शंकर भवन, शायमींगंगा,
बड़ीदा।
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संघर्षित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संघर्षित के बधीन की संबंध दो कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ३५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
बधीन वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वन्य;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ३५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी
वाले लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्थी

37 ईई का कोर्स पर कार्यालय में दिनांक 4-10-85
को पेश किया गया है जिसका मूल्य 5,90,000 है।

पै० के० सिन्हा
मध्यम प्राप्तिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II अहमदाबाद

दिनांक: 12-5-86
मोहर नं.

प्रस्तुप आदौ.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर भावुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 मई 1986

सं० पी० आर० नं० 4628/II/8-87--अतः मुझे,
प० के० मिन्हा,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसक पश्चात् 'उक्त (प्रिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 594/9/8/D है। तथा
जो 594/9-1 डी, बलसाड में स्थित है (श्री इसमें उपाध्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयता अधि-
कारी के द्वारा बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 16-10-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अनतरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रातंकल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुइ किसी आय का आवश्य, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्त
में कही करने वा उससे बचाए में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आपकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के सिद्ध।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
में अस्ति, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कुमारी नरगीसबानू फारमनोग्न,
तिथलराडे बलसाड।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश चन्द्र नारायणदास सौर अन्य
गुलमोहर खुस्तेन,
झंधेरी, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र औं प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिहित में किए जा सकेंगे।

लिखीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो बलसाड में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड
में दिनांक 16-10-85 को रजिस्टर की गई है। जिसका
मूल्य 5,01,000 रुपये है।

ए० के० मिन्हा.
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

दिनांक : 22-5-1986

मोहर :

प्रकाश बाइंडिंग्स, एवं एस्टेट्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाँति
269-ए (1) वे अधीन उच्चता

भारत वरकर

आयकर, सहायक आयकर वाद्यालय (निरीक्षण)

प्रज्ञन रोज़-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मई, 1986

निर्देश सं० पी० आर नं० 4629/II/86-87 —श्रेणी:
मुझे, ए० के० मिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रभावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाँति 269-ए के अधीन संबंध प्राधिकारी को, यह विवाद एवं उसे कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या नं० 6621, सं० नं० 69, आमनी है तथा जो सिलवासा में दिया है (और इससे उपावल्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मिलवासा में रजिस्ट्रीशन अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 17-10-1985

को प्रत्यक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के विवाद प्राप्तिकरण के लिए अन्तर्निहित की गयी है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि विवादपूर्वक सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उम्मले द्वयमान प्रतिकरण से एवं विवाद प्रतिकरण का इन्हें प्रतिशत रोक अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए एवं विवाद प्राप्ति के अंतर असरण लिंगित है

(क) अंतरण से हाँ किसी वाय का वापर, उच्चता नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विवाद में कभी करने या उच्चते बदले में वृद्धिया के लिए;

(ख) एकांकी किसी अधिक या किसी अन्य वा उच्च वारिकर्ता का, जिन्हें वायपूर्वक आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, वा अधिकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा उत्तरेक्षण अधिकारी द्वाय प्रकट नहीं किया जाय वा वा किसी वाय का अधिक या किसी अन्य वारिकर्ता के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाँति 269-ए के उच्चता अधीन, उच्चता प्रतिकरण की भाँति 269-ए की उच्चता (1)

1. श्री जयवन्त नाल जी शाह,

सी०ओ मै० प्रमरोज टक्सटाइल कार्पोरेशन
सिलवासा।

(अन्तरक)

2. श्री सलाइट प्रोजेक्ट लिं०।

96, गोर्ड गार्डन रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिक्ती)

की वह उच्चता आरी करके प्राप्ति विवाद के वर्तन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उच्चता उच्चता के विवाद के अन्तर्गत वे 'काँडे' की वाली है—

(अ) इस उच्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की विवाद वा तत्कालीनी व्यक्तियों पर उच्चता की वाली से 30 दिन की विवाद वा भी विवाद वाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्ति विवाद किसी वर्तन में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस उच्चता के विवाद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चता सम्पत्ति में इतना विवाद किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के वाले विवाद वे किए जा सकें।

विवादीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के विवाद 20-के मैं परिभाषित हैं, वही वर्त द्वारा जो उस विवाद में दिया जाता है।

अनुसूची

जमीन जो मिलवासा में स्थित है। मब रजिस्ट्रार, सिलवासा में 17-10-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० के० मिन्हा
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रोज़-II, अहमदाबाद

तारीख: 19-5-1986

मोहर:

प्रसूप आर्द्धे, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, उद्योग वायकर वायकर मिस्ट्रीज़

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1986

निर्देश स० पी० आर० न० 4030/II/86-87—यतः, मूले,
एस० बी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विवाह के अधीन वायकर मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० वाडे न० 14 सी० एस० न० 2018, टी०पी०
एस० न० 8 है, तथा जो एफ० पी० न० 135, उमरखाड़ा मुरत
में स्थित है (अंतर्में उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से
रेखित है), रजिस्ट्रीज़र अधिकारी के नायालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीज़रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10 अक्टूबर, 1985

को पूर्वोंतर सम्पाद्य के उचित वायकर मूल्य से कम के अधिकार
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवाह
करने के कारण है कि यथाप्रवैक्त संपाद्य का उचित वायकर मूल्य
इसके अधिकार प्रतिक्रिया से असं दर्शभाव प्रतिक्रिया का पूर्ण
प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरित (अंतर्क्रिया) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वह वायकर का
प्रतिक्रिया निम्नविवित उद्देश्य से उक्त वायकर नियित
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ।—

1. श्री चम्पक लाल छेलाभाई और अन्य सूत, (अन्तरक)

2. मै० जे० जे० कार्पोरेशन 305 सागर शोपिंग सेन्टर
सटारा दरवाजा, रिंग रोड, सूत,

(अन्तरिती)

को यह सूचना वायकर करने पूर्वोंतर सम्भव हो अर्थमें विवाह
कार्यवाहियां करता है ।

विवाह अन्तरित के अर्थमें विवाह ने कोई वी वायके ॥—

(क) इस सूचना के रायकर में प्रकाशन की तारीख उ० 45 दिन की अवधि या उत्तममध्यमी व्यक्तियों द्वारा
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वायकर में उम्मायत होती है, के भीतर पूर्वोंतर
व्यक्तियों ने उ० किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के रायकर में प्रकाशन की तारीख उ० 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
दिलाई गई वायके ।

लक्षणांकन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
वर्णित है, वही वर्त होता, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुमूली

(क) अन्तरण से हुई किसी वायकर की वायकर, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने वायकर के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने वायके सुविधा
वायके वायके;

(ख) दोसी किसी वायकर या किसी भूमि या वायकर कार्यालयों
को, विवह वायकर वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा
पृष्ठकृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अनुमूली द्वारा प्रकट नहीं किया
वायकर या वायकर या किया वायकर आयीए वायकर या
सुनिधा वायके;

उक्त वर्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के उक्तवृद्ध
में, ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभावा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात ।—

एस० बी० भट्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-5-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1986

निर्देश सं० प०० आर० न० 4631/II/86-87—यतः, मुझे,
एस० बी० भट्ट,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2018 आर० एम० न० 91, टी० पी० एम०
न० 8 है, तथा जो एफ० पी० न० 135, उमरवाड़ा, सूरत में स्थित
है (ओर इसमें उपावद अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 37-ईई के अधीन, तारीख 10 अक्टूबर,
1985

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थगमान प्रतिफल से, एंसे स्थगमान प्रतिफल का
प्रयुक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
कला नियन्त्रित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हैर्ड किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ब) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आय 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

1. श्री गोविंदभाई खुशासदाम और अन्य सूचत
(अन्तरक)
2. मै० जै० जै० नारेशन 305, सागर शोपिंग मैन्टर
सताशा इवाजा, ग्ना रोड, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अज्ञन के लिए
कार्यालयान्धा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर¹ सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थगीकरण :—इसमें पूर्वान्तर सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभ्र-
है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

37 ईई का काम 10 अक्टूबर में दिनांक 10-10-85 को
पेश किया गया है। एंसेज मूल्य 17,63,520 रुपए है।

एम० बी० भट्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 27-5-1986

मोहर :

प्रारूप आदे टी.ए.एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कायलिय, महायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
जर्जन रोड-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 27 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4632/2/86-87—यतः

मुझे, प्र० पी० वी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके उल्लंघन 'एकल अधिनियम' कहा जाता है), की बारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विद्यास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य
1,00,000 रु. से अधिक है

और जितकी सं० वार्ड नं० 14 टी० पी० एम० नं० 8, एफ०
पी० नं० 135 है, तथा जो उमावाडा, सूचन में स्थित है (और
इसमें उपावड अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से अंशित है), अलिंग्नी-
मत्ती अधिकारी के नामांकिय, अहमदाबाद में अलिंग्नी नाम
अधिनियम, 37-ई के अधीन तारीख 10 अक्टूबर,
1985

उपरोक्त सम्पत्ति के उद्दिष्ट आजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
परिवर्तन के निये अन्तरित की गई है और यह विक्षात
करने का कारण है कि व्यापकैक्षत सम्पत्ति का उचित आजार
मूल्य, उसके उपरांत प्रतिकान भी, नहीं अहमदाद अधिकार के
प्रतिकान भी नहीं जो अंतर्जल (जलरेज) और दोरीयन्दी
(जलरीलिय) के दोनों उपरांत के लिए जल पाया जाया प्रति-
कान, इन्हींलिया उपरांत के लक्ष्य क्षेत्र विविहत हैं जलस-
प्रेषण एवं दोषित सही लिया जाया है।

(८) अन्तर्जल के हाई किलो वाले की वाले, उक्त
व्यापकैक्षत के नाम कर हाने की अन्तरक के वायिक
में कमी करने पा उक्त वाले में संविधा जे जिए,
जीत/वा

(९) एसी किलो वाले की किसी भन या अन्य आस्तीय
को, जिन्हे जलरील आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने से संविधा
के लिए;

1. श्री प्रदीप चन्द्र ठाकुर दाम और अन्य सूरत
(अन्तरक)

2. मै० जे० जे० कार्योदास 305, मागर शोपिंग सेंटर
भारत दरवाजा, रिंग रोड, सूरत
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वे निये
अद्यताहितों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित वे उचित वे कोई भी वाले ८-

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की वर्तीय वा उत्तममध्ये अविवादी वे
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तीय, जो वो
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में हे किसी अविवादी वृत्तापाय।

(द) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर व्यक्ति वे हितवहू
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेद्यताकारी वे वाले
दिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

37-ई का फार्म पर कायलिय में दिनांक 10-10-85 को
पेश किया गया है जिसका कुल मूल्य 17,63,520 रुपए है।

प्र० पी० भट्ट
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
जर्जन रोड-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व, के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-5-1986

मोहर :

प्रकृति आइ.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के वर्तीन दृष्टि**

४८५

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1986

निर्देश मं० पी० आर० नं० 4633/II/86-87—यतः, मुझे,
एस० बी० भट्ट,

ब्राह्मकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इसमें
इसके पश्चात् 'उच्चत जीवनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अभी इकाय जीवनिकारी को... यह विश्वास करने का स्वरूप
है यह स्वाधर संपत्ति विलक्षण उचित बाचार नहूः

1,00,000/- रु. से अधिक है
 और जिमकी सं० वाडे नं० 91, टी० पी० एम० नं० 8, एफ०
 पी० नं० 135 है, तथा जो 2018, भूमरवाडा, मुरान में स्थित
 है (और इसके उपावडे अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित
 हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई का 16 के अधीन, 10
 अक्टूबर, 1985

को पूर्णांकित सम्पत्ति के उपरित बाहार भूमि से कम के अवधारणा
संतुष्टिकर वे जिए बन्तुरित की वह है, और दूसे वह
हले का बारम है कि बदलत्योग्यत संपत्ति का उपरित बाहार
भूमि, दूसे अप्याप श्रीत्यक्षम वे दूरे अवधारण श्रीत्यक्षम का दृश्य
प्रतीक्षित है और वैहारक (वैहारकी) और वैराचिती
(बन्तुरिताचारी) वे दौर दूरे बदलत्योग्यते जिए उद्ध बाहा-
रानित्यक, निम्नदिवित बदलत्योग्यते वे दूर बदलत्योग्यते श्रीत्यक्षम
हैं। गालित इन हैं उपरित गाली जिए उद्ध हैं ॥

(क) बस्तरपे हुई किसी काव या बस्तर उपल विधि-
विवर के दर्शन कर देखे हैं बस्तरपे के सामिल दो
कदमों करने पर उपले बचने में सहिता के लिए;
जीए/ग

(c) एकी किसी शब्द वा किसी घन वा गम्भीर सास्त्रियों
को, जिन्हें यारीवाद-वाद-वर बीचियतम्, 1922
(1922 का 11) वा उस बीचियतम् वा अनकर
बीचियतम्, 1957 (1957 का 27) वे इत्योऽपनामै
दग्धाद्यादि इताक प्रथम यही किवा पद्या वा या किंवा
पद्या लाप्तीए था, किन्तु वे दृष्टिकोण से उद्दिष्ट;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बनासरण
है, तो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन दिल्लीनियम अधिनियम है।

1. श्री ईश्वर साल मगवामदान और अन्य सूरत।
(अन्तरक)
 2. मै० जे० पे० कार्पोरेशन 305, सागर शोपिंग मेन्टर,
सारा दर्शवाणा, फिर रोड, सूरत।
(अन्तर्भिती)

को यह सुखमा जारी करके एवं उस दम्भोज के बहुत ले लिए कार्यवाहीयां शुरू करता हैं।

इन्हीं वृक्षों के दर्पण के उत्तम में जाहे भी बढ़ावा ।

विधि इस सूत्राः के उपराह वा प्रकाशन की तारीख वा 45 दिन की अवधि वा उत्तरार्द्धी अविकल्पो एवं सूत्राः की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दसम ने समाप्त होती हो, के भीतर एकाक्षर अविकल्पो वा उसे किसी अविकल्प ब्रह्माः;

(८) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के द्वारा लिखित में किया जा सकते ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं, वही वर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

四

37-ईं का फार्म है कार्यालय में दिनांक 10-10-85 को पेश किया गया है। यह मिलकियत कुल मूल्य 17,63,520 रुपए है।

प्रभ० वी० भट्ट
मक्षम प्राधिकारी ।
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज- अहमदाबाद

तारीख : 27-5-1986
मोद्दुर :

इष्ट वार्ष. टी.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1986

निवेश स० पी० आर० न० 4634/II/86-87—यतः, मुझे,
एस० बी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की
धारा 269-प के अधीन सकार प्राधिकारी को, वह विश्वास करने
का राण है कि स्थानी संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० वार्ड न० 14, सी० एम० न० 2018, टी०
पी० एस० न० 8 है, तथा जो अमरवाड़ा, सूरत में स्थित है
(और इसमें उपवाड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्री लर्न अधिकारी के नामालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 37-ई ई का 16 के अधीन, तारीख 10
अक्टूबर, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छपवेश
से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक कष ते कीचित कहर्ता किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हार्द किसी जाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

1. श्री हीरा लाल ढाया भाई और अन्य सुरत।

(अंतरक)

2. मै० जै० जै० कार्पोरेशन रिंग रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति वे वर्ष वे दिन
प्रश्वासितों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के विवरण वे कार्ड भी जालें ।—

(क) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना
की दायीक वे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
का वे समावृत्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति कारारा;

(ख) इस सूचना के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख वे 45
दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हिन्दू-
वृष्टि किसी वन्य व्यक्ति कारारा अभोद्यालक्षणी के
पास विकित में किए जा सकें।

लक्षणकरण :—इसके प्रयुक्त सबौं और पदों का, जो इष्ट
अधिनियम के दृश्यमान 20-क में विवरित
है, वही वर्ष होता या उस वर्ष में किया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी जन या अन्य अदितियों
को जिन्हे आरोपी बाबकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अवतरिती इपारा प्रकल्प नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए जा, जिसमें ये मुकिया
के लिए;

37-ई ई का कार्म यह कार्यालय में पेश किया गया है। यह
प्रियकियत का कुल मूल्य 16,63,520 रुपए है।

एस० बी० भट्ट
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-5-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रेस्ट बाहौद टौ एन एफ

वायर्स अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

मान्द्र लक्ष्मण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4635/2/85-86—यतः; मुझे,
एस० बी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० जमीन और महान—3 वर्गी सोनायटी हैं,
तथा जो जेननपुर बड़ौदा में स्थित है (और इनपे उपावल
अनुपुरी में और पुर्णिला ने दर्जा है) रजिस्ट्रीड अधिनारी
के रायनियम, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 अक्टूबर,
1985

उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके इस्यमान प्रतिफल से, एसै इस्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
परिवर्तन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम से बची वार इन्हें अंतरक के
लायिक से कमी करने वा उक्त वचने में विविध
के लिए; और/या

(ख) एसै किसी आय या किसी भव वा क्षम्य कास्सों
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या
किया जाना चाहिए वा कियाने में लिखित के लिए;

वस्तु: वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यापार:—

1 श्रीमती ज्योतिना बहून नवनीन लाल पारेख और अन्य
19, उर्फ सोनायटी, जेननपुर बड़ौदा।

(अन्तरक)

2 श्रीमती मदुलाबहून महेन्द्र कुमार 30 जी० आई० डी०
सी० महारपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहिया सूक्ष करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वास्तव न—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-
बहूध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रदर्शित वस्तुओं वाले का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्या
नवा है।

अनुसूची

मिनीहिन जो महारपुरा, बड़ौदा में स्थित है जिनका कुल
मूल्य 9,00,000 रुपए है।

एस० बी० भट्ट

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-5-1986

मोहर :

श्रृंग बाई. दी. एव. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37-ई ई/4788/85-86—यतः, मुझे,
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पूर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० डी-३, विलिंग नं० 'डी' 258
शुक्रवारपेठ पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्व्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, ऐसे
द्व्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और बंतरक (बंतरको) और बंतरिती (बंतरित्यों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
सूचिदेश से उक्त अन्तरण लिहित में वास्तविक रूप से कठिन
नहीं किया गया है :—

(ए) उक्तरण से हृदृ किसी भाष की वार्ता, उक्त
अधिनियम के वधीन कर देने के बन्दरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी भाष या किसी भन या अन्य जातियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः :—

1. उत्कृष्ट इन्टरप्राइजेस बहार शांतीनगर सौनायटी 321/डी
महात्मा फुले पेठ पण्डित नवाहरलाल नेहरू रोड, पूना।
(अन्तरक)

2. श्री भवरलाल हिमाललाल ओसवाल और अन्य 78
भवानीपेठ पूना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाज्ञा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :——इसमें प्रथुबत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ई ई/4788/85-86
नवम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन है ज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, पूना

तारीख : 31-3-186

मोहर :

मंत्री वाहौ, दी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-ए (1) के अधीन व्यवह

संघर्ष संसद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 31 मार्च 1986

निर्देश सं० 37ई/4793/85-86—यतः मुझे,
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘विसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की आय
269-ए के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का
आवश्यक है कि स्थानीय व्यवहार अधिकृत वाकार भूम्ब
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 109, घरें नं० 199+204+
205+206/1+209/1 लोहगांव विमान; नगर कालोनी
पूना है, तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसुची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1985

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित वाकार भूम्ब में यह के अवधार
व्यवहार के लिए अनुसूचित की गई है और यह व्यवहार
करने का आवश्यक है कि वाकारपूर्ण व्यवहार उचित वाकार
भूम्ब उक्त कार्यालय में, एवं उक्त कार्यालय प्रतिवाद में
उपावड़ प्रतिवाद में अधिक है और उपावड़ (वाकारको), जोड़
अनुसूचित (अनुसूचितयों) के दीप एवं उपावड़ के लिए उप
प्राप्त स्थानीय विनियोजित व्यवहार में उपावड़ व्यवहार
विविध में वाकारपूर्ण रूप में अधिक व्याप्ति किया गया है ।

(ए) उपावड़ के हूँड़ (किसी वाय की वायत), उपावड़
व्यवहार की वर्तीव कर दर्ते के वाकारक वाकारपूर्ण
व्यवहार में किसी व्यवहार का उपावड़ व्यवहार में व्यवहार
में विषु; औड़वा

(ट) एंटी किसी वाय का किसी खूँ या वाय वाकारपूर्ण
को, जिन्हे नारीय वाकार व्यवहार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा उपावड़ व्यवहार, द्वा वाकार
व्यवहार, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय
वन्दीरी इवाय प्रकट नहीं किया गया वा किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में नीं (1) उपावड़ व्यवहार की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, विमलसिंह व्यक्तियों, अर्जन :

1 मैसर्स अमित बिलडसं 31 मातृछया सोसायटी, चेदाड़ा
पूना-14

(अन्तरक)

2 श्री सूधाकर हरीमाई धोलाप 1414 शुक्वार पेठ
पूना-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ दूर करता है।

उक्त व्यवहार के वर्जन के सम्बन्ध में कोहै जी वाकार :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की वर्तीव या उसके अनुसार 45 दिन की वर्तीव
सूचना की लायीद है 30 दिन की वर्तीव, जो वी
दर्शीव वाले द्वारा होती है, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों वें वे किसी व्यक्ति क्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में व्यक्ति की सारीव से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति द्वारा उसके द्वारा
दृष्टि किसी वन्द्य व्यक्ति द्वारा, वायु वाकारी व
प्राप्त जिवित वें किए जा सकेंगे।

व्यवहारपूर्ण:—इसमें उपावड़ धूमों द्वारा उद्देश्य, जो उपावड़
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही वर्ती होता जो उस व्यक्ति द्वारा दिए
गया है ।

अमृतसूची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं० 37-ई/4793/85-86 जो
नवम्बर 85 को सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 31.3.1986

ओहर :

प्रस्तुत बाण्ड टी.एच.पृष्ठ 2

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राइवेट लेटर्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं. 37-ईई/4723/85-86—अतः मुझे

अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट नं. 31 बिल्डिंग नं. 10 एल. प्लाट नं.
6 सर्वे नं. 30ए/4ए डहाणुकर कालनी कोशरूड पुना।
है तथा जो पुना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरक लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वे
विवित में कभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथातः—

- (1) मेसर्स ए० व्ही भट्ट 1348 सदाशिवपेठ पुना-30
(अन्तरक)
- (2) सुभाष यशवंत और अन्य सी/14 स्वरूप नगरी
128/2 कोठर्स्ट पुना-29
(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बद्दल के सम्बन्ध में कोई भी बाबोपः—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होते हैं जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्रीक्ट क्र०-37ईई-4723/85-86
जो नवम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 28-4-1986

मोहर :

प्रकाश बाहू^{द्वीपी.एन.एस.}

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत इंडिया

कार्यालय, सहायक आयकर बायोक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 28 जनवरी 1986

निदेश सं. 37 941/85-86—अतः मुझे,
अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भा० भाग
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 4 अनंत अपार्टमेंट सी. टी. ० एस.०
नं. 1145 सदाशिव पेठ पूना-३० क्षेत्रफल 860 चौ० फुट)
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्वा०
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
में रजिस्ट्रीर्टरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, [निम्नानीचित उच्चतर से उक्त अन्तरण निर्धित में
प्रासादीक रूप से कठित नहीं किया गया है]—

(क) अन्तरण वे हैं किसी बाब की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व वें कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए वा, जिसने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नानीचित अवित्तणों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रकाश राम चन्द गावनकर 704 सदाशिव पेठ
पूना-३०

(अन्तरिती)

(2) अन्ना साहेब ऊर्फे आनंद राव बाबू राव पाटील
पारेन्ट बुधगांव ता० मिरज जि० सांगली
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाह्या शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब वें समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विद्या गया
है।

अनुसूची

जैसाकी रजिस्ट्रीकृत क्र. 37ई/3941/85-86—
जो नवम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 28-1-1986

मोहर:

प्रकृष्ट श्राव. टी. पर. पद. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्तव्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37ई/376/85-86—अतः मुझे,
अनिल कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकीमं० सर्वे नं० 6-एण्ड (107 पार्ट गंव अकोले
ता० वसई जि० थाना। है तथा जो अकोले में स्थित है (और
इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायातिय सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह
शतांश से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याया बया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपदेश से उक्त अन्तरण सिद्धित में
पासवाक स्पष्ट से कठिन नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
पन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसमें दो
द्वितीय हैं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असूँ :—

(1) श्री तारा लक्ष्मी दी० मेहता बताक नं० 4
साई० सदन रोशन नगर चंद्रावरकर रोड बोखली
वेस्ट अम्बई।

(अन्तरक)

(2) एम० एफ० सरयद एण्ड अन्य 1-बी० भुस्तान
अपार्टमेंट चौथी मंजिल एम० नं०-43 बेल्लासीरन
रोड, अम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के संबंध में कोई भी आवाप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है॥

अनुसूची

जसाकि रजिस्ट्रीकृत अ० 37ई/376/85-86 जो
1985 को सध रजिस्ट्रार वसई जिला आफिस के थाना
में दाखिल किया गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 18-2-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) मेरसं कुलकर्णी एण्ड कुलकर्णी 2153

सदाशिवराव पेठ विजयनगर कालनी पूना, 30

(अन्तरक)

(2) तुकाराम गणपत योगार और अन्थबाबू कलापुरा
चान खराडबाडी पूना—17

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 10 अप्रैल 1986

निदेश सं० 37ई/4645/85-86—अतः मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन समझ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दूकान नं० 6 सर्वे नं० 165 कोथरुड पूना
है तथा जो पूना में स्थित है। (और इसमें उपावट
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सम्यक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16^व के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पृष्ठांत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे कम हे छायाचा
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छायाचान प्रतिफल से, ऐसे छायाचान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकर्ता) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
विक रूप से किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक और
प्रतिवित्व में कमी करने या उसके बचने में लाविचा
के लिए; और/वा(ख) पुंछा किसी भाय या किसी धर्म या जन्म भास्तुओं
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;बहु: ओ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, बधाएँ:—मैं यह सूचना बारी करके पृष्ठांत सम्पत्ति के जरूरि के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई बाधित है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पृष्ठांत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वे हितवद्दुन
किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पार
लिखित में किए था सकेंगे।अंतरोक्तरक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित
हैं, वही वर्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
वर्ण है।

अनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ई/4645/86-87
जो नवम्बर 1985 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

दिनांक: 10-4-1986

मोहर:

प्रस्तुत वार्ष. दी. एन. एस. —

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पूरा, दिनांक 10 फरवरी 1986

निवेश सं. 37ई/6675/85-86—अतः मुझे,
अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि 'ग्राम गम्भीर', जिसका उपीकृत बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 201, दूधरा मंजला निर्माण
अमृत निर्माण नगर, नल्लासापारा (छल्लू थोड़फल
630 चाँ. फुट है तथा जो नल्लासोपारा में स्थित है।
(और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक बायकर
आयुक्त अर्जन रेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपीकृत बाजार भूमि से कम के उपरान्त
प्रतिकूल के लिए अन्तरिक्ष की गई बारे बहुत यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपीकृत बाजार
भूमि, उसके अव्यापाल प्रतिकूल से पूर्ण अव्यापाल प्रतिकूल तथा
पूर्ण प्रतिकूल से बिल्कुल है और अन्तररक्त (अन्तररक्ती) और
अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच दृष्टि अन्तररक्त के लिए उच्च
मात्रा वाला प्रतिकूल, विभिन्निकृत छहोंसे है उत्तर अन्तररक्त
"उपीकृत वा" वास्तविक रूप से बिल्कुल नहीं किया गया है ॥

(अ) अन्तररक्त से हृदय किसी बाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तररक्त वा
दायित्व से कभी करने या उससे बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(ब) अन्तररक्त और या किसी भूमि या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था जिसने दो
सुविधा के लिए;

उक्त उक्त अधिनियम की भारत 269-व के अनुसरण
है, वै, उक्त अधिनियम की भारत 269-व की उपभारत 11
के अधीन, निभिन्निकृत व्यक्तियों, अधीन ८—
9—136GI/86

(1) मसर्स निर्माण एसोसिएट 40-41 विशाल
शापिंग सेंटर सं. एम० बही रोड, बम्बई
(अन्तरक्ष)

(2) फ्रान्सीस जार्ज डिमोंगा और अन्य हबीब मैशन
दूसरा मंजला रुम नं. 57 भायकला बम्बई
(अन्तरिक्षी)

वह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकारी करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आकोश नहीं

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वह
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वहश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुलेख ५—इसमें प्रदूषित उद्यो बाटु पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के से परिभाषित
है, वही वर्ज होगा, जो उस अध्याय में दिया
दिया गया है ॥

अनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं. 37ई/6675/85-86
जो नवम्बर 1985 की महायक बायकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पुना

दिनांक: 10-2-86

मोहर:

प्रस्तुति नं. ८५१.८८.-----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(1) मैत्रसे निर्माण आसोसिएट्स 40-41 विशाल
शार्पिंग सेन्टर एस० एम० व्ही रोड, बम्बई
(अन्तरक)

(2) पार्टे बन्जी 11 सलमार अपार्टमेंट गल्लीसोपार
जिं थाना

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजेंस रेंज, पूना

पुना, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं. 37ई/6672/85-86—अतः मुझे
अनिल कुमार

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पक्षकात् 'हमन क्रिडिनियम' कहा ज्या है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थायक सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1 00 000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 4 निर्माण अमृत निर्माण नगर,
नल्नासो-पार (डठनथू) ना० वार्ड जिं थाना (क्षेत्रफल 579
चौ० फुट) है तथा जो वार्ड थाना में स्थित है।
(और इसपे उपाध्यक अनुमुदी में और पूर्ण सप में विभिन्न
है), राजस्टी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में राजस्टी इण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985
को पर्वेशन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रम के दृष्ट्यान
प्रतिशत के निया अन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास
करने का कारण है कि ग्रामजेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृष्ट्यान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूल्यानुकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायक सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्युक्त:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जैसाकी राजस्टीकृत नं. 37ई/6672/85-86—
जो नवम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अजेंस रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 11-2-1986

मोहर:

प्राप्त प्राप्ति अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 3 फरवरी 1986

निवेश सं 37ई/6273/85-86—अ : मुझे
मुझे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वं के अधीन सभी संस्थाएँ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विद्या उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

आरंभिकी सं 30 है तथा जो अम्बर नाथ में स्थित है।
(आरंभिकी सं 30 है तथा जो अम्बर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर
आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य वं करने के अधिकार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि विश्वास के संपूर्ण बाजार उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल वं, एवं अधिकार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिलिपि से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण वं हुए किसी भाव को, बालव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भाव या अन्य वास्तवियों
को छिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
कीलए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं के अनुसरण
वं, वं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वं की उपभारा (1)
जे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवाँ, अर्जन :—

(1) हरीभाई राम चन्द्र तादके तांदके सदन
चौक कल्याण।

(अन्तरक)

(2) सुनन्दा एस० पाटील साईमांसिनो धमशाया गुम्ते
रोड, डोम्बीवली (छढ़लपू).

को नह सूचना पारी उक्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त उम्मीद के अर्जन के हमें ये कोई भी वालोंप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास
ब्रिंजिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और घर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है :

ममूसूची

जैसाकी रजिस्ट्रीकृत क्र०-37ई/6273/85-96—
जो नवम्बर 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पुना के दफतर में लिखा गया।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक: 3-2-1986

माहूर :

निम्न वाइटी दौरे पर्याप्त हैं

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-वा (1) के अधीन उच्चता**

उच्चता उच्चता

साधारण, उच्चता उच्चता उच्चता (प्रतिक्रिया)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिसंक 18 मार्च 1986

निदेश सं० 37ई/389/85-86—अतः मुझे

अनिल कुमार

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रति इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का उच्चता है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० सर्वे न० 10 आर० एम० न० 91 मौजे ऋणदण्ड जिन नांगली हैं तथा जो सांगली में स्थित हैं (और इसमें उपावन्द अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टर्स अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को प्रबंधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चता प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उच्चता प्रतिफल से, एसे उच्चता उच्चता प्रतिफल के फॉर्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) उच्चता वे दूर्द किसी बाय छी बायत, उच्चता अधिनियम के अधीन कर देने के बातरक के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाइए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब: बड़, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सोनुबाई टी० पाटील ऋणदण्ड ता० यम मिरज जिला सांगली।

(अन्तरक)

(2) विजय कुमार आनंद राव पाटील सर्वे न० 9 ऋणदण्ड ता० यम मिरज जिला सांगली।

(अन्तरिती)

को यह उच्चता बारी करके पूर्णकृत हम्मति के वर्षन के विष कार्यालयों करता है।

उच्चता उच्चता के वर्षन के संबंध में कोइ जाक्षण :—

(क) इस उच्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वय किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणः— इसमें इच्छा लक्षणों बारे वर्णन, जो उच्चता अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौर्णप्राप्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

जैगाकी रजिस्ट्रीकृत न० 37जी/389/85-86 जो नवम्बर 1985 के में सब रजिस्ट्रार मिरज के आफिस में दाखिल किया गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 18-3-1986

मोहर:

प्रस्तुत वार्ता, टौ. एव. एव. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत बरतात

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज पूना,

पूना, दिनांक 11 मार्च, 1986

सं. 37 ई/4204/85-86:—यह: मुझे, अनिल
कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-
रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसी संख्या आफिस नं. 1 मी०एम० नं. 481
सी, शनिवार पेठ, शनिवार वारा के पास' पूना है तथा जो
पूना में स्थित है (और इसमें उपर्युक्त अनुसूची में आएँ पूर्ण
रूप ते वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण
रजिस्ट्रीकरण [अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, नारीख नवम्बर, 1985

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घारण से उक्त अन्तरण लिखित
शास्त्रिक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण है इसे किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
कारियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथित भौं करने वा उक्त उक्तने में सूचित
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी बाब वा भन वा अन्य वास्तवियों
को, विन्हृं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा
प्रयोगार्थ अन्तरिती इत्यादि प्रकट नहीं किया वया
वा वा किया जाना आवृहए था, जिसने भौं सूचित
के लिए;

बता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपराय (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन हूँ—

1 मैसर्स नीलम एन्टरप्राइजेस,
407, रविवार बेठ, पूना।

(अन्तरक)

1 श्रीमती एभ० आर० कौर
38/23 विनायक प्रसाद,
प्रभात छास लेन,
नं० 7, पूना।

(अन्तरक)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तवेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
निश्चित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लक्ष्यकरण

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अ० 37ई/4204/85-86 जो
नवम्बर, 85 को सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना।

दिनांक: 11-3-1986

मोहर :

प्रस्तुत वार्ता: डी. एस. इन्स्ट्रुमेंट

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा
भाषण 269-वा (1) के अधीन संतुष्टि

भारत सरकार

कार्यसिय, सहायक वायकर वायकर (पिरीला)

ਅਰਜੰਨ ਰੌਜ, ਪੁਜਾ

पुनरा, दिनांक 20 मार्च, 1986

सं० ३७६७१/८५-८६:—यत सुझे, अनिल कुमार;
 वायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
 इसको विश्वास 'चक्र अधिनियम' कहा गया है), की भाषा
 २६९-व के अधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपरित वापाद
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फैटन नं० 308, वर्धमान पार्क में प्लाट
नं० 49, सैकटर नं० 17, और बी० सी० से० बस्टि नई बम्बई^४
है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (आंग्रे इससे उपाख्य
अनुभुवी में आंग्रे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हॉर्ट अधिकारी
के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त विरीक्षण वर्जन रेज
में, रजिस्ट्री हैण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख नवम्बर 1985

करे रूपांकित संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्यता का उचित बाजार भूम्ष्ठ, उसके इस्यमान प्रतिफल से „एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्थान प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक इप से कठित नहीं किया जाया है ।—

(क) अस्तु यह से हृदय किसी भाव की वावत, उम्रपर जीवन-
गिरण को बचाए वह दर्शन के अस्तरक वो लाइट
वो इसी करने वा उससे बचने वो सूक्ष्मिका वो रियर-
वाइट।

(८) दोस्री किसी बाब वा किसी भन वा अस्य भास्तुत्वान् वा, जिन्हे भारतीय वायकर वधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वधिनियम, या भनकर वधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ वस्तुरिती इचारा प्रकट नहीं किया जवा वा किया जाना चाहिए वा, जिसने भौमिका के लिये।

हाथा बद्द, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बन्दरगाह
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपलब्धा (1)
मैं सभीन् गिर्वालिकार अधिनियमों का अधिकार है—

- 1 मसर्स वर्धमान बिलडर्स,
40-41 विश्वाल फारिंग सेन्टर, सार एम० बी० रोड,
अन्धेरी (ई) बम्बई

(अन्तरक)

2 श्रीमती जेस भेरी पाल,
C/o ड्रेडिंग कारपोरेशन,
93 दूसरा मज़बूत, बम्बई समाचार मार्ग,
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सुन्ना जारी करके पूर्वोत्तर समाजिक के मर्जन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उस समय तक वर्षा के समाप्ति से कोहँ भी जाखेंगे ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीके से 45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकरण व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ब) इस सूचना के राष्ट्रपति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनस्ती

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ई/6671/85-86
जो नवम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पना के इफ्टर में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजेन रेखर पुना

तारीख 20-3-1986
मोहर :

प्रश्नप बाइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

सं. 37 ईई/6667/85-86:-उत्तर: मुझे, अनिल
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लट नं. 403, वर्धमान पार्क, प्लाट
नं. 48, सेक्टर 17, डी बी० सी, बसई नई बम्बई है तथा
जो नई बम्बई में स्थित है (और इससे उपाव अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण अर्जन रेज में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख नवम्बर 1985

को पर्वतित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
व्यापकता के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
दन्तुक प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
स्थिति में वास्तविक रूप से कार्यत महीं किया गया है ।-----

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसो किसी आय या किसी पार वस्तु जारीकरण
को विस्तृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था
या या किया जाना चाहिए था कियाने में समिधा
के लिए;

उत्तर: आय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित स्थिति में प्रतिनिधि

1 मैसर्स वर्धमान बिल्डर्स,
40-41 विश्वाल शापिंग सेन्टर, सर एम० ल्हो० रोड
ग्रन्थेरी (ई) बम्बई ।

(अन्तरक)

2 श्री बाल कृष्ण जग्गी
अवाड होटल्स प्रा० लि०
सेक्टर नं. 2, बम्बई नई बम्बई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पर्वतित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है ।

बम्बल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी जालेप नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वतित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय 20-के विधा
या है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं. 37 ईई/6667/85-86 जो
नवम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त मिरीक्षण अर्जन
रेज पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 20-3-1986

मोहर :

प्रकल्प बाई, टी.ए.ए.प.एड. ५-८-१९८६

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

सार्वजनिक सूचना

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

सं० 37ई/6665/85-86—यतः मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसमें
इसमें प्रथम उक्त अधिनियम' कहा जाता है), को धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, भद्र विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 404 वर्धमान पार्क, प्लाट नं० 49 सेक्टर 17 डी० बी सी० बसई नई बम्बई है तथा जो
नई बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाखड़ अनुमति में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीटर्स अधिकारी के कायलिय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री करण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवरास
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उड़के व्यवहार श्रीतक्तम से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पूर्ण
प्रतिक्रिया से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) और बन्तरिती
(बन्तरितायाँ) के बीच आयुक्त समाप्ति से जिस तरह पाता गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हूर्दा किसी बाद की बाबत, सूचना
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लायित
में किसी करने या उसके बजाए में सूचिता के लिए
ओर/या

(ख) हैरी किसी बाय का किसी भन या जन्म आस्तियाँ
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
मार्थ बन्तरिती इवाई प्रकट नहीं किया जाया था
या किया जाना आवश्यक था लिपाने में सूचिता के
विहीन;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ६—

१ मैत्री वर्धमान विल्डस

४०-४१ विशाल प्रॉप्रिंग सेन्टर
मर. ०८० बी० रोड, अंधेरी (ई)
बम्बई।

(अन्तरक)

२ श्री सुरेन्द्र कुमार बालकृष्ण जग्गी
अबोट हॉटेलस प्रा० लि० सेक्टर २
बसई, नई बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संचित के बर्चन के लिए
कार्यकारी बहुर करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में हूर्दा भी जारी है—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख तं
45 दिन की अधिक या तत्कालीन अविनाशों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविनाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
.

(ख) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख तं
45 दिन के अंतर्गत स्थावर सम्पत्ति में हित-
क्रम किसी बन्य अवित्त द्वारा वाहाहस्ताक्षरी जे
पास विचित्र में लिह या सुझाये।

स्वाक्षरण—इसमें प्रदर्शन करने वाले वा उक्त
अधिनियम के अधार 20-व में पर्याप्ति
है, वही वर्ष होता, जो उस अधार में लिखा
जाता है।

अनिल कुमार

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. ३७ई/६६६५/८५-८६ जो बम्बई
८५ की लहायू आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-3-86

मोहर :

शास्त्र प्राइवेट ट्रॉ.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
को धारा 269 व (1) के मध्येन संचाल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 20 मार्च 1986

निवेदण सं० 37ई/6664/85-86—अतः मुझे,
अनिल कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के मध्येन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायकर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ज्वाट नं० 203 वर्धमान पार्क ज्वाट नं०
सेन्टर 17 वर्गी नई बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भला एवं कला एवं दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृष्टिकोण प्रतिलिपि से, एसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षीय
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित प्रभु
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) दृष्टिकोण से हाई किलो वाघ की बाजार, उक्त
विविधता के अधीन कर होने के अन्तरक के कानून
में कली करने वा उन्हें उक्त में विधिया के लिए
मार/वा।

(ख) हाई किलो वाघ वा किलो वाघ वा अन्य आ॒स्तीयों
वा विमृ॒ भारतीय वाघ-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) एवं उक्त विविधता, वा वाघ-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ निश्चित शर्त प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाता आश्वास वा, कियाजे हैं विविध
वा लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, वर्ष, इक्षत अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—

10—136 OT/86

(1) मेहर्सं वर्धमान विल्डर्स 40-41 विशाल शापिंग
सेन्टर सरएम० वही रोड, अंधेरी ई० बम्बई
(अन्तरक)

(2) मदनलाल जगन्नाथ 178 संत तुकाराम रोड
रुम नं० 38 बूमरा मंजला मस्जिद के पास घाना
वन्दर बम्बई।
(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बच्चे वे सम्बन्ध वे कोई भी बालों

(क) इस सूचना के राजपत्र में एकाक्षन की तारीख है
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
वर्षाधी बाब वा उन्हें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में एकाक्षन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थान इन्हीं में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताकारी के पास
दिवित में किए जा सकते हैं।

स्वाक्षरीकरण :—इसके प्रत्यक्ष वस्तु को पूर्ण रूप से, और उक्त
विविधता के वालाव 20-व में परिवर्तित
है, वही वर्ष होता वा उस वर्षाव में विव
पूर्ण है।

मनसूची

जैगाकी रजिस्ट्रीकर्ता क्र० 37ई/6664/85-86—
जो नवम्बर 1985 को मात्रावह आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज पुना के दरमार में लिखा गया है।

अनिल कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 20-3-1986

मोहर :

प्रस्तुत बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पूना

पूना, दिनांक 20 मार्च 1986

निवेदन सं० 37ई/6676/85-86--अतः मुझे,
अग्निल कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सकंम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. में अधिक हैऔर जिसकी मं० एलाट नं० 408 वर्धमान पार्क
एलाट नं० 49 मेन्टर 17, डी० बी० सी० वर्सई
नई बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपावद्ध अनुभूति
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक नवम्बर 1985को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—(1) मेपस वर्धमान बिल्डर्स 40-41 विणान शापिंग
गेट्टर मर एम० बही रोड, अंध्रप्रदी कुली बम्बई
(अंतरक)2. श्री नीमन जवाहर लाल चोपड़ा
मी०ओ चोपड़ा, जे 161 आर० बी आई फ्लोर्स
नार्थ एवन्यू शांताकुंज, (डब्ल्य०)
बम्बई।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में हुई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अन्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।लघुदोक्षण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूट क्र मं० 37 ई/6676/85-86
जो नवम्बर 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अग्निल कुमार
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 20-8-1986

मांहर :

महाराष्ट्र बाई, दी. पर. प्रस. ॥
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4285/1/86-87 — अतः मुझे,
 एम० बी० भट्ट,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
**इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
 269-व के अधीन सभी सामग्री को, वह विषयात करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 1,00,000/- रु. से अधिक है
 और जिसकी सेंख्या छाड़बड़ा टी० पी० एम० नं० 8, 1402
 चौपाट है। तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (आर इसमें
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 2जिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 10-10-1985।**

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विषयात
 करने का कारण है कि व्यापारोंवित सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, जिसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल अथवा
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर दर्ते के बंतक के वायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ब) ऐसी जिसी आय या किसी भन या अन्य कार्यालयों
 को जिसे आरोपी आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
 अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 की प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र कान्तपत्रन हीरालाल पारीख
 28, परिमल सोसायटी,
 अहमदाबाद।

(अन्तरक)

1. श्री ओम प्रकाश छबील शास
 मरवाड़ी अपार्टमेंट,
 नवरगुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त यम्पति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकार
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 प्राप्ति के लिए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदेश भव्यों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

मिलकृत छाड़बड़ा, अहमदाबाद में स्थित है जिसका टी०
 पी० एम० नं० 3 फाईलन ज्लाट नं० 714 और क्षेत्रफल
 1402 चौपाट है।

एम० बी० भट्ट
 सभी सामग्री
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, अहमदाबाद

दिनांक : 26-5-1986

माहर 5.

प्रस्तुति भाई टी.एन.एस.-----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन संक्षेप

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4236 --यतः मुझे, एस० बी०

भट्ट,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन संक्षेप प्रारंभिकारी को यह विवेदाता करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या वस्त्रामुर सीम 27 पी एस० 21 एफ०
पी० 74 है तथा जो एस० पी० 2 जमीन क्षेत्रफल
1104 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इसके उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन; तारीख 17-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
जिसे मुझे यह विवेदाता करने का कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दस्यमान प्रतिफल का उचित से अधिक है और अंतरक
(अंतरकों) और अंतरिती (अंतरीतियों) के बीच एस० अंतरण के
सिए तथा पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बत्तरक वा
वार्तिल में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय बाधकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगस्वरूप अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया
जाय या या किया जाना पायिए था, जिसने वे
सुविधा नहीं दिया।

प्रकट व्यवस्था की वारा 269-प के अन्तर्गत
वै, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जारीत है:—

1. श्री नवीरभाई गुलमोहम्मद
झुदी पोन,
पानकोर नाना, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री महेश भाई भीदुभाई पटेल
चेयरमेन मलाप आर्ट्सेंट ओनरें एमोसिएशन
भगवान नगर, रमनपुर।
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वाक्य है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होते, जो उस अध्याय भी दिया गया
है।

अनुसूची

वस्त्रामर सीम टी० पी० एस० 21 एफ० पी० 74
एस० पी० नं० 2 जमीन क्षेत्रफल 1101 वर्ग याड रजिस्ट्रेशन
नं० 11829/17-10-1985।

एस० बी० भट्ट
मकाम प्राधिकारी,
सहायक बाधकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

तारीख: 26-5-1986
मोहर

सूचना बाटौरी, एवं एवं, -----

**मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1986

सं. पी० आर० नं० 4237—अतः मुझे, एस० वी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थानक व्यवस्था, विवाह का उपचार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या टी० पी० एस० 19 एफ० पी० 55-56 एस० पी० 12 वाडज सीम, शब्दन्यातन है। तथा जो को० ०० हा० सोसायटी नारनपुरा जमीन 1000 वर्ग गज और भकान 375 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पुणे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीडर्टा अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रेशन, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1985।

यह पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खयान प्रतिफल से, एसै खयान प्रतिफल व्यंज्ञ प्रतिशत से अधिक है और अक्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरक के लिए तब पाया जाया गया अधिकारी के निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण के दूर्द किसी बाब का बाबण, उक्त प्रतिशिव्य से अधीन छठ एवं अन्तरक से अन्तिश्य से इग्नी कहने का उद्देश्य व्यवहार के लिये; दूर्द/का

(ब) एसै किसी आय या इसी भव्य अधिनियम को, विन्ह आरोप थार-क्ट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण से, भै, सूचना अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अधिति :—

1. श्रीमती हंसाबैन चीनुभाई पटेल
अचलायतन सोसायटी
नारनपुरा अहमदाबाद-18।

2. श्री प्रम नन्द चन्द्रमल जारफानी
शीतांशु अपाटमेंट,
मेमनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

कौं यह सूचना बाटी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के उच्चार ने काई भी आशेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरवंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाब में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्णोक्त अधिकारी भी से किसी व्यक्तिया विवाह;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भावर उक्त अधिकारी अन्तर्रात्मक रूप से अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण :——इसके प्रयुक्त लक्षणे की ओर यह, की उच्च प्रतिशिव्य, ने अभाव 20-व में प्रतिशिव्य है, वही वर्ष छोड़ा जाने वाले उक्त अभाव में विवाह रखा है।

मृत्यु

टी० पी० एस० 19 एफ० पी० 55-56 एस० पी० नं० 12 वाडज सीम जमीन खोन्नफल 1000 वर्ग यार्ड और भकान जी० एफ० और एफ० एफ० 375 वर्ग यार्ड अचल-यातन ओ० का० हा० सोसायटी लिमिटेड में नारनपुरा अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 8522/अक्टूबर, 1985।

एस० वी० भट्ट,
सभास प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 26-5-1986

मोहर :

प्रस्तुत नाइटी.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरेकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयदाता (निरीक्षण)

शर्जन रोज़-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1986

सं. पी. 0 आरा 0 नं. 4238 —अतः मध्ये, एस. 0 बी. 0
भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास दरने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसका संख्या जमीन क्षेत्रफल 956 वर्ग मीटर टी. 0
पी. 0 एस. 0 6 है तथा जो पालड़ी सीम एफ. 0 पी. 0 415
ओर 416 में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी वे
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तरीख 17-10-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वप्रभाव
प्रतिपादन ने लिए अन्तरित की गई है और वह यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(क) ऐसी किसी आय का किसी भूमि या बन्य आस्तीयों
को किन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
बतारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आया चाहिए था, छपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ताबेन कान्तीलाल मेहता

13 राम मोहन फ्लैट नं. 4,
दत्त रोड, कलकत्ता-700020।

(अन्तरक)

2. श्री मनोज रमेश लाल शाह
प्रमोटर प्रोजेक्ट राज कृष्ण को० ओ० हा० सोसायटी
एम. पी. ० अपार्टमेंट्स,
पालड़ी अहमदाबाद-380007।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यवाहियों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित गंभीर किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, उन उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गदा है।

मन्त्री

जमीन क्षेत्रफल 956 वर्ग मीटर-1147 वर्ग यार्ड
पालड़ी में टी. 0 पी. 0 एस. 0 6 एफ. 0 पी. 0 नं. 415 और
416 रजिस्ट्रेशन नं. 11842/17-10-1985।

एस. 0 बी. 0 भट्ट,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
शर्जन रोज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 26-5-1986

मोहर :

प्राप्त आई.टी.एस.एन. 1986-1987

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43
को धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1986

सं. पी.आर.नं. 4239 — अन्तः मुझे, एस.वी.
भट्ट,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंदिर बोयल गांव साम नालुजा रेगकोर्स है
तथा जो ब्लाक नं. 639 जमीन 10319.3332 वर्ग मीटर
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्थावर
में वर्णित है), रजिस्ट्रेफर्स अधिकारी के पार्यालय अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 19-10-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल से ऐसे स्थावर प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) उक्त उपर्युक्त किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तर्गत इ-
दायित्व में कर्मी करने वा उससे वक्तने में मूल्य
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य बाग्नियों
को जिन्हे भारतीय आकर्कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संतुष्ठा
के लिए;

1 श्री बचु भाई खोडाभाई पटेल
(एच.यू.एफ.०)

गाँव, बावना, तालुका रेस कोर्स,
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2 श्री गुरुबंद राय बचुभाई पटेल
वेयरमैन मोड़ीयार ट्रूपा को० ओ० हा०
सोमायटी लिमिटेड
बोयल नालुजा रेसकोर्स,
जिला अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्वन के लिए
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्वन के संबंध में कोई भी वाक्यपे ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बोयल (नालुजा रेग कोर्स) सीम ब्लाक नं. 639 जमीन
ऐट्रफन 10319. 3332 वर्ग मीटर (जिल्डेगढ़ नं. 11948/
19-10-1985।

एस.वी.० भट्ट,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक अधिकारी आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

वक्तन: शब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तात :—

दिनांक: 26-5-1986

मोहर:

प्रस्तुत आदृत, दी. श्र. एवं प्रधानमंत्री

**बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

मारण संस्कार

कार्यालय, उत्तर बाबकर बाबकर (मिरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1986

सं. पी० आर० नं. 4240—यतः मुझे, एस० बी०

**बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-वी अधीन, सभी प्राधिकारी को, यह विवाह करने का
कारण है कि उत्तर अधिनियम, विवाह अधिक बाबकर अधीन
रु. 1,00,000/- से अधिक है**

ओर जिसकी संख्या चंगी चंगी कुरु मीठाबाली सीमटी० पी० एस०
20, एफ० पी० नं० 125 है, यथा जो एस० पी० नं० 4-
ए० जमीन 485 वर्ग मीटर ओर माजन गेपियन है (ओर
इससे उत्तरद्वारा गुन्सूची में ओर पूर्ण रूप में बिगिन है),
रजिस्ट्रीर्टर्टी अधिकारी के द्वारा उत्तर अहमदाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तर बाबकर अधीन से कम के व्यवसाय
प्रतिक्रिया के लिए अल्पाइट की वह ही और मृजे यह विवाह
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तर बाबकर
अधीन, उत्तर क्षयमान प्रतिक्रिया है, एवं उत्तर अधीन प्रतिक्रिया का रूप
प्रतिक्रिया में वैधिक है और अस्तरक (अन्तरक्ष) का और अल्पाइटी
(अम्बूरीटिटी) के बीच एवं उत्तर क्षयमान के लिए सभी बाबा एवा
उत्तर अधिकरण, उत्तरद्वारा ही उत्तर अधिकरण अधिनियम
में वालावाले रूप से कार्यत यहीं किया गया है—

**लिंग अल्पाइट है इसे किसी बाबा की वालावाले
उत्तर अधिकरण के विवाह करने के वालावाले
दायित्व में कभी करने या उससे वृच्छने में सुविधा
के लिए; लैजे/प्र०**

(२) एस० बी० किसी बाबा की वालावाले
उत्तर अधिकरण की वालावाले अव-जर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, 1957
(1957 का 27)
के व्यवसायी अल्पाइटी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था वा किया जाना चाहिए था विषाने में सुविधा
के लिए;

नमः नम, उत्तर अधिनियम की भारा 269-व के विवरण
में उत्तर अधिनियम की भारा 269-वी जारीदा (1)
से सभीत, अधिनियम विविधारी, वर्ष १—

१ श्रीमती यशदत्ती बेन शंभुप्रसाद पटेल

२० भगवती

सरदार पटेल जगर

नवरंगपुरा अहमदाबाद।

(अन्तरक)

२ ए० उषावेणु सूर्योदाम पटेल

एरीगल्लम,

पुराना सचीवालय के नजदीक अम्बापाड़ी,

अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही रूप करता है।

उत्तर अधिकरण के अर्जन के इच्छाएँ ये लिए जाएँ—

(३) इस अधिकारण के उत्तर अधीन की दारील है
४५ दिन की वालावाले उत्तर अधिकरण के वालावाले एवं
वालावाले वाले ३० दिन की वर्तमान, जो भी
वालावाले वाले वाले की विवाह अधिकरण द्वारा
कियी गयी विवाह;

(४) इस अधिकारण के उत्तर अधीन की दारील है
४५ दिन के भौंतर उत्तर अधिकरण के विवाह
विवाही वाले वालावाले वालावाले के दारा
निविस्त में किए जा सकें।

लिंगाल्पाइटः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ष होते हैं जो उस अध्याय में विवा
हया है।

प्रमुख

चंगीचुरु मीठाबाली सीमटी० पी० एस० 20, एफ०
पी० नं० 125, एस० पी० नं० 4 ए जमीन खेत्रफल 485
वर्ग मीटर ओर माजन जी० एफ० ओर एफ० एफ० एवं
रजिस्ट्रेशन नं० 7715 अक्टूबर, 1985।

एस० बी० भट्ट,
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक अधिकारी आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नामांक : 26-5-1986

मोहर :

प्रधम बाइं. दी. एन. एरु. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वाचार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4241—ग्रहण: मुझे एस० वी०

भट्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० चंगीमपुर मीठाखली सीम टी० पी० एस० 20,
एफ० पी० 125 है तथा जो एस० पी० 4-ए जमीन 485 वर्ग मीटर
और मकान में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य से कम के विवादान
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि विषयपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
पर्दी (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा वाया वा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरक से इन्हें किसी भाव नहीं वाला, उक्त अधीन-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व
में कभी करने या उससे करने में सुविधा के लिए;
और/मा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भव वा अन्य वार्ताकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-क्र. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाथे कल्पिती इवाय प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना साहित्य था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रहण: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की नपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जात् ।—

11—136 GI/86

(1) श्रीमती भारती बेत रामप्रसाद पटेल 29 भगवती

ग्रहदार पटेल नगर, नवरंगपुरा अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नंदकुमार मनीलाल शाह, 5-बी कृष्णकुंज सोमाईटी
भैरवनाथ रोड़ कांकिरिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरिक्ती)

जो यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चंगीमपुर मीठाखली सीम टी० पी० एस० 20, एफ० पी०
नं० 125, एस० पी० नं० 4-ए जमीन 485 वर्ग मीटर और
मकान जी० एफ० और एफ० एफ० पर रजिस्ट्रेशन नं० 7904/
अक्टूबर 1985 ।

एस० वी० भट्ट
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 26-5-1986

मोहर :

ब्रह्म भाई, टी. एम्. एस. ----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4242—अतः मुझे एम० वी०

भट्ट

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इष्टमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ए के अधीन संसद अधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वस्त्रापुर सीम टी० पी० एम० 21, एफ० पी० नं० 74 एम० पी० है तथा जो नं० 2 जमीन क्षेत्रफल 1101 वर्ग यार्ड वांधकाम नीचे में स्थित है (और इसमें उपावट अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है) जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विवरण करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एक ही प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अंतरण से हरौ किसी भाव की वाक्य, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक वायिक में कभी कर्त्ता या उपसे वचन में सूचित है तिएः नीर०/दा

(ए) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अंतरिती द्वारा प्रकट महों किया जाय तो यह फिर जाना चाहिए था, जिसमें में सूचित है तिएः

अतः इन उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण ए. वी०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तित्व, अस्ति ०—

(1) श्री ग्रनारखा भाई गुलाम मोहम्मद बाउदी पोल पानीर भाका अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री विनू भाई नागजी भाई पठेन नेयरमैन भद्रेश अपाटेंमेंट ओनस एमोगिएशन लिंगा गोमायटी, हमनपुर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत संबंध में कोई भी जाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी व पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वस्त्रापुर सीम टी० पी० ए.वा० 21, एफ० पी० 74, एम० पी० नं० 2 जमी। क्षेत्रफल 1101 वर्ग यार्ड कास्ट्रॉक्षन नीचे गजिस्ट्रेशन नं० 11828/17-10-85।

एम० वी० भट्ट
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 26-5-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
विधायिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4243—अतः मुझे एम० बी० भट्ट

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-से के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रुप से अधिक है

और जिसकी सं० छड़ावड मीम टी० पी० एम० 3, एफ० पी० 647, एम० पी० 10-ए है तथा जो जमीन खेतफल 687.29 वर्ग मीटर बांधकाम सहित में विद्युत है (और इसमें उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्हर्टा अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29 अक्टूबर 1985।

बांग पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरों अतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरों अतिक्रम से, एंसे दूसरों अतिक्रम का पूर्ण प्रतिवात ऐ अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के विवेचनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपवाया (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विलिन चन्द्र रनछोड़लाल मेहता 10-ए पर्णकुंज सी० ए००० विद्यालय के नजदीक आंबावाड़ी अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुकान्त एच० मुरतिया प्रमोटर-प्रोफेज दुखन शांति को-ओ० हा० सोनायटी 10-ए पर्णकुंज सोनायटी सी० ए००० विद्यालय के नजदीक आंबावाड़ी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में शुमार होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारहस्ताक्षरी और पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छड़ावड भूमि टी० पी० एम०-३ एफ० पी० 647 एम० पी० 10-ए जमीन खेतफल 687.29 वर्ग मीटर बांधकाम सहित रजिस्ट्रेशन नं० 12499/29-10-85

एम० बी० भट्ट
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986

मोहर :

प्रस्तुप भाई.टी.एन.एस.-----

बायबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4244--अतः मुझे एस० वी० भट्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (प्रति इसके इसके प्रभाव 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संसद अधिकारी नो यह विश्वास करने का अन्तरण है कि उच्चार अधिकारी, विश्वास उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० बासना सीम टी० पी० एम० नं० 22, एफ० पी० नं० 28, एस० पी० नं० 33 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 373.25 वर्ग मीटर बांधकाम सहित में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 अक्टूबर 1985।

को पूर्णोक्त अंतर्गत के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयवाज प्रतिफल के निवारण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का अन्तरण है कि उच्चार पूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयवाज प्रतिफल से, ऐसे द्वयवाज प्रतिफल का वृद्धि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिक्ती (अन्तरीक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से इन्हें किसी वाय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के बास्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंड्री किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन विस्तृत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० आशीत भाई दामुभाई शुक्ल 33, श्री दामु भाई कालोनी को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेड भट्टा के नजदीक थासना अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री योगेन रसोकलाल शाह के०/ओ० ए० हिमांशु शाह 14 जैन सोसायटी एलीसब्रीज अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पार्खी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यान्वयिता करू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित्व के लिए जा सकेंगे;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वारा बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्षताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के यथा परिभ्रान्त हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुष्ठा

बासना सीम टी० पी० एम० नं० 22, एफ० पी० नं० 28, एस० पी० नं० 33 जमीन क्षेत्रफल 373.25 वर्ग मीटर कंस्ट्रक्शन सहित रजिस्ट्रेशन नं० 11732/16-10-85।

एस० वी० भट्ट
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राष्ट्रपत्र आयकर वाल्कल (प्रिरिक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० थार० नं० 4245—अतः सुझे एस० बो०

भट्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पालड़ी सीम सर्वे नं० 219-220, टी० पी० एस० 6, एफ० पी० 300 है तथा जी जमीन क्षेत्रफल 809 वर्ग मीटर और बंगला में स्थित है। (और इसके उपावद भन्दूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 10 प्रबन्धन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवाह करने का कारण है कि अद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके अद्यमान प्रतिफल से, एसे अद्यमान प्रतिफल का अन्तर से अधिक है और बंतरक (बंतरकी) और अन्तरिती (अन्तरितिय) के बीच एक बन्तरक के निए तथा बाजार गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख ते उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है कि या वहा है—

(१) बन्तरक ते हरू कियी बाज यी बाज, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने वे अन्तरक यी दावित में कमी करने वा उक्त उपर्युक्त यी लिखित के लिए और वा/

(२) एसी कियी बाज वा कियी बन वा अन्य आस्तावी का, जिसके आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, मैं अन्तरक अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री डॉ चंद्रलाल छोटालाल प्वार, लाट नं० 13, कुमुमनगर सोमापटी गुजरात सोसायटी के नंजदीक पालड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार रमनलाल पटेल, सुहासिनी फ्लैट नं० 13 म्युजिम के पीछे पालड़ी, अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

मैं वह सूचना प्राप्ति करते उपर्युक्त अन्तरित के अन्तर वे लिखित अन्तरितों करता हूँ।

उक्त सूचित के अन्तर के संबंध में कोइ श्री आज्ञा नहीं—

(क) इस सूचना के अन्तर में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविस्तार पर सूचना वी तारीख वे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले वे समाप्त होती हो, के भीतर उपर्युक्त व्यक्तियों वे से किसी अविस्तारण;

(ख) इस सूचना के अन्तर में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविस्तार स्थावर अपार्टमेंटों के बाहे निवित में किए जा सकते।

लक्षणः—इसमें प्रदत्त अवधि वीर पर्याय, जो उक्त अधिनियम के अन्तर 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा ही उक्त अन्तर में दिला दिया है;

अनुसूची

पालड़ी सीम सर्वे नं० 219-220, टी० पी० एस० 6, एफ० पी० 300 जमीन क्षेत्रफल 809 वर्ग मीटर और बंगला रजि-स्ट्रेशन नं० 11407/10-10-85।

एस० बी० भट्ट,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986

मंदिर:

संसद भारतीय एवं प्रधानमंत्री
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ए (1) के वर्तीन सूचना

भारत सरकार**कार्यालय, सहायक आयकर विभाग (विरीकाम)**

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4246—श्रतः मुझे, एस० बी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इहको पदाधार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ए के वर्तीन सूचना प्राधिकारी को यह विवरण उत्तर का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लिखित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कालूपुर वार्ड नं० 3 सी० एस० नं० 4536 जमीन और मकान है तथा जो 456, 52, 70 वर्ग मीटर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में अंग पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रेक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23 अक्टूबर 1985।

ये पूर्वोंकेत सम्पत्ति के उल्लिखित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण प्रतिफल के निष्ठ जनतिरित की गई है और मुझे यह विवरावास करने का कारण है कि यथापूर्वोंसे सम्पर्क का उल्लिखित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिकोण से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अतिरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण उल्लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जा सकता है—

(ए) उल्लेख वे 'हुए' किसी बाय की वायत, उक्त अधिनियम के वर्तीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिकोण में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा खो जाएगी/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भास्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दृष्टिकोण अन्तरिक्तियां उल्लिखित बायारा उल्लिखित नहीं किया जाय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मंहमदी भाई सलेह भाई और अन्य, अहमदाबाद।
(अन्तरक)
(2) बेनस विल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, 14/1 रवि चैम्ब
सलायस रोड, अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तीन वायारा में कोइ भी वापरेह—

(ए) इस सूचना वे उल्लेख वे प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अपील वा उत्तराधीनी अधिकारी द्वारा सूचना की तारीख से 30 विन की वर्तीन, जो भी अवैध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकित अधिकारी द्वारा हो किसी अवंत दृष्टाय;

(ब) इस सूचना के उल्लेख में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त दृष्टाय अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

निपटान:—इसमें प्रमुकत सब्दों और वदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वास्तविक

कालूपुर वार्ड नं० 3 सी० एस० नं० 4536 जमीन और मकान अंतरक 456, 52, 70 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 12122/23-10-85।

एस० बी० भट्ट,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (विरीकाम)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986

मोहर। :

प्रधान माइंट. दी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

संसद वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं. ० पी० आर० नं० 4247—पन: मुझे एम० बो०

भट्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और वित्ती सं. ० ए.स० पी० ७ ए० एफ० पो० नं० ३७७, ३८१,
३८२ और ३८३ हैं तथा जो ऐलीसब्रीज टी० पी० एम० ३ जमीन
क्षेत्रफल ८०३ वर्ग याड़ ३७ ईड़ी में स्थित है (और इसमें उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद ३७ ईड़ी फाइल किया में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24
अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के द्वयमान
प्रतिफल के सित अन्तरिक्ष की गई है और भट्ट यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का
पूर्व ह प्रतिष्ठत से अधिक है और बंतरक (अंतरक) कार अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरक के भिन्न तर यादा यथा प्रतिफ-
ल, निम्नलिखित लघुवृहत से उक्त अन्तरक अन्तरिक्ष में वास्त-
विक स्पष्ट कीथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाय की, वापत, संकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायिक्षण में कमी करने या उसमें वज्रने में स्विक्षण
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तीयों
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या जिसे आगे जाहिए था, लिपाने में मिलिका
के सिटर।

अतः अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शंतोंद्वाल चंद्रुलाल शाह माधुर्य के सामदे
नवरंगपुरा टेलीकोन एक्सचेंजर के सामने लेन, सरदार
पटेल हाउस में ऐलीसब्रीज, अहमदाबाद—
380006 ।

(अन्तरक)

(2) मधुमूदन केरामीक्स दीप०, मधुमूदन वेजीटेल
प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड रखीयाल तालुका दहेजाम
जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना धार्ते करने पूर्वीत उपर्युक्त के वर्ष
कार्यालयों द्वारा करता है ।

वर्ष कार्यालय के अधीन वे व्यक्ति वे कार्यों के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पात्र
निर्वित में किए जा सकते ।

लग्जीकरण:—इनमें पशुकल शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में परिचायित हैं, वही वर्ष होगा जो जस अध्याय में दिया
गया है ।

ननूसूची

एम० पी० नं० ७ए० से एफ० पी० नं० ३७७, ३८१, ३८२ और
३८३ ऐलीसब्रीज टी० पी० एम० ३ जमीन क्षेत्रफल ८०३ वर्ग
याड़ और मकान १७९ वर्ग याड़ ३७ ईड़ी दिनांक 24-10-85
को फाइल किया ।

एम० वी० भट्ट
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986

मोहर:

श्रीमत बाई. टौ. एल. एस.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वाय
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4248— अतः मुझे, एस० बी० भट्ट,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्मिति, जिसका उचित बाबार मूल्य रु. 1,00,000/- से अधिक है और जिसकी सं० एस० पो० नं० 7 से एफ० पी० नं० 377 381 382 और 383 हैं तथा जो ऐलीमेंट्रीज टॉ० पी० एस०-3 जमीन क्षेत्रफल 803 वर्ग यार्ड में स्थित हैं (आर० इसे उपावद्ध प्रनुभूति में अंग पूर्ण रूप के घण्टित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 अक्टूबर 1985 को प्रकाशित संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के विश्वास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि विधापूर्वक संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके विश्वास प्रतिफल से एस० इसमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) वारि असंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एस० अंतरण के लिए तथा वायकर अधिनियम के लिए अन्तरण के लिए विधापत्र से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण के हाई कोर्टी अधीन की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक ने विधिवत रूप से इसी करने या उससे बदले में सुविधा के लिए जारी।

(क) एस० पी० नं० 7 से एफ० पी० नं० 377, 381, 382 और 383 ऐलीमेंट्रीज टॉ० पी० एस० 3 जमीन क्षेत्रफल 803 वर्ग यार्ड और मकान 179 वर्ग यार्ड 377 इह दिनांक 11-10-1085 को फाइल किया।

(क) एस० पी० नं० 7 से एफ० पी० नं० 377, 381, 382 और 383 ऐलीमेंट्रीज टॉ० पी० एस० 3 जमीन क्षेत्रफल 803 वर्ग यार्ड 377 इह दिनांक 11-10-1085 को फाइल किया।

इत्याहा, उक्त अधिनियम की भाव 269-ए के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की भाव 269-ए की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थाओं का विधित है।—

(1) श्री गांतोलल चंडुलाल शाह माझूर्य' नवरंगपुरा टेलीफोन एकमचेंज के सामने लेन मरदार फटेल हाल के साईड में ऐलीमेंट्रीज अहमदाबाद 380006।
(अन्तरक)

(2) मधुमूदन केशमीवस दीप० मधुमूदन वेजीटेवल प्रोफेक्टम कंपनी लिमिटेड रखीभाल तालुका दहेगाम जिला अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वालोप नहीं।

(क) इस सूचना के उपरपर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि ता तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवृभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताकरी के पात्र लिखित में किए जा सकते।

लाइब्रेरी:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुकी

एस० पी० नं० 7 से एफ० पी० नं० 377, 381, 382 और 383 ऐलीमेंट्रीज टॉ० पी० एस० 3 जमीन क्षेत्रफल 803 वर्ग यार्ड और मकान 179 वर्ग यार्ड 377 इह दिनांक 11-10-1085 को फाइल किया।

एस० बी० भट्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986
मोहर। :

प्राप्त आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4249—वतः मुझे, एस० बी०

भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ ले अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विष्वास उत्तर का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० नम्रतं० 2972 प्लॉट नं० 2281-ए वार्ड नं० 7
मामगली है तथा जो दरवाजा के नजदीक हिल ड्राइव बूर्झा
नगर भावनगर में स्थित है (ओर इसमें उपावढ़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) अफिल्ट्रीजर्फ अधिकारी के
कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 21 अक्टूबर 1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मगे यह विष्वास
करने का कारण है कि विष्वास उपावढ़ अनुसूची में
उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पत्रक प्रतिष्ठान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा
प्राप्त नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उत्तरका
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तराल में एस० बी० भट्ट की ओबन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
भट्ट/।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की चिन्ह भारीद बाजार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;वतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उत्तरका
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

12—136GT/86

(1) श्री गणेशाई नटुभाई शेख, वजीर मस्जिद के नजदीक
रणजीत रोड, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हंगा बेन मधमोहन भाई तंबोली "अनुपम"
अम्पताल के सामने भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पर्यावरण सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
मत्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी वर्त लाईस द्वारा बधाइत्याकारी के पास
प्रियेन्द्र एवं जिला भर समेत।स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नम्रतं० 2972 प्लॉट नं० 2281 में भामगली दरवाजा के
नजदीक हिल ड्राइव वार्ड नं० 7 कुण्ठनगर जमीन 1916.13
वर्ग मीटर 83.87 वर्ग मीटर परिस्त्रेशन नं० 3095/21-10-
1985।एस० बी० भट्ट,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 29-5-1986

मोहर :

राज्य भाइ, टी, एग, पा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1 के अधीन संख्या)

बारह सूचारा

आर्थिक, साहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 मई 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4250—अन्तः सूची, एम० बी० भट्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2149-बी वार्ड नं० 7 हिन्द डाईव
है तथा जो भावनगर जमीन और मकान में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूची में दर्शित है)
रजिस्ट्रीरेटरी अधिकारी के आयकर, भावनगर में रजिस्ट्रीरेटर
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9
अक्टूबर 1985

को पर्यावरण के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान
प्रतिफल के लिए बनायित के गई है और यह विवास
करने का कारण है कि स्थापयोक्ता सम्पत्ति का संचित बाजार
मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, ऐसे स्थामान प्रतिफल का
एक ब्राह्मण से अधिक है और बंतरक (बंतरकी) और बंतरियी
(बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरक के लिए तथा जाया जाया परिष-
ज्ञ निम्नासिद्धि उद्योग से उक्त अन्तरण निकृष्ट में बासित
पर्यावरण में कठित नहीं किया जाता है :—

(म) बंतरण के हृष्ट किसी वाय की वार्ड उक्त सम्पत्ति
परिष वै अधीन कर देने के अन्तरक तो काँपला
क्यों करने या सहजे बचने में सुरक्षा है जिए
है/वा

(न) एसी किसी वाय वा इन्हीं वाय की वार्ड उक्त सम्पत्ति
को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-
कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया दर्य
वा या किया जाया चाहिए वा, कियाने में संविध-
नी निरुप

बाय॑ वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नासिद्धि व्यक्तियों, वर्षात् ३—

(1) श्री धीरू भाई मुना भाई पटेल ब्लॉक नं० 51 फीफ्ट
फ्लॉर बीसीयादा अपार्टमेंट 11, "बेस्ट एवेन्यू"
गान्धीनगर (देस्ट) ब्रम्हा।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जें भाई वस्ताभाई पटेल, गोपेश्वरपा, विजयराज
नगर प्लाट नं० 60, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए
रायवादियां बनाते हैं।

उक्त सूचना के अन्तर्गत ये कौई भी बालों—

(म) ५५ वर्षों के उपर्युक्त ये इकाई की तारीख से 45
दिन की वृद्धियां या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर सूचना
की सार्वत्रिकी ने ३० दिन तक अवधि, जो भी वृद्धि
का तारीख होती है, के अंतर पूर्वान्वय
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित,
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताकरी के
एवं निविलन में किए जा सकते।

प्रबन्धकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जी और पद्धी का, वा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभिर्ति
है, वही वर्ष दर्तगा जो उस अध्याय में हिता
जाता है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2149/बी हिन्द डाइव रोड कृष्ण नगर भावनगर
जमीन और मकान रजिस्ट्रेशन नं० 2142/9-10-85।

एस० बी० भट्ट
मकान प्राधिकारी
महायून व्यायाम आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 29-5-1986

मोहर :

प्रधान मंत्री को प्रदर्शन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन सुनियनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

(1) श्री अंगजीत सिंह मौजा-दीघा, थाना-दीघा घाट,
पटना।

(अन्तरक)

(2) मैं श्री अमूर चन्द्र नहकारी गृह निर्माण समिति लि०
13, पृष्ठ ० आई० जी० करुड़वारा कालोनो पटना-२०
द्वारा श्री राजेश कुमार द्वा०।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हू०

माना जाना चाहिए कि आयकर अधीन सुनियन भी आयकर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तरांश 1, 1, 1, 00,000/- रु. से अधिक है

श्रीराजसिंह सं० ३८६७, खाना सं० ९२४ ताजी सं०
५/७४, थाना सं० १ है तथा जो बीघा, पटना में स्थित है (श्रीराज
इसमें उपाधान अनुसूची में आए पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधरलाल है। आयालय अल्कता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31
अक्टूबर 1985

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और इसे यह विवाहास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से ऐसे दर्शमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्षी
(अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ८००० रुपये की धारा 269-वा आयकर अधिनियम के अधीन कर दर्ता के अन्तरक के
व्यक्तियों में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
मैं निर्दिष्ट रूप से

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिनके भारतीय आयकर अधीनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त वास्तविक आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या
सुविधा के लिए;

8 फट्टा जमीन जो मौजा दीघा, जिला, पटना में स्थित है
और पूर्ण रूप से वसीका मंडीपा I-15505 दिनांक 31-10-
85 में वर्णित है श्रीराजसिंह निवास रजिस्ट्रार आफ एसोरेंसज,
अल्कता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
(आयकर अधीन सुनियन अधीन निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-6-1986

मोहर :

प्रकाश नं. ३१८, एन. पटा. १०००००

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के वधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर वायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

नदेश सं. III-1299/अर्जन/86-87—अन: मुक्ते दुर्गा

निम्नान्तः

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा वह विवास करने का
कानून द्वारा स्थापित, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं. तीजो मं. 5174 खाना सं. 924, प्लाट सं. २६६७, थाना सं. १ है तथा जो मौजा दोधा, थाना दोधा, जिला
पटना में स्थित है (ग्रीष्म इम से उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16)
के अधीन, दिनांक 31 अक्टूबर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उपरान्त
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास
करने का कारण है कि व्यापारी अपेक्षित का उचित बाजार
मूल्य उसके उत्तमान प्रतिफल में, उसे उत्तमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरित के निए उत्त
मात्रा व्यापारीकरण निम्नलिखित उत्तरेष्य से उत्तर अन्तरक
विवित में वास्तविक रूप तेर विवित व्यापारी किया गया है—

(म) अन्तरक संहर्द किसी आय की बाबत सकता
अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक व्यापारी के विवित
व्यापारी करने या उससे विवरन दें व्यक्तियों के लिए,
और/या

(म) एसी किसी आय या किसी धन या वन्य वासिताओं
को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहाँ किया गया
या या किया जाना चाहिए था देखाना मं. १५०० के
लिए,

उत्तर यथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)
के वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति—

(1) श्री रणजीत प्रसाद मिह, सूपुत्र स्व. हरिमारायण
मिह, दोधा घाट, थाना दोधा, जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) ज्ञपुर बन्द्र गहारी गृह निमाण समिति लि० कंकड़
बाग पटना द्वारा श्री राजेश कुमार ज्ञा, सचिव।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए
कार्यवाहियां करता हैं।

उत्तर सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेपः—

(म) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन ली गयी थी वार्ता भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
दृष्टान्त द्वारा निर्दित है ८० दिन तक अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भी उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-
बदृथ किसी वन्य व्यापार व्यापार व्यापारकरण के
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

समीकरण :—इसमें प्रधान सम्बों और एवं का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

14 छठा नमीन जो मौजाँ दोधा, थाना दोधा, जिला
पटना में स्थित है ग्रीष्म जो वसिका सं. १-१५५०६ दिनांक
३१-१०-८५ में पूरी तरह वर्णित है तथा जिसका निबंधन
मव-रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार वाफ एसोरेस, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न
हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर बायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक: 12-6-1986

मोहर:

द्रष्टव्य वाहौ.टी.एन.एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयकर बाबूकर (प्रिंसिपल)
अर्जन परिषेत, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

मिदेशक सं० 3-1300/अर्जन/86-87—अनः मुर्गा प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात् करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5174 खाना सं० 924, प्लाट नं०
2667, थाना सं० 1 मौजा दाघा, थाना दाघा, जिला पटना
में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार्टा अधिकार के कायानिय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
31-10-85

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवगमन
प्राप्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात्
करने का कारण है कि वर्तमूर्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अवगमन प्रतिफल से ऐसे अवगमन प्रतिफल के
पन्थ प्रतिष्ठात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश से उक्त बस्तुरुप
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जवा है ॥—

(१) बन्तरण से हटा किसी आय की वापर (१) उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक जै
वाक्यित में कर्त्ता करने वा उक्त हेतु बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(२) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य व्यक्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्ति ॥—

- (1) श्री रणजीत प्रसाद सिंह, मुमुक्षु स्वयं० हरितारायण
सिंह, दीघा थाना दीघा, जिला पटना
(अन्तरक)
- (2) श्री कपूर चन्द्र गहरी गृह मिरण मिति नि०
कंकड़ बाग पटना द्वारा श्री गजे कुमार क्षा, सचिव
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वास्तव :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की समीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
बदल वाले भी तारीख से होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमुद्रा
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा रहे हों ।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिय
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया
जवा है ।

अनुसूची

9 कट्ठा जमीन जो मौजा दीघा, थाना दीघा, जिला पट न
में स्थित है और जो वसिकास० 7-15504 दिनांक 31-10-85
में पूरी तरह वर्णित है तथा जिसका निवन्धन सब-रजिस्ट्रार,
रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

दुर्गा प्रसाद
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन परिषेत, विहार, पटना

तारीख 12-6-86
मोहर

प्रस्तुप याहै.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून, 1986

निर्देश सं. 3-130/अर्जन/86-87—गत: मुझे दुर्गा

प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपर्युक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सद्व्यवहार प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर संपादन जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं. तीजी सं. 5174 खाता सं. 924, प्लाट सं. 2667, थापा सं. 1 है, तथा जो मौजा दीघा, थाना दीघा, जिला पटना में स्थित है (अर्थात् उपाध्य अनुग्रहों में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-85

को पृष्ठोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का वन्दन प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर्मिली (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त बन्दरण लिखित में पासविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तीन को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार ५—

(1) श्री रणजीत प्रभाद शिंह हंसियायण शिंह, दीपा घाट, थाना, दीघा, जिला पटना।
2 श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी स्व० एव० एन० शिंह, दीघा, पटना
(अन्तरक)

(2) कपूर चन्द्र सहकारी गृह मिमणि समिति लि० कंकण बाग पटना द्वारा श्री राजेश कुमार द्वा०, सचिव (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के हम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की द्वामौल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्यक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 कट्टा जमीन जो मौजा दीघा, थाना, दीघा, जिला पटना, में स्थित है और जो वसिना सं. 1-15502 दिनांक 31-10-85 में पूरी तरह वर्णित है तथा जिसका निबन्धन सब-रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार आफ एसोसिएन्स, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सभम पदाधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख, 12-6-86

मोहर :

प्रकाश भारती पत्र एवं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकर (विरोक्ति)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 12 जून, 1986

निदेश सं० 3-1302/अर्जन/86-87—असः मुझे दुर्गा प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन विभिन्न प्राधिकारी को यह विवाद करने का
आवश्यक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सौजीसं० 5174 खाता सं० 724, प्लाट सं०
2667, धारा सं० 1 है, तथा जो मौजा, दोघा, धाना दीघा, जिला
पटना में स्थित है (प्रौढ़ हमें उपब्रह्म अनुसुची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी, धिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-10-85

को उपब्रह्म सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाद करने का कारण है कि विवादित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल के
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
बंलार्टी (बंलार्टीयों) के बीच के ऐसे उल्लंघन के लिए उस
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अधिकार में कमी फैलने या उल्लंघन के अन्तरक
जैसा कि और/एवं

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के
प्रयोगनार्थ अन्तरित इकारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, विवाद में वर्णित
के लिए।

असः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
ते, भै, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपाधारा (1)
हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रणजीत प्रसाद सिंह सम्मुख हरिहरारायण सिंह, दीघा
घाट, धाना दीघा, जिला पटना

(अन्तरक)

(2) ज्ञान प्रसाद महाराजी गृह विमान प्रसिद्धि लि० कंकड़
बाग पटना द्वारा श्री राजेश कुमार ज्ञा, सचिव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्तन के नियं
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के वर्तन के संबंध में कोइ भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, तो वे
व्यक्ति बाइं दोनों समाप्त होती हैं, तो भीतर पूर्वोक्त
द्वितीयों दोनों में विश्वी व्यक्ति होता है।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि
कियी अन्य अधिकृत व्यक्ति व्याप्रस्ताशरी के पास
पालन में किया जा सकते।

व्यक्तिवरण :——इसमें प्रद्युमन शब्दों बारे पदों का, को उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8 कट्ठा जमीन जो मौजा दीघा, धाना, दोघा, जिला पटना में
स्थित है और जो विसिका सं० 1-15510 दिनांक 31-10-85
में पूरी तरह वर्णित है तथा जिसका निबन्ध भव-रजिस्ट्रार,
रजिस्ट्रार आफाएसोरेन्स कलकत्ता द्वारा अमन्त्र हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
ग्राम पदाधिकारी
सहायक आयकर अधिकारी (विरोक्ति)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 12-6-86

माझे :

राज्य वार्ता दौ. इन. एव.

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 अ 43) की
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

नारत उत्तराखण्ड

बालकर, बहुवक बालकर आवृत्त (निरोक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेशक मं० 3-1303/अर्जन/86-87—अतः मुक्ते दुर्गा
प्रसाद

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 अ 43) (प्रथे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन संशय प्राप्तिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बालकर रुप 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० तोजी मं० 5174 खाना सं० 924, घाट मं० 2667 थाना सं० 1 है तथा जो मौजा दोधा, थाना दोधा, जिला में स्थित है (और इसमें उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-11-85

को पूर्वोक्त संविधान के उचित बालकर रुप से करने की उत्तराखण्ड प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह यह विवास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बालकर रुप, उसके उपर्याप्त प्रतिफल से, ऐसे उत्तराखण्ड प्रतिफल का उद्धारण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उत्तराखण्ड विधा या विधायक सभा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तराखण्ड से उक्त उत्तराखण्ड संविधान में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हुई किसी वार की, उत्तराखण्ड अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावोंका जो करने वा उत्तराखण्ड में तृष्णा के लिए; और/वा

(ए) हेतु किसी वार या किसी भव या अन्य वास्तविकों को विनहे भारतीय बालकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भगवान अधिनियम, 1957 (1957 अ 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण में, गैर, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उक्त ए—

(1) श्रो रणजोत प्रमाद गिर्ह, सुपुत्र स्व० हरिनारायण मिह, दीधा धाट, थाना दीधा, जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण भविति लि० ककड़ बाग पटना द्वारा श्री राजेश कुमार ज्ञा, सचिव। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशालाएँ शुरू करला है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांडे वी वालों ए—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक दाव में संकाय इतरी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों वे किसी व्यक्ति के द्वारा

(ब) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संचित ने हितदृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधारे वधारे अधिकारी के पात्र विवित में किए थे तरफे।

लक्षणावलम्बन :—इसने प्रयुक्त वाचों और वारों का, जो उत्तराखण्ड अधिनियम, वे वधार 20-ए में परिभाषित हैं, पहीं अन्य होणा जो उत्तराखण्ड में स्थित था है।

अनुसूची

13 कट्ठा जमीन जो मौजा दोधा, थाना दोधा, जिला पटना में स्थित है और जो विनांक 1-15508 दिनांक 31-10-85 में पूरा तरह स्थित है तथा जिसका निवन्धन मब-रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार आफ एसेरेल्स, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 12-6-86
मोर्त्र :

संसद वाहन, दौड़ी पर्स, इष्ट. -----

(1) श्री रणजीत प्रसाद रिंग, सुप्रब्रह्म हरिनारायण सिंह,
दीपा घाट, थाना दीघा, जिला पटना

(अन्तरका)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत भ्रमण

कार्यालय, सहायक बायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेज, बिहार

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेशक सं० IJI 1304/श्रज्ञन/86-87—अतः मुझे दुर्गा

प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सूचना पर्याप्त हो जूँ, यह खिलाफ करने का कारण
है कि स्थावर व्यापारिन, जिसका विषय डाकार यात्रा
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नीजी सं० 5174 खाता सं० 924, घाट सं०
2667, थाना सं० 1 है, तथा जो मौज, दीघा, थाना, दीघा, जिला
पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-10-85

यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार
व्यवस्था से, इसके व्यवहार प्रतिक्रिया का पूछ प्रतिक्रिया से जापित
है और बन्तरक (बंतरकों) और बन्तरिती (बन्तरितीयों) के बीच
इसके बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उपलब्ध से उक्त बन्तरण निवेदन में वालतविक्र भर से कठित
गई किया गया है :—

(ए) बन्तरण से हूँ जिसी बाब की बाबत, उक्त
व्यविधिव के अधीन कर देने के बन्तरक और
बन्तरिय में कठी करने वा उससे बन्तरे में सूचित
में लिए; और/वा

(इ) ऐसी किसी आय या किसी भव या जन्म बासिताओं
को, जिसे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधिनायक व्यापारियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाय जाहिए वा, छिपाने में विविध
में लिए;

अनुसूची

कट्ठा जमीन जो मौज, दीघा, थाना दीघा, जिला पटना में
स्थित है और जो वसिका सं० J-15503 दिनांक 31-10-85 में
पुरी तरह वर्णित है तथा जिसका निवेदन गव-रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार
आफएमोरेन्सज, कलकत्ता द्वारा सम्प्रभुता है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक बायकर आयकर (निरीक्षण)
श्रज्ञन परिक्षेत्र बिहार,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 260-व की सफारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अनुसूची, वर्णन :—

13-136 GI/86

तारीख 12-6-84

मोहर :

प्रकाश आहू. टी. एन. एम. —————

(1) रणजीत सिंह मौजा दीधा, याना दीधा थाट, उत्तर प्रदेश (ग्रन्थालय)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
पारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रांतिकारी व्यापक आयकर कानून (नियमित)
अर्जन परिषेव, बिहार

पटना, दिनांक 12 जून, 1986

निवेशक सं. III-1305/अर्जन/86-87—आत: मुझे दुर्गा
प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन साधारण प्राधिकारी को यह विद्यास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 2665 खाता सं. 989 तीव्री सं. 5174, याना नं. 1 है, तथा जो दीधा, पटना में स्थित है (अतः
इससे उपलब्ध छन् सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बालन ता में रजिस्ट्रीड अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-85

मेरे पर्यावरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यायान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विवाद
करने का कारण है कि यथापर्यावरण सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यायान प्रतिफल मेरे अन्तरित प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अंतरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पारा
माम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निम्नित
वा वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वादत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे अच्छे में संविधा
के लिए; और/या

(ख) एंटी किसी बाय या किसी भूत या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के शयोजनार्थ
अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लियाने में अविकल के लिए;

वह अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ए के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपलब्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों, आर्थिक १—

(2) मैं० कपूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण निकाल नं.
13. प्रमाण प्रदान जी० विद्यालय कीलनी पटना-२०
द्वारा श्री राजेश कुमार जा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वास्तेप :—

(क) इस सूचना ले एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विद्युदधृ
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
निकाल में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठोक्तरण:—इसमें पूर्वोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मान्यता

13 कट्ठा/जमीन जो मौजा दीधा, जिला पटना में स्थित है
और पूर्ण रूप से वसीका संख्या 1-15507 दिनांक 31-10-85
में वर्णित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार शाफ एसोरेन्स,
कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयकर (नियमित)
अर्जन परिषेव, बिहार, पटना

तारीख 12-6-86

मोहर :

श्रेष्ठ. भाइ. टौ. एन. एस. - - - - -

(1) श्री रणजीत सिंह मौजा दीधा, थाना दीधा भाट, पटना।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मैं नं. नं. चन्द्र सहवारी गृह निर्माण समिति निं. 13, एम० आई० जी० काकड़बाग कालनी पटना-20 द्वारा श्री राजेश कुमार सा।

(अन्तरिती)

भारत भृत्याल

आयकर सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेशक सं. III-1306/अर्जन/86-87-अन्तरक: मुझे दुर्गा

प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष (1) के अधीन गक्षम प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एकांश सं. 2665 खाता सं. 989 तौज सं. 5174, थाना सं. 1 है तथा जो दीधा पटना में स्थित है (ओर इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कायलिंग कलकत्ता में रजिस्ट्री-रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में दुर्बिल के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय छाना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकर्त्ता विस्तीर्ण व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकते।

पूछीकरण — इससंग युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होते हैं जो उम्मीद अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 कट्टा अमीन जो माजा दीधा जिला पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से वर्णित वसीया संख्या I-15509 दिनांक 31-10-85 में वर्णित है और जिसका निवन्धन रजिस्ट्रार आफ एसोरेंसेज कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
नहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 12-६-86

मोहर

इ. दब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की व्यापार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्त्ता,

प्रस्तुप बाई० टौ० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यवसाय, व्यापक आयकर व्यापक (भिन्नाभिन्न)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० III-1307/अर्जन/86-87--अतः मुक्त, दुर्गा
प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
मैंके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का
तारण है कि संधारित सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 2694 खाता सं० 924 तौजी सं०
5600 थाना मं० 1 है, तथा जो दीधा, पटना में स्थित है (और इसमें
उपांबुद्ध अन्तर्मूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय क्लबना में रजिस्ट्री अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 31-10-1985

8.—अवृक्ष समाइति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मैंके यह विश्वास
करने का तारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
पत्तनिती (पत्तनितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
प्रांतीकृत रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी वाय या इक्ती धन या अन्य गाँस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, द्वा अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वा
प्रयोगनार्थ बनायी द्वारा प्रकट नहीं किया जाए
वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में तृष्णा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तराम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

(1) श्री रणजीत पिंड मौजा दीधा, थाना दीधा घाट, पटना
(अन्तरक)

(2) मैं० लंदूर चन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति 12
एम० आई० जी० इकड़बाग कालनी पटना-20
द्वारा श्री राजेश कुमार जी।

(अन्तरित।)

काँ यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के उक्त
कार्यालयोंहो करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काँ० भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वी अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूलना की जामान स 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, कही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया
है।

बन्धुसंघ

22.2 डिसम्बर जमीन जो मौजा दीधा, निला पटना में
स्थित है और पूर्ण रूप से वसीका संख्या I-14820 दिनांक
31-10-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन रजिस्ट्रार शाफ
एसोरेन्स, कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दर्गा प्रसाद
संधाम प्राविकारी
महायका आयकर आयकृत (निर्वाक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 12-6-86

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री रणजीत सिंह मौजा दीधा थाना दीधा थाट पटना।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

(2) मैं कपूर घन्द्र सहकारी गृह निर्माण समिति लि.० 13 एम० आई० जी० ककड़ बाग कालनी पटना-20 द्वारा श्री राजेश कुमार क्षा।

(अन्तरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निंदेश सं० III, 1308/अर्जन/—अतः मुझे दुर्गा प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 2687 थाना मं० 1842 तौंजी मं० 5600 थाना नं० 1 है तथा जो दीधा पटना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नरः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवितर्याँ, अधित् ५—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्त्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

31 डिसम्बर जमीन जो मांजा दीधा जिला पटना में स्थित है। और पूर्ण रूप से दसोंका संख्या I-15512 अन्तर्गत 30-10-85 में वर्णित है और जिसका निवंधन रजिस्ट्रार आफ एसीरन्सेज कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
ग्राम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

दिनांक 12-6-1986
मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की भारा 269 व (1) के वधीन सूचना

विषय लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० -1309/अर्जन/-आत: मुझे

दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के वधीन सभी साक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 2694 व्याता सं० 924 तौंजी सं०
5600 थाना सं० 1 है तथा जो दीधा पटना में स्थित है।
(और इसमें उपाबृंह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 31-10-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके अवधान प्रतिफल से ऐसे अवधान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपुदेश से उक्त अन्तरण लिखित
है वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ॥

(१) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत, उक्त
अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक वा
वायित्व में कभी करने या उससे एक वा व्यवसा
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हे भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
बनाउती हवाया प्रकट नहीं किया गया या या किया
गया चाहीए वा, किसाने वा सौचित्रण की मिए;

वरु वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के वधीन, निम्नलिखित अधिकारी, लिखतः ॥

(१) रणजीत निहौ मौजा दीधा थाना दीधा घाट पटना।
(अन्तरिती)

(२) मै० नूपुर बन्द्र नहौरी गृह निर्माण समिति लि०
१३ एम० आई० जी० कंकड़ बाग कालोनी
पटना-२० द्वारा श्री राजेश कुमार जा।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाल्यों का दृष्टा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन की बायिध या तस्वीरी अधिकारी वह
सूचना को तामील से 30 दिन की बायिध, जो भी
बायिध बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी भी से एकली व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
शुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा देंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम द्वे अध्याय २०-के में परिभ्राष्ट हैं,
वहाँ अर्थ होता, जो उस प्रधाय में दिया गया
है।

अनुसूची

22.२ लट्टा/डिसम्बर जनीन जो मौजा दीधा जिला
पटना में स्थित है। और पूर्ण रूप से विकास संख्या I-
14819 दिनांक 31-10-1985 में वर्णित है और जिसका
निबंधन रजिस्ट्रा आफ एसोरेंसेज कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
गक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

दिनांक: 12-6-1986

मोहरः

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —

(1) ग्रामीण प्रवासि विह पुत्र स्वरूप हरिश्चारायण सिंह दीघा घाट थाना दीघा जिला पटना।
(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महागक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज पटना

पटना दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं. III-1310/अर्जन/86-87/-अतः मुझे
दुर्गा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नौजी सं. 5174 थाना सं. 924
प्लाट सं. 2667 थाना सं. 1 है तथा जो मौजा दीघा
थाना दीघा जिला पटना में स्थित है (और इसे उपायद्व
अनुसूची में ओं पूर्ण रूप से वर्णित है) जिस्ट्रीटरी
अधिकारी के कार्यालय दलालना में रजिस्ट्रीटरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-
1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का
मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तथा
पावा गया अंतिफल निम्नलिखित उल्लेख में उक्त अस्तरण
सिद्धित में नास्तिक रूप से किया जाएगा किंवदा नहीं किया जाएगा है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापसी, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविभाव के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
ने अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितों पर
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेहस्ताकरी के पास
लिखित भै किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें अपेहत शब्दों लौर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हुएंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्द्रह

कट्ठा जमीन जो मौजा दीघा थाना दीघा जिला पटना
में स्थित है। और वसिका सं. दिनांक 31-10-1985
में पूरी तरह वर्णित है तथा जिसका निबन्धन सब रजिस्ट्रार
रजिस्ट्रार आफ एसोरेजेज कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

दिनांक 12-6-1986

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

वारत उत्तराखण्ड

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज पटना

पटना दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० III/131/अर्जन 86-87—अतः मुझे,
दुर्गा प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकन प्रतीक्षारी को वह विस्तार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तार उत्तराखण्ड बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० धारा सं० 1 तौंजी मं० 5176 खाता
मं० 1088 प्लाट सं० 2649 है तथा जी मौजा दीघा थाना
दीघा-जिला-पटना में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) गजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
31-10-1985

मैं एवंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अपेक्षा
प्रतीक्षन के लिए अंतरित की गई है और दूसरे यह विस्तार
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल में ऐसे हथमान प्रतिफल का
अल्ला प्रतिकृत ले अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितिकर्ता) के दोष ऐसे अन्तरक के लिए उक्त धारा वा
प्रतिकृत, विस्तारित उत्तराखण्ड है उक्त अंतरक अंतिकृत
में वास्तविक रूप में नामित नहीं किया गया है ।

(ब) अंतरक है दूर्द की भाव वा की वाला, उक्त अंतरक
प्रतिकृत वी अधीन वार देने के अंतरक वी वायित वी
की लक्ष्य वा उक्त अंतरक में सूचित वी लिए;
दूर्द/५।

(ब) ऐसी किसी भाव वा किसी भव वा अन्य वास्तवीकृ
ते के लिए भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अंतरिती बाजार प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया थाना वाली वा, लियाने में दूर्दित
के लिए।

अतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नालिखित अंकितमों अधारत् ।

(1) श्री दीप नानायण राम स्व० सुनुव भूर्ज राम
दीघा दीघा थाना दीघा जिला पटना।
(अन्तरक)

(2) मैं० कृष्ण घन्न सहकारी गृह निर्माण समिति
लिं० केकड़ धाग पटना द्वारा श्री राजेश कुमार
जा संचित।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की जामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अंकितमों गे ले किसी अंकित द्वारा।

(ब) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य अंकित द्वारा, अभेहस्त्राकारी के पास
लिखित वे किए जा सकते हैं।

लक्षणीयता:—इसमें प्रवक्तव्य वस्तु लौट पदों का, जो उक्त
अधिनियम के व्यापार 20-क में प्रतिक्रिया
है, वही वर्त होता हो उक्त व्यापार में विद्या
होता है।

मनुष्यों

10 कट्ठा जमीन जो मौजा दीघा थाना-दीघा जिला-
पटना में स्थित है। और पूर्ण रूप से विभिन्न संस्था; I—
15513 दिनांक 31-10-1985 में वर्णित है और जिसका
निवन्धन रजिस्ट्रार आफ एसोरेन्सेज कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
मक्तम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पटना

दिनांक 12-6-1986
मीहर

प्रकृत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून, 1986

मिर्देश सं० 3/1312/अर्जन/86-87—अन: मुझे दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवाद करने का
कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

श्री जिलामी सं० थाना सं० 1 तौजी सं० 5176 खाता सं० 1089
प्लाट सं० 2651 मीजा दीघा, थाना दीघा, जिला पटना में स्थित
है (श्री व्हामे उपलब्ध अनुसूची में श्री पूर्ण लूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नामांकन
31-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधियान
प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मूले यह विवाद
करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधियान प्रतिफल से ऐसे अधियान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-
रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय दाया यदा
गतिपद्धति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विधियाँ में
गतिपूर्वक कर हैं अधिकत नहीं किया यदा है ।—

(a) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम से बन्तर बन्ते से अन्तरुक क
बन्तरित दो छोटी बन्तें आ बन्तर बन्तर से हुईया
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी बाय द्वारा किसी भर द्वारा अध्य आस्तिरित
को, जिसे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) द्वारा अधिनियम, द्वारा बायकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगवार्ष
बन्तरिती द्वारा बन्तर गहरी किया यदा या या किया
जाना चाहिए था, जिसने भूमिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-136 GI/86

(1) श्री दीप भारतीय नाम भूपुत्र स्व० भूर्ण यम बड़ी
दीघा, थाना, दीघा, जिला पटना।

(अन्तिम)

(2) मै० कृष्ण चन्द्र महाराजा गुरु निमिण सुमिणि नि०
कंकड़ बाग, पटना द्वारा श्रीग जेन्द्र कुमार शा
मचिव

(लाभितों)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के “लए
कार्यवाहियाँ करता है” ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, श्री भी
अधिध बाद भूमिका तोंती हो, के भीतर पूर्णका
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी द्वारा अनु-
तानित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय के दिग्दर
मत है।

अनुसूची

10 कट्ठा जमीन जो मौज, दीघा थाना-दीघा, जिला पटना
में स्थित है और पूर्ण लूप में वर्णित संख्या 1-15515 दिनांक
31-10-85 में वर्णित है श्री जिला निवन्त्रण रजिस्ट्रार अफ
प्रस्तोत्र से कलंकना द्वारा हुआ है।

नामोद 12-6-85

मोहर

दुर्गा प्रसाद
सक्रम पदाधिकारी
नहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन परिक्षेत्र विहार, पटना।

प्रकाश वाइ. टी. एन. एल. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत वारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून, 1986

मिर्देश सं. 3-1313/अर्जन/86-87—आय मुझे दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. धारा सं. 1 तोंडों सं. 5176 खाता सं. 0
1088 प्लाट सं. 2642/2650 है, नथा जो मौजा दीघा,
थाना दीघा, जिला पटना में स्थित है (अंगूष्ठमें उपलब्ध अनु-
सूची में श्रीर पूर्ण रु. में वर्णित है), जिस्ट्री दर्ता अधिकारी के
कार्यालय कलात्मा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन नं. नं. 31-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का
मात्र प्रतिकृत न हो अर्थात् (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरकृत के लिए तथा पाया जाना
प्रतिफल नियमित उद्देश्य से उक्त अंतरकृत मिलित वे
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरथ में हाई कोर्टी वाय की राष्ट्र, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के इन्सरफ के
वायित्व में कमी करने या इन्सरफ में सुधार
के लिए; और/या

(ब) इसी किसी वाय या किसी भूमि या वस्तु वायित्वों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी वाया आयुक्त या, जिसमें में अधिका
र के लिए;

(1) श्री वीष्म भारायण राम सूपुत्र स्व. सुरेण राम बड़ी
दीघा, थाना दीघा, जिला पटना

(अन्तर्गत)

(2) मै. डॉ. इंद्र अन्न नाथ कार्त्ति ग्रह भिमणि नामिति नं.
कांकड़ वाग, पटना द्वारा श्री राजेण युमार ज्ञा,
गचिव

(अन्तर्गतिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
प्राप्तवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आधेष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकल्पों पर
सूचना की लाइन से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि या तत्संबंधी में से किसी अविकल्प द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितवृष्ट
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाल
निवारण में किए जा सकें।

लक्षणकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनसूची

10 ग्राम अधीन जो मौजा दीघा थाना दीघा, जिला पटना
में स्थित है और पूर्ण रु. में वर्णित है वसीका संख्या I-15516
दिनांक 31-10-85 में वर्णित है और जिसका लिबन्धन रजिस्ट्रार
एफएसोर्न्स कलात्मा द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

प्रकाशम प्रदायिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना।

वक्त: वक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)
में अधीन, निम्नलिखित अविकल्पों वक्तव्य :

तारीख 12-6-86
मोहर

प्रृष्ठ ३४१. टी. ए. ए. एल. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून, 1986

निरेश सं० 3-1314/अर्जेन/86-87—अन्तः मुझे दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम आधिकारी जो, यह विवाद करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० थाना सं० 1 ताजा सं० 5176 खाना सं०
1089 घटाट सं० 2651 है, तथा जो मौजा दीघा, थाना दीघा
पटना में स्थित है (ओर इसमें उपलब्ध अनुमुदी में ओर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 31-10-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एक अतिक्रमण का
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आदि की बाबत उक्त प्रतिफल के अधीन कर देने के अंतरक के वायिक्षण में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/या

(ख) एसी किसी आदि या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्रवारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आस्तियों, अधारित :—

(1) श्री दाप नारायण राम सुप्रत स्व० मुरज गम थड़ा
दीघा, थाना-दीघा, जिला-पटना

(अन्तरिक्ष)

(2) मैं नूर चन्द्र महात्मा गृह निर्माण समिति लि०,
कंवड़ बाग, पटना द्वारा श्री राजेश कुमार ज्ञा, सचिव
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन में सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुख संबंधी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

10 कट्टा/डिसम्बर जमीन जो मौजा दीघा, थाना-दी ।,
जिला-पटना में स्थित है ओर पूर्ण रूप से वर्णित है वसोका संख्या
1-15514 दिनांक 31-10-85 में वर्णित है ओर जिसका मित्रन्धन
रजिस्ट्रार आफ एसयोरेंस कलकत्ता द्वारा हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख 12-6-86
मोहर

अध्ययन वाहूँ. दी.एव.एच. -----

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा-269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, बहायक बापकर बाजार (विद्युतीकरण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिसंबर 12 जून, 1986

निदेश सं० 3-1315/अर्जन/86-87—अतः मुझे दुर्गा प्रसाद बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उन्हें अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्रांगिकारी कां यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विद्युतीकरण बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. रु. अंतिक है

और जिम्मेदारी सं० 355 खाता सं० 143, थाना सं० 15, ताजा सं० 80 है, तथा जो माँजा जकरियापुर, थाना आलमगंज, जिला पटना में स्थित है (अग्र इसमें उपलब्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ती कर्ता अधिकारी के गार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रारेण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-10-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्हें बाजार मूल्य से कम के अध्यवान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूले यह विवास कहने का कारण है कि भवापूर्वक संपत्ति का उन्हें बाजार मूल्य, उसके अध्यवान प्रतिफल से ऐसे अध्यवान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तब गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्हें बन्तरुन अधिकारी में वास्तविक रूप से उन्हें लिया जाता है 0—

(३) बन्तरक से हूँ जिसी बाय की बाबत कल्प अधिनियम के अधीन कर दर्ता के बन्तरक के शास्त्रीय भौतिकी कहने वा उन्हें उत्तरे में सुविधा वा विषय; और/या

(४) ऐसी किसी बाय वा किसी भूमि वा अन्य वास्तुओं को, जिस्ती भारतीय बाबू-कुरु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्हें अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रांज-दार्थ बन्तरिती इताए प्रकट वहीं लिया जाता वा मा लिया जाना चाहिए वा जिसमें में सुविधा वा विषय।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तु :—

(1) मैं रेशमी देवी याम छोटी पहाड़ो, थाना आलमगंज डा० बड़ी पहाड़ो, पटना—८

(अन्तरक)

(2) मैं गंगेशदत्त यह नारी गुहा निमिण निमिति लिं० कंचड़बाग पटना-२०, द्वारा श्री अवधि किशोर प्र० सिंह, मचिव

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्बन के लिए कार्यालयी सूच करता है।

उक्त सम्बति के बर्बन के सम्बन्ध में कोइँ भी बाबोप :—

(क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीख व 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीख व 45 दिन के भीतर उत्तर बापकर समरित में हितबृप्त किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पाल निवित में लिए जा गएगें।

लक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो ज्यौ अध्याय में विद्या जाता है।

अनुद्धवी

10 कट्ठा जमीन जो माँजा जकरियापुर थाना आलमगंज जिला पटना में स्थित है श्रीर पूर्ण रूप से वसीका संख्या I-14828/ 85 दिनांक 10-10-85 में बन्तरित है श्रीर जिम्मा निवन्धन सब-रजिस्ट्रार आफ एमोरेन्स कलालसा द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्रांगिकारी
बहायक आयर आयुक्त (निरीक्षी)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

तारीख : 12-6-86

मोहृः

प्रस्तुत वाहू टी.एच.एच.

वाचकर विधिनियम, 1961 (1961 अ 43) द्वी

भारा 269-प (1) के अधीन इच्छा

भरत सरकार

काशीयक वाचकर वायक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 12 जून 1986

निर्देश मं. III-1316/अर्जन/86-87—ग्रत. मुझे दुर्गा प्रसाद

वाचकर विधिनियम, 1961 (1961 अ 43) (विच इसके पश्चात् 'उच्चत विधिनियम' कहा था है), को भारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विवाह के उचित वाचकर मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट सं. 356 खाता सं. 144 तौजी सं. 6692 थाना 15 है तथा जो ग्राम जकरियापुर थाना आलमगंज पटना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कठकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 अक्टूबर 1985।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचकर मूल्य से कम के विवाह प्रतिक्रिया के लिए अनुदारित की जाए है और वह यह विवाह करने का कारण है कि वाचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचकर मूल्य, उसके विवाह प्रतिक्रिया से, एवं उचावाहन अनुदारित वाचापूर्वोक्त से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिय (बंतरियों) के बीच एवं बंतरण के लिए तब जागा जाया प्रतिक्रिया का विवाह से उचित वाचकर विवाह में वास्तविक रूप से कठिन होता किया गया है ॥—

(क) बन्तरण से होते किसी वाच की वाचत, उचाव विधिनियम के अधीन करू दखे के कान्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा होता; और/या

(ख) एसी लिंग लाप्त दो जिसी घन पा अन्य वास्तवियों को, जिन्हे अरबीय वाचकर विधिनियम, 1922 (1922 अ 11) या उच्चत विधिनियम, या अन्कर विधिनियम, 1957 (1957 अ 27) के प्रयोगिता अनुसार उचावा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा हो दिए;

वाच: वाच, उचाव विधिनियम की वाच 269-प के विवाह से, ये, उचाव लैभिनियम की वाच 269-प की उचावात् (1) के अधीन विवाह विधिवाची वाच होते ॥—

(1) श्री रामेश्वर गोप मोहनजा मोहना थाना—खीजकला डा० हाजीगंज जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) मै० गणेशदत्त महकारी गृह निर्माण ममिति लि० कंकडवाग पटना-20 द्वारा श्री अवधि किशोर प्रसाद सिंह मधिव

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हूँ, वे भीतर एकेंजन व्यक्तियों में ही किसी व्यक्तिका द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास निवित मालिक जा सकेंगे।

स्थावरण ५——इसमें प्रदूषक वस्त्रों और पदों का, जो उचाव विधिनियम के अध्याय 20-के में पर्याप्तिक हैं, वही जर्द होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 कठा जमीन जो ग्राम जकरियापुर थाना आलमगंज पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से विभिन्न संख्या—1-14725 दिनांक 10-10-85 में वर्णित है और जिसका निवधन सब रजिस्ट्रार आफ प्रोसेरेंस कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सकाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक: 12-6-1986

मोहर:

प्रकृत वाइ: टी. एन. एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघातिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निवेश सं० III-1317/अर्जन/86-87—अतः मुझे दुर्गा

प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सदृश प्राधिकारी को यह विश्वास लगने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उकित बाजार मूल्य
1,10,000/-रु. से अधिक है

और जिमकी सं० 264 खाता सं० 115 तीजी सं० 33 थाना
सं० 15 है तथा जो मौजा जकरियापुर थाना आलमगंज
पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 10 अक्टूबर 1985।

कां पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से अधिक
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से,
एसे इस्यमान प्रतिफल के एन्हर ह्र प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
अंतरण वह लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया
गया है ॥—

(३) उक्तान्त से इसे किसी बात की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बावजूद से सम्पत्ति
वह किसी छुट्ठे से उक्त सम्पत्ति से दायरा के विषय
की वापसी

अनुसूची

(४) किसी किसी बात का किसी रूप का अन्य आस्तीनों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रशान्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
जा मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में संतुष्टि
से लिह;

(१) श्री जगदीश प्रसाद सुपुत्र श्री राधा प्रसाद ग्राम-
जकारयापुर छोटी पहाड़ी थाना-आलमगंज डा०
बड़ी पहाड़ी पटना-७।

(अन्तरक)

(२) मे० गणेशदत्त सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
कंकड़वाला पटना-२० द्वारा श्री अवध कशोर प्रसाद
सिंह मचिव।

(अन्तरिती)

कां वह सूचना बारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के बर्चन से इसे
कार्यान्वयिता करता है ॥

उक्त सम्पत्ति के बर्चन से सम्पत्ति को ही बाजार ॥—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वांधी अविकृति वर्तमान से
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त
अविकृति में से किसी अविकृत इवाय;

(ख) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताधरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकें।

लघुविवरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधार 20-क में परिचायित
हैं, सही वर्त द्वारा वा उक्त वर्त में दिया
गया है।

7 नृठा जीवा जो मौजा जहानियापुर थाना आलमगंज,
पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से बासका संख्या 1-14726,
दिनांक 10-10-85 में वर्णित है तथा जिसका निर्वाचन सब-
रजस्ट्रार आफ एसोरेंस कलकत्ता द्वारा समन्वय हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज बिहार, पटना

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाव (1)
में, भा० उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाव (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविकृती, वर्तमान ॥—

दिनांक: 12-6-1986

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना दिनांक 12 जून 1986

निर्देश मं० III-1318/अर्जन/86-87—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट मं० 367 खाना मं० 125 तांजी मं० 697 थाना मं० 15 है तथा जो ग्राम जर्मियापुर प्रगता अजीमाबाद थाना—पटना में स्थित है (और इसमें उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नर अधि-कारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 अक्टूबर 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिनियम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इपके अधिनियम प्रतिफल से, ऐसे अधिनियम प्रतिफल का अन्तरित से अधिक है और अन्तराक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरि महतो ग्रा० जर्मियापुर थाना—ग्रामगंगा डॉ वड़ी पहाड़ी पटना-7।

(अन्तरक)

(2) मैं० गणेशदत्त सहकारी गृह निर्माण समिति न०० कंकवृद्वाग पटना-20 द्वारा श्री अवधि विश्वास प्र० सिंह गं.चव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

6 कटंठा अमीन जो ग्राम जर्मियापुर प्रगता अजीमाबाद थाना—पटना में स्थित है और पूर्ण रूप से वर्गिका संख्या 14727 दिनांक 10-10-85 में वर्णित है और जिसका निवांधन रजिस्ट्रार आफ एसोरेंस कलकत्ता द्वारा सम्पाद हुआ है।

दुर्गा प्रसाद

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज विहार पटना

दिनांक : 12-6-1986

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.पस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निर्देश सं. III-1319/अर्जन/86-87—अस्त: भुजे. दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (‘विसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा
269-ए के अधीन सभीम प्राधिकारी को मह विवाद करने का
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लाट सं. 1674 खाता सं. 444 तीजी सं. 229 न्यू 15670 थाना 14 है तथा जो ग्राम-पहाड़ी प्रगता
अजीमावाद पटना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 10 अक्टूबर 1985।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई कोर्टी बाब की बाबत उक्त
अधिनियम के दुषीर कर दिए वे अन्तरक वे
वास्तविक में करने वा उक्त उक्त उक्त सूचिया
के मिए; और/या

(ख) एडी रिक्टी बाब या किसी भी वा वन्द वास्तविक
को, विन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922
प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
वे प्रयोगनार्थ अस्तित्वी द्वाय प्रकार उहाँ किया
पाया वा या किया थाना आदि वा जिसमें वे सूचिया
हैं लिए।

अनु: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुलाब राय 2. श्री बलिराम ग्राम-दलाहौदारा
थाना-फुलवाड़ी डा० बरिया पटना-7।

(अन्तरक)

(2) मै० गणेशदत्त सहकारी गृह निर्माण समिति, निर्मा०
कंकड़बाग पटना-20 द्वाग श्री अवधि किशोर प्र०
मिह।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के दबंध वे कोई भी वालोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि काढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकरी के पास
लिखित होने किए जा सकेंगे।

स्पष्टज्ञेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

10 कट्ठा जमीन जो ग्राम पहाड़ी प्रगता अजीमावाद
थाना में स्थित है और पूर्ण रूप से विकासान्वया 1-14729
दिनांक 10-10-85 में वर्णित है और जिन्हा निवासन स्व-
रजिस्ट्रार आफ एसोरेंस कलकत्ता द्वाग हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बिहार, पटना

दिनांक: 12-6-1986

मोहर :

प्रकृष्ट बाह्य टी.एन.एस.-----

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269-ग (1) के अधीन संप्रभा**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश मं० III-1320/अर्जन/85-86—अतः मुझे,
दुर्गा प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1674 खाता सं० 144 तो जी सं०
229 न्यू 15870 थाना सं० 14 ग्राम पहाड़ी प्रगता-अजीमाबाद
पटना में स्थित है (और इसमें उपबाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10-10-85

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम हो अवश्यन
प्रतिफल के निए अन्तरीक छोड़ है और यह विश्वास करने
कारण है कि बायाएवेक्षण कम्पनी का उचित बाजार
मूल्य, जसके बायाएवेक्षण प्रतिफल है, एवेक्षण प्रतिफल का पूर्ण
प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के लिए एवेक्षण प्रतिफल के लिए तथा याता नया प्रति-
कल निम्नलिखित लद्दाक्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
ुपक रूप में कौशिक नहीं किया गया है—

(३) अनु० ६ हूँ किसी गाय की बाबत, उक्त
बायाएवेक्षण के अधीन कर दर्ते के बल्लरक वै
दायित्व में कमी करते का उक्त संबन्ध में सुविभा
गे निए; बाह्य/वा

अनुसूची

(४) ऐसी किसी गाय या किसी भूँ या बन्ध डॉल्टमों
को, जिन्हें अनु० ११-१२ अधिनियम, 1922
(1922 का 11) .. उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
मन्त्रालयी द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए वा उपरान्त में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् -----

15—136 GI/86

(1) श्री गुलाब राय एंड अदर्स ग्राम-इलाहाबाद थाना
फूलवारी डा० बरिया पटना-7

(अन्तरक)

(2) मै० गणेशदत्त भहकारी गृह निर्माण समिति लि०
कंकड़बाग पटना-20 ढारा श्री अवध किशोर प्रा०
मिह सचिव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(३) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि वा तत्त्वांभी अविकल्पों पर
इसका की लागत है 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले वाले होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविकल्पों वाले से किती अविकल्प छारा;

(४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन वाले भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकाल
किसी अवधि अविकल्प छारा अवधिकरणी के वाले
अविकल्प में किए जा सकते।

अवधीकरण:—इसमें प्रबूक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

इस कठोर जमीन जो ग्राम पहाड़ी प्रगता-अजीमाबाद पटना
में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वसीका संख्या 1-14731 दिनांक
10-10-85 में वर्णित है और जिसका निवन्धन मव-रजिस्ट्रार
ग्राम-एसोसिएन्स कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र विहार पटना

तारीख: 12-6-86
मोहर

प्रकृष्ट शाई. डी. एट. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(1) श्री प्रभुलाल मालेजी चौहान मुमुक्षु स्व० एम० जी०
चौहान एवं अन्य पांच कतरास रोड धनबाद
(अंतरक)

(2) मै० करमचन्द थापर एंड ब्रदर्स (कील सेहन्स) (लि०)
रजिस्टर्ड कार्यालय थापर हाउस ब्रेवान रोड कलकत्ता
(अन्तरिती)

ताउड बहुमत

सार्वजनिक, सहायक आयकर बायकर बायकर (पिटोप्पल)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

पटना, दिनांक 12 जून 1986

निदेश सं० 3/321/अर्जन/85-86—अतः मुक्तुर्मा प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
उत्तरात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा
269-ग के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हुईलिङ्ग सं० 269 वार्ड नं० 15 हिस्सा प्लाट
2873, 2874 306 और 307 है तथा जो कतरास रोड धनबाद
में स्थित है (ओ० इससे उपनिधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय धनबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-7-85
के पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

का० यह सूचना आरौ बस्ते पूर्वीकृत सम्पत्ति ने वर्ष के लिए
कार्यालयों करता है।

इस सम्पत्ति के वर्ष के पूर्वी में कोई भी वापर:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वर्ष में बदलत है तो, के बीतर पूर्वीकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्थावर में परिवर्तन में हितवृष्टि
किसी वर्ष व्यक्ति द्वारा बोहोहस्ताक्षरी के पास
लिखित द्वे किए जा वाले;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों वार वर्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में वरिज्ञायित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में लिखा
जाया है।

(क) बनवरम से हुए किसी वाय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बनवरक के
कार्यालय में कमी करने पा नक्से दर्शने में सुनिश्चि-
त हो लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी अन वा अन्य अस्तियों
को विनहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्र० ४३-
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदृष्ट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, प्रमुख ये सुनिश्चि-
त हो लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

10700 वर्ग फीट जमीन मय मकान के जो कतरास रोड
धनबाद में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वर्णित संख्या 10524 दिनांक
दिनांक 30-10-85 में वर्णित है और जिसका निष्पत्ति जिला
श्रवर निवन्धक धनबाद द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम पदाधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)
अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख: 12-6-86

मोहर

प्रध्य लाइंस. ही. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
प्रज्ञन परिक्रेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 13 जून 1986

निवेदा सं. 3-1322/प्रज्ञन/86-87—प्रत: मुझे दुर्गा
प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. हुलिङ्ग 2303/925 और 2304/926
वार्ड नं. 11 संकिल नं. 8-ए कंकड़बाग पटना-20 में स्थित
है (और इसे उगावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-10-85
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पौर्ण ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी भन वा अन्य आंतरिकों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

बात: यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती भागवन्त कौर पत्नी म द्वारा अमरीक निः
द्वारा सरदार अमरीक निः (पाव आफ अटा नी
सं. 2239 दिनांक 30-9-85) पटना टावर
हाउस बिंकिला न्यू डाक बंगा रोड पटना-1
2. सरदार गुण्डीप निः सुपुत्र सरदार मोहन्दर निः
न्यू डाक बंगला रोड पटना-1

(अन्तरक)

- (2) 1. कृष्ण मुरारी पांडेय सुपुत्र स्व० बागेश्वरी पांडेय
2. रवीन्द्र कुमार पांडेय 3. जितेन्द्र कुमार पांडेय
दोनों सुपुत्र कृष्ण मुरारी पांडेय 4. श्रीमती
राम दुनारी देवी पत्नी स्व० कृष्ण मुरारी पांडेय
5. श्री मती लक्ष्मी पांडेय स्व० रवीन्द्र कुमार पांडेय
6. मास्टर विजात कुमार पांडेय द्वारा माँ और
श्रीमती लक्ष्मी पांडेय सभी निवासी फुकरो ढा०
बाजार गिरीछिह

(अन्तरिती)

कां यह सूचना बारी कर्वे पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में क्यों भी कार्रवाय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
व्यक्ति के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
किसी अवधि में किए जा सकें।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास
किसी अवधि में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-व में पौराभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दृग्दृष्टि

7 कट्ठा 10 धुर जमीन मय मरान के जो कंकड़बाग, पटना
20 में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वर्णित है वसीर संख्या 7237
दिनांक 17-10-85 में वर्णित है और जिसका निबन्धन जिना अवर
निवन्धक पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी)
प्रज्ञन परिक्रेत्र बिहार, पटना

तारीख : 13-6-86

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th May 1986

No. A-32013/3/83(iii)-Admn.I.—Consequent upon their reversion from deputation posts of Special Assistant in the office of Union Public Service Commission, S/Shri P. P. Sikka and T. R. Sharma assumed charge of the posts of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 11th August, 1985.

The 30th May 1986

No. A-12023/1/86-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. I. Panduranga Rao, Director (O.L.) (Central Secretariat Official Language Service) in the office of the Union Public Service Commission, to the ex-cadre post of Director (Language Medium) in the pay scale of Rs. 2250-125/2-2500 in the Commission's office on an ad-hoc basis for a period of six months w.e.f. 26-5-1986 to 25-11-1986 or until further orders, whichever is earlier.

2. The appointment of Dr. I. P. Rao as Director (LM) will be on deputation basis and will be regulated in terms of Ministry of Finance, Deptt. of Exp. O.M. No. F.1(11)-E.III(B)/75 dated 7-11-1975.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG., ADMN. REFORMS
PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

(DEPTT. OF PERSONNEL & TRG.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 16th June 1986

No. A-19035/1/78-AD.V.—Shri Jagat Singh, relinquished the charge of the post of Office Superintendent/C.I.F.S.L., CBI, New Delhi with effect from the afternoon of 30th April, 1986, on superannuation.

No. A-19020/2/83-AD.V.—The services of Shri S. K. Awasthi, IPS (UP-1974) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, S.I.C. Branch are placed at the disposal of Govt. of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 30th April, 1986, on repatriation.

No. 13/2/86-AD.V.—Director CBI & Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Ram Saran Sethi as Office Superintendent in CBI on promotion on regular basis with effect from 1st May, 1986, until further orders.

No. 3/23/86-AD.V.—Shri Hans Raj Bulbul, Crime Assistant/CBI is appointed to officiate as Office Superintendent on purely ad-hoc basis until further orders with effect from the forenoon of 27-5-1986 in the leave vacancies of S/Shri S. K. Sharma, OS/Central Zone and D. Mukherjee, OS/Zone-I proceeded/proceeding on leave.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
INSTITUTE OF CRIMINOLOGY AND FORENSIC SCIENCE

New Delhi-110055, the 11th June 1986

No. 1/11/76-ICFS.—On attaining the age of superannuation, Shri S. K. Sharma, Assistant Director (Document), Institute of Criminology & Forensic Science (MHA), New Delhi has retired from his post on the afternoon of the 31st May, 1986 and transferred to the pension establishment.

No. 1/11/76-ICFS.—On attaining the age of superannuation Dr. P. C. Maiti, Additional Director, Institute of Criminology and Forensic Science (M.H.A.), New Delhi has

retired from his post on the afternoon of the 31st May 1986 and transferred to the pension establishment.

R. S. KULKARNI
Director

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110 011, the 13th June 1986

No. F-10/7/86-Ad.I.—On the recommendation of the Appointments Committee of the Cabinet, the President is pleased to appoint Shri V. P. Pandey, CSS, presently serving as Joint Registrar General, India, in the Office of the Registrar General, India, under the Ministry of Home Affairs, as Joint Secretary in his present post, on personal basis, in the scale of pay of Rs. 2500-2750, with effect from the forenoon of 13th June, 1986, until further orders.

His Headquarters will be at New Delhi.

V. S. VERMA
Registrar General

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
I, BIHAR

Patna, the 6th June 1986

No. Admn.I(Au-I)-20-5/292.—The Accountant General (Audit) I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Section officers to officiate, until further order, as Asstt. Audit Officer (Gr. B) Gazetted in the scale of 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 30-5-86 (FN) or from the date of their taking over charge whichever is later.

Sl. No.	Names
1.	S/Shri
1.	Sia Raghbir Saran.
2.	Surendra Prasad Singh No. I.
3.	Ranchor Prasad Verma.
4.	Kunj Behari Prasad.
5.	Md. Manzar Maswood.
6.	Krishna Mohan Prasad.
7.	Lal Mohan Prasad Verma.
8.	Rabindra Nath Moitra.
9.	M. G. Mobiuddin.
10.	Chandreshwar Prasad Singh No. II.

J. CHATTERJEE
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E)
KERALA

Trivandrum-39, the 28th May 1986

No. Estt/A/V/9-86 Vol III/59.—The Accountant General (A&E) Kerala is pleased to appoint the undermentioned section officers to officiate as Accounts Officers with effect from the date shown against each until further orders :—

1. Shri M. R. Chandrasekharan Nair—16-5-86.
2. Shri P. Balakumaraswamy Pillai—19-5-86.
3. Shri Mathew Varghese—19-5-86.
4. Smt. C. V. Padminikutty Amma—19-5-86.
5. Shri T. N. Sankaran Nair—19-5-86.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Hon'ble High court of Kerala in O.P. No. 75084K.

S. B. PILLAY
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),
WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 10th June 1986

No. Admn.I/1038-XXI/319.—The Accountant General (A&E), West Bengal has been pleased to grant Shri Ashis

Kumar Choudhury II, Permanent Section Officers on deputation to Home (PAR) Department of the Government of West Bengal, proforma promotion on ad-hoc and provisional basis in the scale of Rs. 840—1200/- in temporary and officiating capacity w.e.f. 7-3-86 (A.N.) viz. the date on which his immediate junior Shri Debabrata Bose takes over charge as Accounts Officer in this office and until further orders. All the conditions preceding to the grant of promotion under the "Next Below Rule" stand fulfilled in this case and the A.G. (A&E), West Bengal has been pleased to declare the post held by Shri Choudhury on deputation, to be outside the ordinary line of service under the second proviso to FR 30(1).

It should be clearly understood that the aforesaid promotions in the cadre of Accounts Officer is purely provisional during pendency of the rule in the Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under CR Case No. 14818(W) of 1979.

The newly promoted Accounts Officer will have to exercise option within one month. On his promotion his pay shall be first fixed under FR 22C and in case he exercises option in terms of para 2(b) of OM dated 26-9-81 within the prescribed period of one month, his pay should be first fixed under FR 22(a)(i) w.e.f. the date of his promotion and then under

FR 22(c) only w.c.f. the date of next increment in the feeder post.

This order has been issued in partial modification of this office letter no. Admn.I/1038-XXI/3363 dated 10-3-86.

D. MISRA
Senior Deputy Accountant General
(Administration)
West Bengal

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT I),
WEST BENGAL**

Calcutta-700 001, the 12th June 1986

No. Admn.III/RC/281/II/58.—Accountant General (Audit) I, West Bengal has been pleased to appoint the Section Officers (Audit) as per enclosed list to officiate in the post of Assistant Audit Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040/- with effect from 1st November 1985 or from the date of taking over charge whichever is later, until further orders.

2. This is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Calcutta High Court.

S. K. MISHRA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal

**LIST OF SECTION OFFICERS APPOINTED ON PROMOTION TO THE POSTS OF ASSISTANT AUDIT
OFFICERS**

Sl. No'	Name	Appointment order No. & date	Date of taking over charge,
S/Shri			
1.	Baidyanath Dhali	Admn.I/RC/281/1 dt 1-11-85	1-11-85
2.	Amarendra Nath Chaudhury	Do. 2 Do.	Do.
3.	Kanu Lal Ghatak	Do. 3 Do.	Do.
4.	Rathindra Lal Ray	Do. 4 Do.	Do.
5.	Somesh Sen	Do. 5 Do.	Do.
6.	Kangali Charan Ghosh	Do. 6 Do.	Do.
7.	Bhabani Prosad Banerjee	Do. 7 Do.	Do.
8.	Ranjit Kumar Bhownick	Do. 8 Do.	Do.
9.	Chita Ranjan Das-II	Do. 9 Do.	Do.
10.	Nepal Chandra Kanji Lal	Do. 10 Do.	Do.
11.	Satyendra Nath Banerjee II	Do. 11 Do.	Do.
12.	Ranjit Kumar Datta	Do. 12 Do.	Do.
13.	Samarendra Nath Mitra	Do. 13 Do.	Do.
14.	Subhas Chandra Mukherjee	Do. 14 Do.	Do.
15.	Ashoke Kumar Basu	Do. 15 Do.	Do.
16.	Sadhan Priya Ghosh	Do. 16 Do.	Do.
17.	Bikash Chandra Sen	Do. 17 Do.	Do.
18.	Hrishikesh Chowdhury	Do. 18 Do.	Do.
19.	Ashis Kumar Chaudhuri (I)	Do. 19 Do.	Do.
20.	Satchidananda Hari Mitra	Do. 20 Do.	Do.
21.	Sukhendu Bikash Dey	Do. 21 Do.	Do.
22.	Bimalendu Bhattacharya-II	Do. 22 Do.	Do.
23.	Parimal Kumar Das Gupta	Do. 23 Do.	Do.
24.	Pankaj Kumar Chowdhury	Do. 24 Do.	Do.

Sl. No.	Name		Appointment order No. & Date	Date of taking over charge
S/Shri				
25.	Saral Kanti Sen	.	Admn. I/RC/281/ 25	dt. 1-11-85
26.	Asit Kumar Bose	.	Do. 26	Do.
27.	Swaraj Kr. Banerjee	.	Do. 27	Do.
28.	Kalyan Kar Gupta	.	Do. 28	Do.
29.	Arup Kr. Roy	.	Do. 29	Do.
30.	Baidyanath Chatterjee	.	Do. 30	Do.
31.	Samit Kr. Bose	.	Do. 31	Do.
32.	Sitangsu Kr. Ghosh	.	Do. 32	Do.
33.	Dilip Kr. Das Gupta	.	Do. 33	Do.
34.	Tapan Kr. Das	.	Do. 34	Do.
35.	Asit Ranjan Sarkar	.	Do. 35	Do.
36.	Manik Lal Kundu	.	Do. 36	Do.
37.	Kamalesh Nandi	.	Do. 37	Do.
38.	Bibhuti Bhushan Sen	.	Do. 38	Do.
39.	Biswanath Sen Gupta	.	Do. 39	Do.
40.	Biswajit Mukherjee	.	Do. 40	Do.
41.	Amar Nath Chakraborty	.	Do. 41	Do.
42.	Prasun Kr. Mitra	.	Do. 42	Do.
43.	Madhusudan Bhattacharyya	.	Do. 43	Do.
44.	Abani Mohan Ganguly	.	Do. 44	Do.
45.	Baidy Nath Mukherjee	.	Do. 45	Do.
46.	Dipak Chandra Mazumder	.	Do. 46	Do.
47.	Siba Kr. Nyogi	.	Do. 47	Do.
48.	Samir Kr. Roy-I	.	Do. 48	Do.
49.	Ashoke Kr. Mitra	.	Do. 49	Do.
50.	Sachindra Nath Sarma	.	Do. 50	Do.
51.	Kanai Lal Chatterjee	.	Do. 51	Do.
52.	Molay Kr. Banerjee	.	Do. 52	Do.
53.	Amulya Ratan Singha	.	Do. 53	Do.
54.	Dhirendra Nath Banerjee II	.	Do. 54	Do.
55.	Bimal Chandra Chakraborty	.	Do. 55	Do.
56.	Dipendra Kr. Bose	.	Do. 56	Do.
57.	Tapan Kr. Bhowmik	.	Do. 57	Do.
58.	Ratan Kr. Das	.	Do. 58	Do.
59.	Prasanta Kr. Bhowmik	.	Do. 59	Do.
60.	Indu Bhushan Chakraborty	.	Do. 60	Do.
61.	Amar Nath Paul	.	Do. 61	Do.
62.	Moni Bhushan Chakraborty	.	Do. 62	Do.
63.	Mihir Sen Gupta	.	Do. 63	Do.
64.	Debabrata Kr. Dey	.	Do. 64	Do.
65.	Sushil Roy, Paul	.	Do. 65	Do.
66.	Purna Chandra Dhar	.	Do. 66	Do.
67.	Indra Narayan Mishra	.	Do. 67	Do.
68.	Ramendra Nath Bose	.	Do. 68	Do.
69.	Chittaranjan Chowdhury	.	Do. 69	Do.
70.	Jahar Lal Dutta	.	Do. 70	Do.
71.	Ramendra Nath Dutta	.	Do. 71	Do.
72.	Subodh Chandra Bhattacharjee	.	Do. 72	Do.
73.	Kalidas Ganguly	.	Do. 73	Do.
74.	Santi Priya Kar	.	Do. 74	Do.
75.	Sunil Kr. Ganguly	.	Do. 75	Do.
76.	Manju Gopal Chattopadhyay	.	Do. 76	Do.
77.	Prasenjit Kr. Chowdhury	.	Do. 77	Do.
78.	Bijoy Krishna Sen	.	Do. 78	Do.
79.	Rajat Kr. Dutta	.	Do. 79	Do.
80.	Ashis Kr. Mitra-II	.	Do. 80	Do.
81.	Narayan Ch. Kundu	.	Do. 81	Do.
82.	Nanda Gopal Goswami	.	Do. 82	Do.
83.	Sanat Roy Chowdhury	.	Do. 83	Do.
84.	Santosh Kr. Mitra	.	Do. 84	Do.
85.	Tarun Kr. Bhattacharyya	.	Do. 85	Do.

Sl. No.	Name	Appointment order No. & Date	Date of taking over charge
S/Shri			
86.	Santi Bhusan Sinha	Admn. I/RC/281/ 86 dt. 1-11-85	1-11-85
87.	Hira Lal Saha II	Do. 87	Do.
88.	Satish Chandra Bhakta	Do. 88	Do.
89.	Siddheswar Chatterjee	Do. 89	Do.
90.	Sunil Kr. Roy II	Do. 90	Do.
91.	Dilip Kr. Banerjee	Do. 91	Do.
92.	Niloy Kr. Bhattacharjee	Do. 92	Do.
93.	Susanta Kr. Mukherjee	Do. 93	Do.
94.	Tari Chandra Mitra	Do. 94	Do.
95.	Ajit Kr. Dutta	Do. 95	Do.
96.	Shishutosh Banerjee	Do. 96	Do.
97.	Narayan Chandra Sen Gupta	Do. 97	Do.
98.	Amalananda Das	Do. 98	Do.
99.	Ajoy Kr. Mondal	Do. 99	Do.
100.	Satya Charan Mondal	Do. 100	Do.
101.	Biman Chandra Sen	Do. 101	Do.
102.	Bishnu Pada Ghosh	Do. 102	Do.
103.	Bhagaban Chandra Biswas	Do. 103	Do.
104.	Subrata Sarkar	Do. 104	Do.
105.	Kalyan Kr. Datta Roy	Do. 105	Do.
106.	Tamal Kanti Koleh	Do. 106	Do.
107.	Sudhangsu Bhusan Das	Do. 107	Do.
108.	Ashutosh Chowdhury	Do. 108	Do.
109.	Smt. Sumita Chatterjee	Do. 109	Do.
110.	Nityananda Basak	Do. 110	Do.
111.	Kamal Kanti Roy	Do. 111	Do.
112.	Supriti Kr. Chatterjee	Do. 112	Do.
113.	Narayan Chandra Saha II	Do. 114	Do.
114.	Paritosh Sarkhel	Do. 115	Do.
115.	Mohorlal Banerjee	Do. 116	Do.
116.	Benu Gopal Chowdhury	Do. 117	Do.
117.	Madhusudan Jana	Do. 118	Do.
118.	Narayan Chakraborty	Do. 119	Do.
119.	Mrinal Kanti Biswas (I)	Do. 120	Do.
120.	Nim Chand Saha	Do. 121	Do.
121.	Amal Krishna Ghosh	Do. 122	Do.
122.	Ramdhari Malik	Do. 1	dt. 2-4-86
123.	Som Nath Ghosh	Do. 123	dt. 1-11-85
124.	Bilash Behari Nath	Do. 124	Do.
125.	Shyam Sundar Nandi	Do. 125	Do.
126.	Mrinal Kanti Biswas-III	Do. 126	Do.
127.	Debsankar Samadder	Do. 127	Do.
128.	Samir Kr. Mukhopadhyay	Do. 128	Do.
129.	Gouranga Chandra Sarkar	Do. 129	Do.
130.	Niranjan Chakraborty (I)	Do. 130	Do.
131.	Kamala Kanta Biswas	Do. 131	Do.
132.	Nanda Lal Routh	Do. 132	Do.
133.	Lakshman Chandra Naskar	Do. 133	Do.
134.	Ranjit Chandra Roy	Do. 134	Do.
135.	Tushar Kanti Das Gupta	Do. 135	Do.
136.	Amar Kr. Chakraborty	Do. 136	Do.
137.	Debi Kr. Bhattacharya	Do. 137	Do.
138.	Chitta Priya Banerjee	Do. 138	Do.
139.	Biswas Nath Khan	Do. 139	Do.
140.	Parimal Ganguly	Do. 140	Do.
141.	Pallab Kr. Pal	Do. 141	Do.
142.	Soumendra Nath Kar	Do. 142	Do.
143.	Sanat Kr. Sen	Do. 143	Do.
144.	Nishi Kanta Halder	Do. 144	Do.
145.	Samir Kr. Pal-III	Do. 145	Do.
146.	Ratan Moni Chakraborty	Do. 146	Do.
47.	Mihir Ranjan Mazumder	Do. 147	Do.
148.	Tarunava Sinha	Do. 148	Do.

Sl. No.	Name		Appointment order No. & Date	Date of taking over charge
S/Shri				
149.	Alok Rn. Sengupta		Admn. I/RC/281/149 dt. 1-11-85	1-11-1985
150.	Ajit Mohan Roy		Do. 150	Do.
151.	Aswini Kr. Sil		Do. 151	Do.
152.	Satimoy Banerjee		Do. 152	Do.
153.	Arup Kr. Bhattacharjee		Do. 153	Do.
154.	Ranjit Kr. Bhattacharya		Do. 154	Do.
155.	Nirjhar Kanti Bhattacharjee		Do. 155	Do.
156.	Susanta Kr. Chaudhuri		Do. 156	Do.
157.	Samiran Das-I		Do. 157	Do.
158.	Rathindra Nath Misra		Do. 158	Do.
159.	Ashis Kr. Nandi		Do. 159	Do.
160.	Narayan Chandra Ghosh-II		Do. 160	Do.
161.	Asok Kr. Mukherjee III		Do. 161	Do.
162.	Swapan Kr. Santra		Do. 162	Do.
163.	Abul Kalam Samsuddin		Do. 163	Do.
164.	Pankaj Kr. Dutta		Do. 164	Do.
165.	Kali Sadan Kundu		Do. 165	Do.
166.	Narayan Chandra Ghosh-I		Do. 166	Do.
167.	Samir Kr. Banerjee II		Do. 167	Do.
168.	Paritosh Acharya		Do. 168	Do.
169.	Monoranjan Goswami		Do. 169	Do.
170.	Sujit Kr. Sengupta		Do. 170	Do.
171.	Debendra Chandra Paul		Do. 171	Do.
172.	Radha Kanta Dutta		Do. 172	Do.
173.	Ajit Kr. De		Do. 173	Do.
174.	Manindra Nath Das		Do. 174	Do.
175.	Chitta Ranjan Mondal		Do. 175	Do.
176.	Nakul Chandra Middya		Do. 176	Do.
177.	Santimoy Das		Do. 177	Do.
178.	Monmatha Dutta		Do. 178	Do.
179.	Ramendra Nath Basu		Do. 179	Do.
180.	Saty Ranjan Das		Do. 180	Do.
181.	Chandidas Mukherjee		Do. 181	Do.
182.	Biswanath Dutta		Do. 182	Do.
183.	Santosh Kr. Sarkar-II		Do. 183	Do.
184.	Jatindranath Mazumder II		Do. 184	Do.
185.	Manik Lal Bhattacharya		Do. 185	Do.
186.	Gouri Sankar Datta		Do. 186	Do.
187.	Makhan Lal Chakraborty		Do. 187	Do.
188.	Nakul Chandra Parul		Do. 188	Do.
189.	Sakha Nath Kirtania		Do. 189	Do.
190.	Kamalankhi Mukherjee		Do. 190	Do.
191.	Jaydeb Sanful		Do. 191	Do.
192.	Manjushri Das Gupta		Do. 192	Do.
193.	Mrinal Kr. Matilal		Do. 193	Do.
194.	Subimal Kanti Lodh		Do. 194	Do.
195.	Dulal Kr. Mukherjee		Do. 195	Do.
196.	Indrajit Kr. Ghosh		Do. 196	Do.
197.	Tushar Kanti Bhattacharjee		Do. 197	Do.
198.	Dilip Kr. Roy-I		Do. 198	Do.
199.	Himansu De		Do. 199	Do.
200.	Adhir Kr. Das		Do. 200	Do.
201.	Subimal Roy		Do. 201	Do.
202.	Basanta Kr. Karan		Do. 202	Do.
203.	Saroj Kr. Bhattacharjee		Do. 203	Do.
204.	Parimal Chakraborty-I		Do. 204	Do.
205.	Debaprosad Das-III		Do. 205	Do.
206.	Akhil Kr. Mukherjee		Do. 206	Do.
207.	Patit Paban Patra		Do. 207	Do.
208.	Nirenjan Chakraborty-III		Do. 208	Do.

Sl. No.	Name	Appointment order No. & Date	Date of taking over charge
S/Shri			
209.	Subir Kr. Dutta	Admn. I/RC/281/209	dt. 1-11-85
210.	Ajoy Prosad Ghosh	Do. 210	Do.
211.	Nilmoni Nandy	Do. 211	Do.
212.	Utpal Das Gupta	Do. 212	Do.
213.	Indrajit Chandra Pal	Do. 213	Do.
214.	Samaresh Bhattacharjee	Do. 214	Do.
215.	Samir Kr. Nandy	Do. 215	Do.
216.	Pranab Kr. Sen Gupta	Do. 216	Do.
217.	Pranab Kr. Chakraborty	Do. 217	Do.
218.	Manik Lal Santra	Do. 218	Do.
219.	Haradhan Srimoni	Do. 219	Do.
220.	Satyendra Nath Khan	Do. 220	Do.
221.	Partha Charan Phani	Do. 221	Do.
222.	Sudarsan Malakar	Do. 222	Do.
223.	Pratima Bandopadhyay	Do. 223	Do.
224.	Jyotirmoy Bhattacharjee	Do. 224	Do.
225.	Narcos Roy	Do. 225	Do.
226.	Haru Chandra Nag	Do.	Do.

Sd/- ILLEGIBLE
Audit Officer (Admn.)
A. G. (Audit) I.W.B.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 6th June 1986

No. AN-I/1172/1/Vol.IV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Administrative Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250-125/2-2500) of that Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

Sl. No. Name and Date

1. Shri Ramesh D. Rao—15-01-86 (AN).
2. Shri Charanjit Lal—08-05-86 (A.N.).

No. AN-I/1172/1/IV.—The President is pleased to grant proforma promotion to Shri D. K. Chet Singh, an officer of the Indian Defence Accounts Service, on deputation as Director in the Ministry of Defence (Finance) New Delhi, to the Senior Administrative Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250-125/2-2500) with effect from 18th July, 1985 and until further orders.

R. B. KAPOOR
Additional Controller General of Defence
Accounts (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826001, the 11th June 1986

No. 2A(6)81-Adm.I/4527-31.—Shri Satish Kumar Chhabra has been appointed as Assistant Director of Mines Safety in the Directorate-General of Mines Safety in a temporary capacity—16—136 GI/86

city with effect from the forenoon of 5th September 1985 and until further orders,

Sd/- ILLEGIBLE
Director-General of Mines Safety

MINISTRY OF COMMERCE AND SUPPLY

DEPARTMENT OF SUPPLY
DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

New Delhi, the 30th May 1986

No. A-1/1(908).—Shri S. P. Sakhuja, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Gr. II) of this Directorate General is retired from Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1986 on attaining the age of superannuation.

V. SAKHRIE
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 4th June 1986

No. A-1/2(353)EX.—The President is pleased to appoint S/Shri P. S. Gladd and R. P. Singh as Deputy Directors of Supplies on officiating basis with effect from 1-8-1977 and until further orders. S/Shri P. S. Gladd and R. P. Singh are accorded seniority below Shri J. Sahay and above Shri Surjit Lal in accordance with the revised panel for the post of Deputy Director of Supplies.

V. SAKHRIE
Dy. Director (Administration)

**MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)**

New Delhi, the 2nd June 1986

No. A-19018(27)/73-Admn.(G).—Consequent on his appointment as Development Officer (Chemical) in the Directorate of Technical Development, New Delhi, Shri L. T. P. Sinha, relinquished charge of the post of Deputy Director (Glass & Ceramics) at Small Industries Service Institute, New Delhi on the afternoon of 29th April 1986.

No. 12(376)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri L. M. Mathur, Deputy Director (Mechanical) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Gr. II) (Mechanical) in

the same office with effect from the forenoon of 16th April 1986 until further orders.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

**MINISTRY OF TEXTILES
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER**

Bombay, the 5th June 1986

No. CFR/6/86-CLB/501.—In exercise of the powers conferred on me under sub-clause (2) of Clause 4 of the Textiles (Control) Order 1986, I hereby specify the form appended us "FORM-A" to this Notification as the application form to be made in pursuance of sub-clause (1) of Clause 4 of the said Order.

T. RAMACHANDRA RAO
Industrial Adviser

FORM-A

(Appendix to Textile Commissioner's Notification No. CFR/6/86-CLB dated 5th June 1986)

**FORM OF APPLICATION FOR GRANT OF CERTIFICATE FOR INSTALLATION OF SPINNING MACHINES UNDER
CLAUSE 4 OF THE TEXTILES (CONTROL) ORDER, 1986.**

1. Name of the applicant
2. Full address of the applicant
3. Name of the factory
4. Address of the factory
5. Name of the proprietor, partners, or in the case of Companies, the names of the Directors
6. Registration No. allotted by the Textile Commissioner/State Authority for setting up the unit
7. Details of existing installed capacity of spinning machines
8. Spinning machines proposed to be installed
(Attach a photostat copy of Registration)

Description	No. of M/cs.	No. of spindles/ Rotors per machine	Total
(i) Ring Frames			
(ii) OE M/cs.			
(iii) Others if any.			
9. Type of yarn proposed to be spun			
10. Particulars of Demand Draft towards fee for installation			
11. Any other relevant information			

Signature : _____

Place :

Date :

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
KHAN VIBHAG
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-16, the 6th June 1986

No. 3339B/A-32013(AO)/78-19A.—Shri D. Vaideswaran, Superintendent, GSI has been appointed by the DG, GSI on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad hoc basis with effect from the forenoon of 6th January 1986 against the leave vacancy of Shri M. R. Ramachandra, Adm. Officer, operation Units Tamil. Nadu, Kerala and Pondicherry, Madras, GSI for the period from 6th January 1986 to 7th March 1986.

No. 3371B/A-19012(PK)/86-19A.—Shri P. Kandaswamy, Senior Technical Assistant (DO), Geological Survey of India has been appointed as Artist on promotion by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st January 1986, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General

Calcutta-16, the 4th June 1986

No. 3257B/A-19012(2-LMS)/85-19B.—Shri Lok Nath Singh, STA (Geophysics), GSI, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th January 1986, until further orders.

No. 3269B/A-19012(3-PT)/85-19B.—Smt. Pratima Tiwari, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., GSI, to the post of Assistant Chemist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th February 1986, until further orders.

The 6th June 1986

No. 3316B/A-19012(2-RS)/85-19B.—Shri Bidhan Sarkar, STA (Geophysics), GSI, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of 18th October 1985, until further orders.

No. 3328B/A-19012(2-SK 0)/85-19B.—Shri S. K. Omanwar, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. in the minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 27th February 1986, until further orders.

No. 3349B/A-19012(4-AKP)/86-19B.—Shri A. K. Pramanik, Sr. Tech. Asstt. (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the G.S.I. by the Director General, GSI, on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st January 1986, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
Geological Survey of India

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 29th May 1986

No. A-12025/3/85-RC.—The Chief Producer, Films, Division, has appointed Shri S. N. Misra, Officiating Cameraman, Eastern Regional Production Centre, Films Division, Calcutta to officiating as Newsreel Officer on ad-hoc basis at Gauhati in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the forenoon of 15th April 1986 until further orders.

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

OFFICE OF THE REGISTRAR OF NEWSPAPERS FOR INDIA

New Delhi-110066, the 10th June 1986

No. A-19014/6/85-Admn.—In continuation of this office Notification of even number dated 29-7-85, the period of deputation of Shri P. Doraiswamy, Audit Officer in the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivendrum, is hereby extended for a period of one year w.e.f. 1-7-86 to 30-6-87 under existing terms and conditions, as Circulation Officer in the office of the Registrar of Newspapers for India, Madras.

No. A-19011/1/86-Admn.—Shri R. C. Bhardwaj, Accounts Officer in the Principal Accounts Office, Ministry of Industry is appointed as Circulation Officer (Senior) in the Office of the Registrar of Newspapers for India, New Delhi on deputation basis with effect from 30th May 1986 (A.N.).

2. The period of deputation of Shri R. C. Bhardwaj will be one year in the first instance and during the said period he will be governed by the terms and conditions contained in Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 10(24)/III/60 dated 4-5-1961 as amended/clarified from time to time.

KIRPA SAGAR
Registrar of Newspapers for India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 13th June 1986

No. 6(59)/63-SI.—Shri S. Ramaswami, Programme Executive, AIR, retired from Government service on superannuation with effect from the afternoon of 31st May 1986.

I. S. PANJHAI
Dy. Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th June 1986

No. A-35017/1/84-Admn-I.—The President is pleased to appoint Shri M. Bapi Raju, Audit Officer, A.G. (Audit) Orissa, Bhubangswar, to the post of Deputy Director Accounts (Stores) Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of the 19th May 1986, on deputation basis and until further orders.

The 11th June 1986

No. A-38012/8/85-Admn-I.—On attaining the age of superannuation Dr. S. P. Gupta, ADG (TB) retired from Government Service on the afternoon of 31st May 1986.

P. K. GHAI
Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND
COOPERATION)
CENTRAL CATTLE BREEDING FARM

Madras-52, the 14th May 1986

No. PF.70/Admn.85.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1963, I, Dr. M. P. Nagpal, Director, Central Cattle Breeding Farm, Alampadhi (Avadi), Madras-52, hereby give notice to Shri K. M. Raji, Milker, Central Cattle Breeding Farm that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the Official Gazette.

DR. M. P. NAGPAL
Director

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL
DEVELOPMENT
(DEPTT. OF FERTILIZERS)
FERTILIZER INDUSTRY COORDINATION
COMMITTEE

New Delhi, the 21st May 1986

No. (161) 1(4)/FICC/86-Admn.—The President is pleased to appoint Shri Ram Singh, Accounts Officer, Ministry of Urban Development as Accounts Officer in the pay scale of Rs. 840-1000-EB-40-1200 in the Office of the Fertilizer Industry Coordination Committee, Department of Fertilizers, Ministry of Agriculture and Rural Development for a period of one year with effect from 23rd April 1986 (F/N), on usual deputation terms.

M. R. NATARAJAN
Executive Director

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi-110066, the 20th May 1986

No. A. 32013/7/83-EC ():—The president is pleased to extend the period of adhoc appointment of the following Assistant Technical Officers as Technical Officers in the Civil Aviation Department during the period indicated against each:—

S. No.	Name	From	To
S/Shri			
1.	A. N. Paranjpe	28-01-85	31-03-86
2.	S. S. Kang	08-09-85	31-03-86
3.	K. C. Sachdeva	20-11-85	31-03-86

2. The extention of the period of adhoc appointment of the above officers shall not bestow on them any claim for regular appointment as Technical Officer and service so rendered on adhoc basis shall neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi-110066, 20th May 20, 1986

No. A. 31013/2/85-EC ():—The President is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Senior Technical Officers (Pay Scale Rs

1100-50-1600) in the Civil Aviation Department with effect from the date indicated against each:—

SNo..	Name	Date of appointment in Substantiv e Capacity
01.	S. K. Kakkar	01-08-79
02.	Risal Singh	28-02-80
03.	D. C. Mehta	28-02-80
04.	P. Seth	28-02-80
05.	R. S. Gahlot	28-02-80
06.	V. K. Khandelwal	28-02-80
07.	S. K. Saraswati	28-02-80
08.	S. P. Hardas	04-07-80
09.	B. N. M. Rao	04-07-80
10.	V. K. Chowdhury	04-07-80
11.	Sushil Kumar	04-07-80
12.	P. S. Mullick	04-07-80
13.	R. K. Sood	04-70-80
14.	J. V. Sharma	04-07-80
15.	M. M. Poulose	04-07-80
16.	K. Surender	04-07-80
17.	S. K. Govilkar	04-07-80
18.	Rakesh Kumar	13-07-80
19.	K. S. Narasimhan	13-07-80
20.	Roop Chand	13-07-80
21.	Vijay Panwar	03-09-81
22.	A. K. Bansal	03-09-81
23.	D. Anbalagan	26-09-81
24.	B. D. Garekar	26-09-81
25.	S. P. Konar	21-12-81
26.	Sarwan Kumar	01-08-83
27.	M. Irulappan	01-08-83
28.	Vishwa Nath	01-08-83
29.	R. Sampath Kumaran	01-08-83
30.	U. N. Singh	01-08-83
31.	P. K. B. Nair	01-08-83

The 30th May 1986

No. A. 32013/12/84-EC ():—The President is pleased to appoint the following Assistant Communication Officers in the grade of Communication Officer in the Civil Aviation Department on adhoc basis for the period upto March 31, 1986 with effect from the date of taking over charge of the higher post and to post them at the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
1.	Shri S.S. N. Murthy	ACS, Madras	ACS, Madras	15-1-86 (FN)
2.	Shri T. S. Rekhi	ACS, Lucknow	ACS, Lucknow	17-1-86 (AN)
3.	Shri R. T. Singh	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	27-1-86 (AN)
4.	Shri V. G. Sundaraman	ACS, Madras	ACS, Madras	15-1-86 (FN)

No. A.32013/14/84-EC().—The President is pleased to appoint the following officers in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Director of Communication on regular basis with effect from February 28, 1986 and to post them at the Headquarters Office of the Director General of Civil Aviation New Delhi until further orders:—

1. Shri R. C. Chitkara—Senior Communication Officer.
2. Shri Vijay Panwar—Senior Technical Officer.

No. A. 38013/4/85-EC ():—The undermentioned officer of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his post on retirement from Government service on attaining the age of superannuation on the date mentioned below:—

Sl. No.	Name & Designation	Station of posting	Date of retirement.
1.	Shri S. Krishnamurthy Senior Comm. Officer.	ACS, Madras	31-10-85(AN)

No. A. 12025/1/85-EC().—The President is pleased to appoint Shri N. Venkatapathiraj as Technical Officer (Pay Scale : Rs. 700-1,300/-) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from 1-8-1985 and to post him at Aeronautical Communication Station, Madras.

V. JAYACHANDRAN,
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 30th May 1986

No. A. 32013/1/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Department for a period mentioned against each:

S. No. Name Exension of period of ad-hoc appointments

		From	To
S/Shri			
1.	M. S. Ibrahim	16-10-85	15-1-86
2.	K. Prabhakar	11-11-85	10-2-85
3.	Kallash Narain	7-11-85	6-2-86

No. A. 32013/2/82-ES.—The President is pleased to continue ad hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Airworthiness Officer for the period mentioned against their names:—

	Name	From	To
S/Shri			
1.	S.S. Nat	1-9-85	20-2-86
2.	S. S. Kubor	Do.	Do.
3.	Anupam Bagchi	Do.	Do.
4.	H. M. Phull	Do.	Do.
5.	Mohd. Mustafa	Do.	Do.
6.	Deba Prasanna Ghosh	Do.	Do.
7.	L. M. Mathur	Do.	Do.
8.	D. P. Ghosh	Do.	Do.

No. A.12025/1/84-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Sh. Biplob Dutta to officiate as Airworthiness Officer in the scale of Rs. 700-1300/- with effect from 6-5-1986 (F.N.) until further orders.

Shri Biplob Dutta is posted in the office of the Director of Airworthiness, Calcutta Airport, Calcutta.

No. A. 38013/1/86-EA.—Shri R. Sampath, Aerodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Madras, retired from Government service on the 30-4-1986 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEE.
Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 11th June 1986

No. 16/436/85-Ests.I.—The President, F.R.I. & Colleges, Dehra Dun has replaced the service of Shri T. B. Chatterjee, working as Assistant Instructor, Eastern Forest Rangers College, Kurseong at the disposal of his parent department (Andaman & Nicobar Administration, Forest Department) w.e.f. the afternoon of 30-4-86.

The 16th June 1986

No. 16/441/85-Ests.I.—The President, F.R.I. & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri K. K. Srivastava, as Research Officer (other than Engineering & Statistical) at Disease Insect Survey Centre at Coimbatore under the F.R.I. & Colleges, Dehradun with effect from the forenoon of 25th April, 1986, in a temporary capacity until further orders.

J. N. SAXENA,
Registrar
Forest Research Institute & Colleges.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 17th June 1986

No. 3-746/86-CH(Estt).—Shri Mukesh Kumar Sharma is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-IV (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-2, 5-880-40-1000-EB-40-(200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 26-5-1986 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA,
Chief Hydrogeologist & Member

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi, the 29th May, 1986

No. 7/1/86-Adm. I(B).—Following the recommendations of the DPC (Group B), the Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the under-mentioned officers to the Central Power Engineering (Group B), Services in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineers in the Central Electricity Authority in a substantive permanent capacity w.e.f. the dates as shown against their names:—

Sl. No.	Name of the Officer	Designation	Date of appointment as EAD in substantive capacity		
				1	2
1.	Sh. S. C. Rawal	Asstt. Director	28-9-82		
2.	Sh. Rama Krishnan K.	Dir. Director	28-9-82		
3.	Sh. B. C. Mandal	"	28-9-82		
4.	Sh. M. K. Das	Asstt. Director	28-9-82		
5.	Sh. K. V. S. Vijay Kumar	"	28-9-82		

1	2	3	4
6.	Sh. M. M. Rao	Dy. Director	28-9-82
7.	Sh. Jagender Kumar	Asstt. Director	28-9-82
8.	Sh. V. S. Karra	"	28-9-82
9.	Sh. E. Rajagopalacharyulu	"	28-9-82
10.	Sh. B. M. Sethi	"	28-9-82
11.	Sh. S. K. Jayaswal	"	28-9-82
12.	Sh. O. P. Gupta-I	"	28-9-82
13.	Sh. M.P.S. Vidyarthi	"	28-9-82
14.	Sh. Y.P.S. Vohal	"	28-9-82
15.	Sh. Ramesh Ray Roy	"	28-9-82
16.	Sh. G. S. Nagarajan	"	28-9-82
17.	Sh. V. K. Khanna	"	28-9-82
18.	Sh. S. K. Sharda	"	28-9-82
19.	Sh. S. B. Atri	"	1-5-84
20.	Sh. G. K. Nanda	"	31-8-84

R. SHESHADRI,
Under Secy
for Chairman

SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 2nd June, 1986

No. P/G/14/300E/Pt. II.—The following officiating Group 'B' Officers of the Personnel Department of this Railway are confirmed in Group 'B' in that department with effect from the date noted against each:

Srl. No.	Name & Designation	Date of confirmation.
1.	Shri D. L. N. Murty	DPO/NGP (Since retired) 12-09-79
2.	Shri V. S. Bhivgada	DPO/BSP 01-03-82

ANUP SINGH,
General Manager

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Juhu Investment Private Limited.

Bombay-400 002, the 11th May 1986

No. 708/8958/56(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Juhu Investment Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. RADHAKRISHNAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kanishk Builders Pvt. Limited.

Patna, the 6th June 1986

No. 1917/560/1428.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Kanishk Builders Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sec Enterprises (Engineers) Pvt. Limited.

Patna, the 6th June 1986

No. 1551/560/1431.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sec Enterprises (Engineers) Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Shri Shakti Cold Storage and Industries Pvt. Limited.

Patna, the 6th June 1986

No. 1467/560/1434.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Shri Shakti Cold Storage and Industries Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Dalmia Biscuits Pvt. Limited.

Patna, the 6th June 1986

No. 1643/560/1437.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Dalmia Biscuits Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Bihar

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Midnapore Loan & Trading Co. Limited.

Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 1201/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Midnapore Loan & Trading Co. Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kalyani K. K. Industries P. Ltd.

Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 24252/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kalyani K. K. Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
S. Ganguly & Co. Private Limited.

Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 16864/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of S. Ganguly & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
West Bengal Salt & Industries Co. Private Limited.*
Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 23156/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of West Bengal Salt & Industries Co., Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
R. H. N. Choudhuri & Co. P. Ltd.*
Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 17511/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of R. H. N. Choudhuri & Co. Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
RASP Engineers Private Limited.*
Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 27021/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date

hereof the name of RASP Engineers Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Rainbow Industries Private Limited.*

Calcutta-20, the 8th June 1986

No. 21649/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rainbow Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Jatrik Private Limited.*

Calcutta-20, the 6th June 1986

No. 22149/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of JATRIK Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL,
Addl. Registrar of Companies
West Bengal

FORM ITNS

- (1) Shri Gonesh Chandra Borah,
Dibrugarh, P.W.D. Colony.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Pratul Chandra Gogoi;
2. Shri Smt. Purnima Gogoi w/o Pratul Chandra
Gogoi, Jiban Phukan Nagar, P.O. C.R.
Building, Dibrugarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
SHILLONG**

Shillong, the 14th April 1986

Ref. No. A-274/85-86/DBR/AQN/14-16.—
Whereas, I, B. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Dag No. 507 P.P. No. 146 of Khotiabari Ward, Dibrugarh situated at Dibrugarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dibrugarh on 4-10-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Land measuring OB. IK. OL. alongwith Pucca House bearing Dag No. 507 P.P. No. 146 is situated at Khotiabari Ward, Dibrugarh.

B. J. MAWLONG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
ShillongDate: 14-4-86
Seal:

FORM ITNS

(1) Sri N. D. Vyas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Master Mukul Paschisia (minor) C/o Sri Jugal
Kishore Paschisia, 16/8, Pannalal Basak Lane,
Liluah, Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 27th December 1986

Ref. No. AC-2/Acp.R-IV/EE/Cai/85-86.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
150 situated at G.T. Road, Asansole
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
registering Officer at
Calcutta on 4-10-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given to
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land: 1/2 share of 10 cottahs land with building.
Address: "Santiniketan", 150, G. T. Road (Fast), Asan-
sole, Dist. Burdwan.

Deed No.: 37FF No. 10/Acp.R-IV/Cai/85-86 of 1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 27-12-85
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
17—136 GI/86

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri N. D. Vyas.

(Transferor)

(2) Master Jyoti Prakash Pachisia C/o Sri Kailash Pachisia, 16, 8, Pannalal Basak Lane, Liluah, Howrah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA**

Calcutta, the 27th December 1986

Ref. No. AC-3/Acp.R-IV/Cal/EE/85-86.—
 Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 150 situated at G. T. Road (East), Asansole
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Calcutta on 4-10-1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the Said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;

THE SCHEDULE

‡ share of 10 cottahs of land together with building.

150, G. T. Road (East), Asansole, Dist. Burdwan.

Deed No.: 37EE No. 10/Acq.R-IV/Cal/85-86 of 1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range,
 Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 27-12-85
 Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CALCUTTA**

Calcutta, the 27th December 1986

Ref. No. AC-35/Acq.R-IV/Cal/85-86.—

Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Mahesh, P.S. Serampore, Dt. Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A.D.S.R., Serampore on 14-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Sri Pravash Chandra Roy;
2. Sri Bibhuti Roy;
3. Smt. Indu Bala Roy;
33, Tarapukur Lane, P.S. Serampore, Dt. Hooghly.
(Transferor)
- (2) M/s. QPEC Innovations Ltd., Mirjan Road, Santu Sadan, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: 1 Bigha 5 cottahs.
Address: Mouza Mahesh, P.S. Serampore, Dt. Hooghly.
Deed No.: 5068 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-12-85
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
MADRAS

Madras, the 3rd June 1986

Ref. No. 3/Oct.85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Udumalai, Thiruppur
and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet, Doc. No. 2517/85 on Oct. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri S. Devaraj,
Managing Trustee,
T. R. Narayanasamy Naidu and Sons, Trust,
Ganapathipalayam,
Udumalai Taluk.
(Transferor)
- (2) Sri Ramachandra Naidu,
s/o Sri Vengidusamy Naidu,
Ganapathipalayam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land at Poolankinar village, Udumalai, Thiruppur.
Udumalpet/Doc. No. 2517/85.

R. JANAKIRAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 4/Oct. 85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Agricultural land at Kurudampalayam situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaienkalayam/Doc. No. 2477/85 in Oct., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri A. Rangasamy
S/o Sh. Gopalasaminaidu,
and others,
Kurudampalayam,
Jangamanickpalayam,
Coimbatore.

(Transferor)

(1) M. s. Texmo Engineering :
By Partner :
Sri R. Ramasamy
S/o Sri R. Ramachandran,
Race Course,
A. T. Devaraj Mudaliar St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Kurudampalayam village, Coimbatore District, Perianaienkalayam/Doc. No. 2477/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (I/c)
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II
MADRAS**

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 5/Oct. 85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. "Jaghir House", Door No. 213, Raja Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4519/85 in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Sridhar Rao and others,
S/o Late Srinivasa Rao Hindu,
Represented by General Power of Attorney Agent,
Sri S. Raghavendra Rao,
S/o Late Srinivasa Rao,
'Jaghir House',
213, Raja St.,
Coimbatore-641 001.

(2) Sri Ramal and others,
72/73, Raja St.,
Coimbatore.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building : "Jaghir House" Door No. 213, Raja St., Coimbatore, Coimbatore/Doc. No. 4519/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (I.C)
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 9/Oct. 85.—Whereas, I,
R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as
the said 'Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Punja lands in Chettipalayam situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kinnathukadavu/Doc. No. 786 '85 in October, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transf. with the object of :—

(1) Sri M. M. Pelli gouder and children,
M. B. Bhojan, and 9 others,
Arayatti village,
Melur Post,
Nilgiri District.

(Transferor)

(2) Sri M. K. Abdullah and his sons
M. A. Mohammed,
M. A. Doorddeenbabu,
M. A. Zakir Hussain,
M. A. Ferrozkalam,
D. No. TC 44/1112, Kamaleswaram,
Muttathur village,
Trivandrum Taluk,
Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural Lands : Chettipalayam village, Coimbatore
Taluk,
Kinnathukadavu/Doc. No. 786 '85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (I.C.)
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 3rd June 1986

Ref. No. 17/Oct. 85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 3rd ward, T. S. No. 1335 situated at Tanjore district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanjavur/Doc. No. 2054/85 in Oct., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Sampath and others,
S/o Late D. K. Gopal Naidu,
Thottitheru,
Achanor village,
Thiruvaiyaru Taluk, (Transferor)
(2) Sri K. S. Ramamurthy and others,
S/o Subbiah Chettiar,
2851-I Kathna Colony,
Trichy Road,
Tanjore Town. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1961 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground at : Third Ward, South Rampart, T. S. No. 1335 Tanjore Dist. Thanjavur/Doc. No. 2054/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (I-C)
Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-6-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
 4/14-A, ASAFA ALI ROAD
 NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/1085/279.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XI/5057 Plot No. 6 in Block A, situated at Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Harchandmal Jain Charitable Trust,
 Room No. 8, VIth Floor,
 10 Clive Row,
 Calcutta-700001,
 through its Trustee
 Sh. Jinedra Kumar Jain.

(Transferor)

(2) Sh. Renu Kumar Jain,
 Sh. Sanjay Kumar Jain,
 Sh. Amit Kumar Jain,
 Sh. Neeraj Kumar Jain,
 All minor sons of
 Sh. Devi Chand Jain,
 R/o 4/9, A. N. Street,
 Madras-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property bearing No. XI/5057, Plot No. 6 in Block 'A' measuring 295.2 sq. yds. Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi.

ASHOK KACKER
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 18—136 GI/86

Date : 12-6-86
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
4/14-A, ASAFA ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 12th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/1085/281.—Whereas, 1.
ASHOK KACKER,
 being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. F-3/28 regularised colony known situated at as Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gulshan Kumar Bakhshi
son of late Sh. Gobind Ram Bakhshi
resident of F-3/28, Model Town,
Delhi-9.

(Transferee)

(2) 1. Sh. Lakhi Ram
S/o Sh. Nand Kishore
2. Smt. Sudesh Lata
W/o Sh. Sat Narain,
3. Sh. Ashok Kumar Gupta
S/o Sh. Lakhi Ram and
4. Smt. Shashi Gupta
W/o Sh. Kishan Kumar
all R/o B-118, Ashok Vihar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 3/28, regularised colony known as Model Town, Delhi 272.22 Sq. yds.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Delhi / New Delhi

Date : 12-6-86
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/10-85 299.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the **Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, P.N. No. 4834/24, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Oct., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. S. D. Madan
S/o Shri C. R. Madan
Sole Prop. South Delhi Builders,
R/o 432, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi
General Attorney of
Sh. Brijeshwar Deyal Sureshwar Dayal and
Maheshwar Dayal Mathur
sons of late Sh. Prem Behari Mathur.
(Transferor)
- (2) M/s Trans Asia Auto & General Finance Ltd.,
XI/4597, Darya Ganj,
New Delhi.
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, on first floor measuring 935 sq. ft. part of P. No. 4834/24, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-6-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4626 Acq 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block 'A' on 5th Floor—Commerce Centre—Purohit Aptt. Compound—Sayaji Ganj—S. No. 312 Tika No. 31-12- Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37FE filed on 4-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Y. K. Builders,
Kalpataru Chambers
2nd Flr.
6 B C Lane, Fort,
Bombay-400 023.

(2) M/s K. K. Vithani Family Trust
404—Embossay Centre,
Nariman Point,
Bombay 400 023.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The Form No. 37FE is filed on 4-10-85 for A.C. Rs. 5,90,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Y. K. Builders—

Kalpataru Chambers
2nd Floor—6 Bell Lane, Fort—
Bombay-400 023.

(Transferor)

(2) M/s Farmson Pharmaceuticals Gujarat Pvt. Ltd.
Shankar Bhuvan—
Sayaji Ganj—Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 12th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4627 Acq 23/II/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 'A' on 5th Floor, Commerce Centre—Purohit Aptt. Compound—Sayaji Ganj—S. No. 312 Tika No. 31-1-2—Baroda-390 005 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 37EE is filed on 4-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The form No. 37EE is filed on 4-10-85 for A.C. Rs. 90,000/-.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 12-5-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd May 1986

Ref. No. P.R. No. 4628 Acq 23/H/86-87.—Whereas, I,
A. K. SINHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece of land bearing R.S. No. 594/9/8/D and
594/9-1D at the sum of
situated at Bhagadawada Valsad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Valsad on 16-10-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kumari Nargisbanu Faramroz & Others—
Nr. Vrindavan Socy.
Tithal Road—
Valsad.

(Transferor)

(2) Sureshchandra Narandas & Others
Goolmahot-C
Juhu Lane-X-Barfiwala Marg,
Andheri (West) Bombay 400 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Valsad on 16-10-1985 for
A.C. Rs. 5,01,000/-.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—
21-136GI/86

Dated: 22-5-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Jashwantlal V. Shah & Others—
C/o M/s Pamroj Textile Corporation,
Silvasa.
(Transferor)
- (2) Sterlite Project Ltd.,
96—Jarden Reach Road,
Calcutta-700 023.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 19th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4629 Acq23/I/86-87.—Whereas, I, A. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 6621 Old S. No. 69 village Amali—Silvasa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Silvasa on 17-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the publication of the notice in the Official Gazette whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Silvasa vide No. 188 dated 17-10-85.

A. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 19-5-86
Seal:

FORM ITN—

(1) Champaklal Ghelabhai & Ors.
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s J. J. Corporation,
305—Sagar Shopping Centre,
Sahara Darwaja, Ring Road,
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 27th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4630 Acq23/II/86-87.—Whereas, I,
S. B. BHATT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,0,000/- and bearing No.
Piece of land bearing Ward No. 14 C.S. No. 2018
R.S. No. 91 T.P.S. 8 F.P. No. 135 Umarwada—Surat
(and more fully described in the Schedule annexed here o),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
this office on 37EE 10-10-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any Income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

The form No. 37EE has been filed on 10-10-85 in respect
of A.C. Rs. 17,63,520/-.

S. B. BHATT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated: 27-5-86.
Seal :

FORM ITNS

(1) Govindbhai Khushaldas & Ors.
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s J. J. Corporation,
305—Sagar Shopping Centre,
Sahara Darwaja,
Ring Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 27th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4631 Acq23/II/86-87.—Whereas, I,
S. B. BHATT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,0,000/- and bearing No.

Piece of land bearing CS No. 2018 RS. No. 91—TPS No. 8 F.P. No. 135 at Ring Road, Umarwada—Surat,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

this office on 37EE 10-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The form No. 37EE has been filed on 10-10-85 for A.C. Rs. 17,63,520/-.

S. B. BHATT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-5-86,
Seal

FORM ITNS

(1) Previnchandra Thakordas & Ors.
Surat.

(Transferor)

(2) M/s J. J. Corporation,
305—Sagar Shopping Centre,
Sahara Darwaja,
Ring Road—Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 27th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4632 Acq23/II/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing Ward No. 14 C.S. No. 2018 R.S. No. 91 T.P.S. No. 8 F.P. No. 135 paliy 670 sq. mtr. at Umaridawada Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at this office on 37EE 10-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The form No. 37EE has been filed on 10-10-85 for A.C. Rs. 17,63,520/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 27-5-86.

Seal :

FORM ITNS.

(1) Shri Ishwarlal Bhagwandas & Ors.,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. J. J. Corporation,
305—Sugar Shopping Centre,
Sahara Darwaja, Ring Road,
Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 4633/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing Ward No. 14 C.S. No. 2018 R.S. No. 91 TPS No. 8 F.P. No. 135 Ring Road, Umanwada—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at this office on 37-EE on 10-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The form No. 37EE has been filed on 10-10-85 in respect of A.C. Rs. 17,63,520/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4634/Acq. 23/II/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing Ward No. 14 C.S. No. 2018 R.S. No. 91 TPS No. 8 I-P No. 135 at Umarwada, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at this office on 37-EE on 10-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hiralal Dahyabhai & Ors.,
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. J. J. Corporation,
305—Sagar Shopping Centre,
Sanara Darwaja, Ring Road,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

The form No. 37EE has been filed on 10-10-1985 for A.C. Rs. 17,63,520/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 27-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jyotsanaben Navnital Parekh & Ors.,
19—Urmī Society—Jatalpur,
Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Meululaben Mahendrakumar
Per Pro Karunaben K. Patel,
300 G.I.D.C. Makarpura,
Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 27th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4635/Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Piece of Land and Building
19—Urmī Society—Jatalpur—Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 29-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S.R. Baroda on 29-10-85 for A.C. Rs. 9,00,000/-.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Utkarsh Enterprises,
"Utkarsh" ... Manager Society,
321, 9 Mahatma Phule Peth,
Pandit Jawaharlal Nehru Road,
Pune,

(Transferor)

(2) Shri Bhawarla Himatmal Oswal &
Shri Sohinalat Himatmal Oswal,
78 Bhavani Peth,
Pune,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CX-5/37EP 4788/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D-3, second floor in proposed building No. "D" at 258 Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on November, 1985 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more then fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period comes later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D-3, Second floor in proposed building No. "D" at 258 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Area—871 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 4788/1985-86 in the month of November 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 31-3-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—136GI/86

FORM ITNS

(1) M/s. Ameel Builders,
21 Matrukhaya Society, Yerwada,
Pune-14.

(Transferor)

(2) Shri Sudhakar Haribhai Ghelap,
1414 Shukrawar Peth,
Pune-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 31st March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4793/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 109, S.No. 199+204+305+206/1+209/1 Lohogaon, Vimannagar Colony, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 109, S. No. 199+204+205+206/1+209/1
Lohogaon, Vimannagar Colony, Pune.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 4793/1985-86 in the month of November, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 31-3-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. A. V. Bhat & Co.
1348 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 6th May 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/4723/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 31 on third floor in Building No. L. Plot No. 6, S. No. 30A/4A Dahanukar Colony, Kothrud, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 31 on third floor in Building No. L, Plot No. 6, S. No. 30A/4A Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29. (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No. 4723 1985-86 in the month of November 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prakash Ramchandra Gavankar,
704 Sadashiv Peth,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Annasaheb Alias Anandrao Baburao Patil,
At Post Budhgaon, Tal. Miraj,
Dist. Sangli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 28th January 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37PE/3941/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 in "Anant Apartments" CTS No. 1145 Sadashiv Peth, Pune-30 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4 in "Anant Apartments" C.T.S. No. 1145 Sadashiv Peth, Pune-30.

(Area—860 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 3941/1985-86 in the month of November 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
PUNE**

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/376/1985-86.—Whereas, 1, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Non-agricultural land bearing S. No. 106 and 107 (Part) Village Ahole, Tal Vasai, Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have ceased to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Taralakshmi T. Mehta, Block No. 4, 1st floor, Sai Sadan, Roshan Nagar, Chandavarkar Road, Borivli West, Bombay.

(Transferee)

(2) Shri M. F. Sayed & Ors., 1-B Bhustan Apartment, 4th floor, Room No. 43, Bellasis Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXI of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Non-agricultural land bearing S. No. 106 and S. No. 107 (Part) situated at Village : Ahole, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai, under document No. 376/1985-86 in the month of Nov. 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-2-1986
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 10th April 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/4645/1986-87.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, on ground floor, Survey No. 16/6 Kothrud, Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kulkarni & Kulkarni,
2153 Sadashiv Peth,
Vijayanagar Colony,
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Tukaram Ganpat Shegar & Ors.,
Bapu Kalapura Chawl, Kharad Wadi,
Pune-30.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 6, on ground floor, Survey No. 16/6B Kothrud, Pune-29.

(Area—320 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No. 4645/1985-86 in the month of November 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-4-1986
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Nirman Associates,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E),
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Francis George D'Souza &
Smt. Maria Josephine D'Souza,
Habib Mansion, 2nd floor, Room No. 57,
2nd Sankle Street, Byculla,
Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
PUNEObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 10th February 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6675/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201 on second floor in Nirman Amrut Nirman Nagar, Nalasopara (W) situated at Nalasopara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 201 on second floor in Nirman Amrut, Nirman Nagar, Nalasopara (W).

(Area—630 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 6675/1985-86 in the month of November 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 10-2-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. Nirman Associates,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Pralay Banerjee,
11, Salasar Apartment,
Nalasopara (E), Dist. Thana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37FE/6672/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value
 exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
 Flat No. 4 on ground floor in Nirman Amrit, at Nirman
 Nagar, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane situated at
 Thane
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on ground floor in Nirman Amrit at Nirman
 Nagar, Nalasopara (W) Tal. Vasai, Dist. Thane.
 (Area 579 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
 document No. 6672/1985-86 in the month of November
 85).

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date: 11-2-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Haribhai Ramchandra Tandale,
Tandale Sadan, Ahilyabai Chowk,
Kalyan.

(Transferor)

(2) Smt. Sunanda S Patil, "Simantini",
Ghanshyam Gupte Road, Dombivli (W).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd February 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/6273/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Plot No. 50 in D.D. Scheme No. 15, Ward No. 6 House
 No. 54 in the Suryodaya Co-operative Housing Society Ltd.,
 Ambernath
 situated at Ambernath
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acq. Range, Pune on Nov. 1985
 for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer as
 agreed to between the parties has not been truly stated in the
 said instrument of transfer with the object of .

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days, from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 50 in D.D. Scheme No. 15, Ward No. 6, House
 No. 54 in the Suryodaya Co-operative Housing Society Ltd.,
 Ambernath.

(Property as described in the agreement to sale registered
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
 document No. 6273/1985-86 in the month of Nov. 1985.)

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed to the transferee for
 the purposes of the Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the sala Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely —
 23—136GI/86

Date : 3-2-1986
 Seal :

FORM I.T.N.S.

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Sonubai T. Patil, Kupwad,
Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Transferor)

(2) Shri Vijaykumar Anandrao Patil,
S. No. 91, Kupwad, Tal. Miraj,
Dist. Sangli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 18th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-I/37G/389/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property at S. No. 10, R.S. No. 91, Mauje Kupwad, Tal.
Miraj, Dist. Sangli situated at Sangli
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Miraj on Nov. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Property at S. No. 10, R.S. No. 91, Mauje Kupwad, Tal.
Miraj, Dist. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered in the
office of the Sub-Registrar, Miraj, under document No. 389/
1985-86 in the month of Nov. 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-3-1986
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Neelam Enterprises,
407, Raviwar Peth, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 11th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/371/E/4204/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Office No. 1 on second floor in a property situated at C.S.
 No. 481/C, Shaniwar Peth, Near Shaniwar Wada, Pune
 situated at Pune
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 I.A.C., Acq. Range, Pune on Nov. 1985
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefore by more than
 fifteen percent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the parties
 has not been truly stated in the said Instrument of Transfer
 with the object of :—

(2) Shri S. R. Bhat,
38/23, Vinayak Prasad, Prabhat Cross
Lane No. 7, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 1 on second floor in a property situated at
 C.S. No. 481/C, Shaniwar Peth, Shaniwar Wada, Pune.

Area 470 Sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
 document No. 4204/1985-86 in the month of Nov. 1985).

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 11-3-1986

Seal .

FORM FNB

- (1) M/s. Vardhaman Builders,
40-41, Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Bombay.
(Transferor)
- (2) Shri Jesu Mary Paul,
C/o Swan Trading Corporation,
93, Second floor, Bombay Samachar Marg,
Bombay.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/6671/85-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 308 on third floor in Vardhaman Park, Plot No.
49, Sector No. 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at
New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 308, on third floor in Vardhaman Park No. 49,
Sector No. 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 6671/1985-86 in the month of Nov. 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 20-3-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/6667/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403 on fourth floor in Vardhaman Park Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) M/s. Vardhaman Builders,
40-41, Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Bal Krishan Jaggi,
Abbott Hotels Pvt. Ltd.,
Sector No. 2, Vashi,
New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 403 on fourth floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6667/1985-86 in the month of Nov. 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6665/1985-86.—
 Whereas, I, ANIL KUMAR,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 404 on fourth floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Vardhaman Builders,
 40-41 Vishal Shopping Centre,
 Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
 Andheri (E), Bombay.
 (Transferor)
- (2) Shri Surendrakumar Balkrishna Jaggi
 Abbott Hotels Pvt. Ltd.
 Sector 2, Vashi, New Bombay.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 404 on fourth floor in "Vardhaman Park" Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6665/1985-86 in the month of November, 1985).

ANIL KUMAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range
 Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1986
 Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vardhaman Builders,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Jagannath,
178 Sant Tukaram Road,
Room No. 38, second floor,
Near Masjid Station,
Dana Bundar, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6664/1985-86.—
Whereas, I, ANIL KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 203, on second floor in Building Vardhaman
park, on Plot No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay
situated at New Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn.
Range, Pune in November, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on second floor in Building Vardhaman Park
No. 49, Sector 17, Vashi, New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under
document No. 6664/1985-86 in the month of November,
1985).

b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 20-3-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
PUNE

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6676/1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 408 on fourth floor in Vardhaman Park, Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Vardhaman Builders,
40-41 Vishal Shopping Centre,
Sir M. V. Road (Andheri-Kurla Road),
Andheri (E), Bombay.
(Transferor)
- (2) Smt. Neelam Jawaharlal Chopra,
C/o R. L. Chopra,
J/161 R.B.I. Flats, North Avenue,
Santacruz (W), Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 408 on fourth floor, in Vardhaman Park Plot No. 49, Sector 17, D.B.C. Vashi, New Bombay. Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6676/1985-86 in the month of November, 1985.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1986
Seal : .

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4235 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chhadavada TPS 3 FP 714 SP No. 28 land adm. 1402 sq. yds. and construction 269.59 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Ahmedabad on 10-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(1) Chandrakantaben Harilal Parikh
28, Parimal Socy. E.B.
Ahmedabad.

(2) Omprakash Chhabildas
Sahyadri Apartment
Opp : Stadium, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Chhadavada TPS 3 F.P. 714 SP No. 28 Land adm. 1402 sq. yds. with construction adm. 269.59 sq. mtrs.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :—
24—136GI/86

Date : 26-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4236 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Vastrapur sim TPS 21 FP 74 SP 2 Land adm. 1404 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Ahmedabad on 17-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Sabirbhai Gulmohammed Chaudi pole, Pankore naka, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Maheshbhai Bhikhubhai Patel Chairman— Malav Apartment Owners' Assn. Bhagwan Nagar, Isanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vastrapur sim. TP.C 21 FP 74 SP No. 2 Land Adm. 1101 sq. yds. R. No. 11829 dt. 17-10-1985.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 26-5-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Smt. Hansaben Chinubhai Patel,
Alayatan Socy. Naranpura,
Ahmedabad-13
(Transferor)
- (2) Shri Premchand Panjumal Jarkani
Memnagar, Ahmedabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4237 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I,
S. B. BHATT,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
TPS 19 FP 56 SP 12 Wadaj sim Alayatan Co-op. Hsg. Socy.
Naranpura, Land 1000 sq. yds. & Bldg. & G.F. & F.F. 375
sq. yds.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.
Ahmedabad on 10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer was agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer i
and/or

THE SCHEDULE

TPS 19 FP 55-56 SP No. 12 Wadaj sim land adm. 1000
sq. yds. and Bldg. GF & FF 375 sq. yds. in Alayatan
Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Naranpura, Ahmedabad. R. No.
8522 Dt. 10-85.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 26-5-1986
Seal .

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4238 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 956 sq. mtrs. = 1147 sq. yds. in TPS 6 Paldi sim FP 415 and 416 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 17-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shantaben Kantilal Maheta
13, Ram Mohan Flat No. 4
Dutt Road, Calcutta-700 020.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Rasiklal Shah
Pramotor of the proposed
Rajkrupa Co-op. Hsg. Socy.
1, M.P. Apartments,
Paldi, Ahmedabad-380 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land adm. 956 sq. mtrs.=1147 sq. yds. in Paldi TPS No. 6 FP No. 415 and 416 R. No. 11842 Dt. 17-10-1985.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bachubhai Khodabhai Patel-HUF
Village Bopal,
Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Shri Gunvantray Bachubhai Patel,
Chairman—
Khodiar Krupa Co.op. Hsg. Socy. Ltd.
Bopal Tal. Daskroi,
Dist. Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4239 Acq.23/I/86 87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Bopal Village sim Tal. Daskroi Block No. 639

Land 10319.3332 sq. mtrs.

(and, more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmedabad on 19-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said **Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bopal Village (Tal. Daskroi) sim Block No. 639 Land adm. 10319.3332 sq. mtrs. R. No. 11949 and 11948 Dt. 19-10-1985.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 26-5-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4240 Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Changispur, Mithakhali sim TPS 20 FP No. 125 SP No. 4-A land 485 sq. mtrs. and Bldg. on G.F. & F.F. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from that transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Yashaswaben Shambhuprasad Patel
29, 'Bhagawati'
Sardar Patel Nagar,
Navrangpura, Ahmedabad.

(2) Dr. Ushaben Suryakant Patel
"Harivallabh"
Nr. Old Sachivalaya,
Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Changispur Meethakhali sim TPS 20 FP No. 125 S.P. No. 4-A Land adm. 485 sq. mtrs. and Bldg. on G.F. & F.F. R. No. 7715 Dt. 10-85.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 26-5-1986
Seal :

FORM FINS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4241 Acq.23/I/86-87.—Where
S. B. BHATT,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Changispur Mithakhali sim TPS 20 FP 125 SP 4-A land
485 sq. mtrs. Bldg. on G.F. & F.F.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ahmedabad on 10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Smt. Bhartiben Shambhu Prasad Patel,
29. Bhagwati
Sardar Patel Nagar,
Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Nandkumar Manilal Shah
5-B, Krushnakanji Socy.
Bhairaynath Road, Kankaria,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publ-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XVA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Changispur Mithakhali sim TPS 20 FP No. 125 SP No.
4-A land 485 sq. mtrs. and Bldg. on G.F. & F.F. R. No.
7904 Dt. 10-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 26-5-1986
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 26th May 1986

Ref. No. P. R. No. 4242/Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vastrapur sim TPS. 21 FP No. 74 SP No. 2 Land adm. 1101 sq. yds. under construction, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering officer at S. R. A'bad on 17-10-185 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Alarakhabhai Gulamahammad
Chudi Pol, Pankor Naka,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Vinubhai Nagjibhai Patel
Chairman
Mahesh Aptt. Owners Assn.
Lalita Socy. Isanpur,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vastrapur sim TPS. 21 FP 74 SP No. 2 Land adm. 1101 sq. yds. under construction R. No. 11828 Dt. 17-10-85.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Seal :
Date : 26-5-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

Ref. No. P. R. No. 4243/ Acq. 23/1/86-87 -- Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chhadawada sim TPS. 3 FP 647 SP 10-A land adm. 687.29 sq. mtrs. with construction, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering office at A'bad on 29-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—
25-13^c 86

(1) Shri Bipinchandra Ranchhodlal Maheta
10-A Parna Kunj, Nr. C. N. Vidyalaya,
Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Madhukant H. Sutaria,
Promotor of the proposed
Sukha-Sabti Co. op. Hsg. Socy.,
10. A Parnakhunj Socy. Nr. C. N. Vidyalaya,
Ambawadi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chhadawada sim TPS. 3 FP 647 SP 10. A land adm. 687.29 sq. mtrs. with construction R. No. 12499 Dt. 29-10-85.

S. B. BHATT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Date : 29-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

Ref. No. P. R. No. 4244/Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I. S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vasana sim TPS No. 22 FP No. 28 SP No. 33 land adm. 373.25 sq. mtrs. with construction.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering officer at A'bad on 16-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Dr. Asitbhai Damubhai Shukla,
33, Shri Damubhai Colony Co. op. Hsg. Socy. Ltd.
Nr. Bhattha, Vasana,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Yogen Rasiklal Shah
C/o Dr. Himanshu Shah
14, Jain Socy. E. B.
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Vasana sim TPS No. 22 FP No. 28 SP No. 33 land adm. 373.25 sq. mtrs. with const. R. No. 11732/16-10-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1986
Seal :

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Chandulal Chhotalal Daru,
Plot No. 13, Kusumnagar Socy.
Nr. Gujarat Socy. Paldi,
Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

(2) Dineshkumar Ramanlal Patel,
Suhasini Flat No. J3,
BH Musium, Paldi,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 29th May 1986

Ref. No. P.R. No. 4245/Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paldi sim S. No. 219-220 TPS 6 FP 300 land adm. 809 sq. mtrs. and Bungalow thereon, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the registering officer at A'bad on 10-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Paldi sim S. No. 219-220 TPS. 6 FP 300 land adm. 809 sq. mtrs. and Bungalow thereon R. No. 11407 Dt. 10-10-85.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohemmadibhai Salehbhai & Ors.
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

Ref. No. P. R. No. 4246/Acq. 23, I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kalupur Wd. No. 3 C. S. No. 4536 land & Bldg. adm. 456.52.70 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 23-10-85 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Banners Builders Pvt. Ltd.
14/1, Ravi Chambers,
Salapas Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Kalupur Ward No. 3 C. S. No. 4536 land & Budg. adm. 456.52.70 sq. mrs. R. No. 12122 Dt. 23-10-85.

(b) facilitating the concealment of any income or say money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

ef. No. P.R. No. 4247/Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

SP No. 7A FP No. 377, 381, 382 & 383 E.B TPS. III Land adm. 803 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 24-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shantilal Chandulal Shah
'Madhurya' Opp : Navrangpura Telephone
Exchang Lane,
Beside Sardar Patel Hall E. B.
Ahmedabad-38006.
(Transferor)
- (2) Madhusudan Ceramics Div. of Madhusudan
Vegetable Products Co. Ltd,
Rakhial Tal. Dehgam Dist :
A'bad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A'bad.

S. P. No. 7A FP No. 377, 381, 382 and 383 E. B. TPS.
3 land adm. 803 sq. yds. and Bldg. 179 sq. yds. 37EE filed
on 24-10-85.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1986
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

RE. No. P. R. No. 4248/Acq. 23/I. 86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. SP No. 7A FP No. 377, 381, 382 and 383 E. B. TPS. JII Land adm. 803 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 11-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shantilal Chandulal Shah
'Madhurya' Opp : Navrangpura Telephone Ex.
Lane, Beside Sardar Patel Hall,
E. B. A'bad-380 006.

(Transferor)

(2) Madhusudan Ceramics Div. of Madhusudan Vegetable Products Coy. Ltd.
Rakhial Tal.
Dchgam, Dist :
A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SP No. 7A FP No. 377, 381, 382 and 383 E. B. TPS.
3 land adm. 803 sq. yds. and Bldg. 179 sq. yds. 37EE filed on 11-10-85.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

Ref. No. P. R. No. 4249/Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I. S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 2972 plot No. 2281-A Wd. No. 7 Nr. Bangali Gate, Hill Drive—Krishnanagar Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 21-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Rasulbhai Nathubhai Shaikh
Nr. Vajir Masjid,
Ranjit Road,
Jamnagar.
(Transferor)
- (2) Smt. Hansaben Manmohanbhai Tamboli
'Anupam' Opp : Hospital,
Bhavnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 2972 plot No. 2281-A Nr. B Bangali Gate, Hill Drive, Wd. No. 7 Krishnanagar Land 1916.13 sq. mtrs.+ 83.87 R. N. 3095 21-10-85.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Date : 29-5-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th May 1986

Ref. No. P. R. No. 4250/Acq 23/I/86-87.—Whereas, I, S. B. BHATT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2149-B Ward No. 7 Hill Drive Bhavnagar Land & Bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Bhavnagar on 9-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dhirubhai Bhulabhai Patel
Block No. 51, Fifth Floor,
Basiana Aptt. 11,
WEST, Avenue Shanta Cruz,
(West) Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Arjanbhai Vastabhai Patel
Ganesh Krupa
Vijayrajinagar Plot No. 60
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 2149/B Hill Drive Road, Krishnanagar Bhavnagar Land & Bldg. R. No. 2142 Dt. 9-10-85.

S. B. BHATT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad-380 009

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-5-1986

Ses' :

FORM ITN8

- (1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P. S. Digha,
Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grih Nirman
Samity Ltd.,
Kankarbagh,
Patna-20
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE,
BIHAR
BORING CANAL ROAD,
PATNA-800 001**

Patna, the 12th June 1986

Ref. No. III-1298/Acp/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1, Tauzi No. 5174, Khata No. 924, Plot No. 2667 situated at Mauza & P. S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Katha situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna & more fully described in deed No. I-15505 dt. 31-10-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—136GI/86

Date : 12-6-86
Seal :

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III/299/Acq/86-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. I Tauzi No. 5174, Khata No. 924, Plot No. 2667 situated at Mauza and P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office Calcutta on 31-10-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grah Nirman Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20 (through its Secretary Rajesh Kumar Jha).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 14 katha situated at Mauza & P.S. Digha Distt. Patna & more fully described in deed No. I-15506 dated 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-6-1986
Seal

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. II-1300/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Thana No. I, Tauzi No. 5174, Khata No. 924,
Plot No. 2667 situated at Mauza & P.S. Digha,
Distt. Patna,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 31-10-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Digbaghut, P.S. Digha, Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grih Nirman
Samity Ltd., Patna,
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 9 katha situated at Mauza & P.S. Digha,
Distt. Patna & more fully described in deed No. I-15504
dated 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances,
Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-6-1986
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna,
and Smt. Sumitra Devi
W/o Late H. N. Singh Dighaghat,
P.S. Digha, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Gruh Nirman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20,
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1301 Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 1 Tauzi No. 5174, Khata No. 924,
Plot No. 2667 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt.
Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 31-10-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8 katha situated at Mauza & P.S. Digha
Distt. Patna & more fully described in deed No. 15502 dt.
31-10-85, registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITN3**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1302 /Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Thana No. 1 Tauzi No. 5174, Khata No. 924, Plot No. 2667, situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :—

(1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna,
and Smt. Sumitra Devi
W/o Late H. N. Singh Dighaghat, P.S. Digha,
Patna.

(2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grish Nirman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 8 katha situated at Mauza & P.S. Digha Distt. Patna and more fully described in deed No. I-15510 dated 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-6-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighakhat, P.S. Digha, Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Girir Nirman
Samity Ltd., Patna,
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1303/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. I Tauzi No. 5174, Khata No. 924, Plot No. 2667 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 13 katha situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna and more fully described in deed No. I-15508 dt. 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaehat, P.S. Digha, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grih Nirman
Samity Ltd., Patna,
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. JII-1304/Acq. 86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1 Tuuizi No. 5174, Khata No. 924, Plot No. 2667 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna and more fully described in deed No. I-15503 dt. 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1305/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shana No. 1, Tauzi No. 3474, Khata No. 989, Plot No. 2665 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna.
(Transferor)
(2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grah Nirman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna,
through its Secretary Rajesh Kumar Jhu.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 katha situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna and more fully described in deed No. I-15507 dt. 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITM8**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1306/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. I, Taazi No. 5174, Khata No. 989, Plot No. 2665 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grih Nirman Samity Ltd., Kankarbagh, Patna, through its Secretary Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 13 katha situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna and more fully described in deed No. I-14509 dt. 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—136GI/86

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghata, P.S. Digha, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1307 /Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1, Taluk No. 5600, Khata No. 924, Plot No. 2694 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 22.2 dec. situated at mauza & P.S. Digha, Distt. Patna and more fully described in deed No. I-1482 dt. 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASA
Competent Authorl
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Bihar, Pat

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ranjeet Pd. Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Digbighat, P.S. Digha, Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grah Nirman
Samity Ltd., Patna,
through its Secretary Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
BIHAR

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1308/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 1, Tauzi No. 5600, Khata No. 1842, Plot No. 2687 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 31 dec. situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna and more fully described in deed No. I-15512 dt. 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Ranjeet Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna.
(transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grah Nitman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20
through its Secretary Sri Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
PATNA
BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1309/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 1, Taluk No. 5600, Khata No. 924, plot No.
2694, situated at Mauza & P. S. Digha, Distt. Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 31-10-1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 22.2 dec. situated at mauza & P.S. Digha
Distt. Patna & more fully described in deed No. 1-14819 dt.
31-10-85 registered with the Registrar of Assurance, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Boring Canal Road, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ranjeet Singh
S/o Late Hari Narayan Singh,
Dighaghat, P.S. Digha, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kapoor Chandra Sabakari Grah Nirman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20
through its Secretary Sri Rajesh Kumar Jha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
PATNA
BORING CANAL ROAD

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1310/Acq. 86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. I, Tauzi No. 5174 Khata No. 924, Plot No. 2667 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ~~said~~ Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 10 katha situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna & more fully described in deed No. I-15511 dt. 31-10-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Boring Canal Road, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Deep Narayan Singh
S/o late Suraj Ram,
Bari, Digha, P.S. Digha, Distt. Patna,
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grih Nirman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20
through its Secretary Sri Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1311/Acp/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Thana No. 1, Tauzi No. 1576, khata No. 1088, Plot No.
2649, situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 31-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at mauza & P.S. Digha
Distt. Patna & more described in deed No. 1-15513 dated
31-10-85 registered with the Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Boring Canal Road, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1312/Acp/1986-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Thana No. 1, Tanzi No. 5176, Khata No. 1089, plot No. 2651 situated at Mauza & P.S. Digha, Distt. Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-10-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Deep Narayan Singh
S/o late Suraj Ram,
Bari Digha P.S. Digha, Distt. Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Grah Nirman Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20 through its Secretary Sri Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at mauza & P.S. Digha, Distt. Patna & more described in deed No. I-15515 dated 31-10-1985 registered with the Registrar of Assurance Calcutta

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Boring Canal Road, Patna.

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. IU-1313/Acq.I86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thana No. 1, Tauzi 5176, Khata No. 1088, plot No.
2649/2650 situated at Mauza & P.S. Digha Distt. Patna.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Calcutta on 31-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Deep Narayan Singh
S/o late Suraj Ram,
Bari Digha P.S. Digha, Distt. Patna.
Transferor(s)
- (2) Shri Kapoori Chandra Sahakari Grihi Nirman
Samity Ltd., Kankarbagh, Patna-20
through its Secretary Sri Rajesh Kumar Jha.
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katha situated at manza & P.S. Digha,
Distt. Patna & more described in deed No. I-15516 dated
31-10-85 registered with the Registrar of assurancce, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. HI-1314/Acp/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thana No. 1, Tauzi No. 5176, Khata No. 1089 Plot No.
2651 situated at Mauza & P.S. Digha Distt. Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent
Authority at
at Calcutta on 31-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Deep Narayan Singh S/o Late Suraj Ram,
Bari Digha, P.S. Digha, Distt. Patna.
(Transferor)
- (2) Shri Kapoor Chandra Sahakari Gruh Nirman
Samity Ltd. Kankurbagh, Patna-20 through its
Secretary Sri Rajesh Kumar Jha.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to any tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 10 katla situated at mauza & P.S. Digha
Distt. Patna & more described in deed No. 1-15554 dt.
31-10-85 registered with the Registrar of Assurance, Cal-
cutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 or 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice sub-section (1) of section
269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following
persons, namely :—
28—136 GI/86

Date : 12-6-86
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Most—Reshma Devi of village Chhoti Pahari,
P.S. Alamganj, P.O. Baripahari, Patna-7.
Transferor(s)

(2) M/s. Ganesh Datta Sahakari Grih Nirman Samiti
Ltd. Kankarbagh, Patna-20 through its Secretary
Sri Awadh Kishore Parshad Singh.
Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1315/Acp/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.

Plot 355 Khata 143, Thana 15 Tauzi 86, situated at
Mauza Jakariapur, P.S. Alamganj, Distt. Patna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 31-10-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10 katha land at Mauza—Jakariapur, P.S. Alamganj, Distt.
Patna & more fully described in deed No. I-14728/85 dated
10-10-1985, registered with Sub-Registrar of Assurances,
Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-86
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Rameshwar Gepe at Mohazo Mohalla,
P.S. Khajekala P.O. Haziganj, Distt. Patna.
(Transferor)
- (2) M/s. Ganesh Datta Sahkari Grish Nirman Samiti
Ltd. Kankarbagh, Patna-20 through its Secretary
Sri Awadh Kishore Parshad Singh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1316/Acp/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot 356, Khata-144, Thana 15 at village Jakariapur,
P.S. Alomganj, situated at Patna,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent
Authority at
Calcutta on 10-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

5 kathas land at village Jakariapur, P.S. Alomganj and
morefully described in deed number I-14725 dated 10-10-85
registered with sub-registrar of Assurances, Calcutta.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
29—136GI/86

Date : 12-6-86
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BIHAR
BOARING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1317/Aep/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot 264 Khata 115, Tauzi 33, Thana-15, situated at
Jakkariapur, P.S. Alamganj, Patna.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 10-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (1) Shri Jagdish Prasad, S/o Radha Prasad,
village Jakkariapur (Chhotipahari, P.S. Alamganj,
P.O. Baripahari, Patna-7).
(Transferor)
- (2) M/s. Ganesh Datta Sahakari Grih Nirman Samiti
Ltd. Kankarbagh, Patna-20 through its Secretary
Sri Awadh Kishore Prasad Singh.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDEULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

7 katha of land at Zakariapur, P.S. Alamganj and more
fully described in deed No. I/4726 dated 10-10-1985 regis-
tered with Sub-Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons named :—

Date : 12-6-86
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hari Mahato of village Jakaripur,
P.S. Alamzanj, P.O. Bari Pahari, Patna-77
District, Patna.

(Transferor)

(2) M/s. Ganesh Datta Sahakari Grah Nirman Samiti
Ltd. Kankarbagh, Patna-20 through its Secretary
Sri Awadh Kishore Parshad Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1318/Acp/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot 367, Khata-125, Tauzi-697, Thana-15 situated at
village Jakaripur Pargana Azimabad, P.S. Patna
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 10-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons.
Whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

6 katha land at village Jakaripur Pargana Azimabad P.S.
Patna and more fully described in deed No. I-14727 dated
10-10-1985 registered with Sub-Registrar of Assurances Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 12-6-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-4319 /Acq./86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs .1,00,000/- and bearing
Plot 1674, Khata-444, Tauzi-229 New 15870,
Thana-14 situated at Village-Pahari, Pargana-Azimabad,
Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 10-10-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri Gulab Rai and Sri Baliram,
at Village—Illahibagh, P.S. Phulwari,
P.O. Bairia, Patna-7.

(Transferor)

(2) M/s Ganesh Datta Sahkari Grih Nirman
Samiti Ltd., Kankabagh, Patna-20
through its Secretary Awadh Kishor Pd. Singh.
(Transfece)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1921
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

10 kathas land at Village-Pahari, Pargana Azimabad,
Patna and more fully described in deed No. I-14729 dated
10-10-1985, registered with Registrar of Assurances, Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Gulab Rai & Others at Vill. Illahibagh,
P.S. Phulwari, P.O. Bairia, Patna-7.
(Transferor)
- (2) M/s Ganesh Dulta Sahkari Grih Nirman Samiti,
Ltd. Kankarbagh Patna-20 through its
Secretary Awadh Kishor Pd. Singh.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BORJING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1320/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot—1674, Khata—444, Tauzi—229, New—15870,
Thana—14, area 10 khathas at Vill. Pahari Pargana
Azimabad, situated at Patna,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Calcutta on 10-10-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

10 khathas land situated at Pahari Pargana, Azimabad,
Patna and more fully described in deed No. I-14731 dated
10-10-1985, registered with Registrar of Assurances, Cal-
cutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-1986
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA**

Patna-800 001, the 12th June 1986

Ref. No. III-1321/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal Holding No. 269—Ward No. 15, portions of plot No. 2873, 2874, 306 and 307 situated at Katras Road, situated at Dhanbad, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 30-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prabhulal Manji Chouhan, S/o late M.G. Chouhan, and five others of Katras Road, Dhanbad. (Transferor)
- (2) M/s Karamchand Thapar and Bros. (Coal Salts) Ltd., having its registered office at Thapar House, 25—Brabourne Road, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10,700 sq. ft. land together with building situated at Katras Road, Dhanbad and more fully described in deed No. 10524 dated 30-10-1985 registered with D.S.R. Dhanbad.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 12-6-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BORING CANAL ROAD
PATNA

Patna-800 001, the 13th June 1986

Ref. No. III-1322/Acq/86-87.—Whereas, I,
DURGA PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Holding No. 2303/925 and 2304/926, Ward No. 11,
Circle No. 8-A, at Kankarbagh, P.S. Kankarbagh,
situated at Patna,
(and more fully described in the Schedule, annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of '08) in the office of the Registering Officer
at Patna on 17-10-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferee to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Smt. Bhagwant Kaur W/o Sardar Amrik Singh,
r/o Patna Tyre House building, New Dak Bunglow Road, Patna through Sardar Amrik Singh
vide power of attorney No. 2239 dated 30-9-85
r/o Patna Tyre House Building New Dak Bunglow Road, Patna.
2. Sardar Gurdip Singh S/C Sardar Mohinder Singh, R/o Patna Tyre House Building, New
Dak Bunglow Road, Patna.

(Transferor)

- (2) 1. Krishna Murari Pandey
S/o Late Bageshwari Pandey
2. Rabindra Kumar Pandey
S/o Shri Krishna Murari Pandey.
3. Jitendra Kumar Pandey
S/o Shri Krishna Murari Pandey.
4. Smt. Ram Dulari Devi
W/o Shri Krishna Murari Pandey.
5. Smt. Laxmi Pandey
W/o Shri Rabindra Kumar Pandey and
6. Master Vikash Kumar Pandey
through his mother and natural guardian
Smt. Laxmi Pandey.

all resident of Phusro Post Office, Phusro Bazar,
Police Station, Bermo, District Giridih,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immoveable
property, within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 katha 10 dhurs with building situated
at Kankarbagh, Patna-20 and more fully described in deed
No. 7237 dated 17-10-1985 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-6-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Pratap Singh S/o Shri Rewati Singh &
Hari Mohan Poddar S/o Shri Madanmohanji
Poddar, R/o Bharatpur.

(Transferor)

(2) M/s. R. S. Sharma & Co. (Delhi) Pvt. Ltd.,
C-3/60, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 14th April 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/P.R. No. 28 Oct.85/2690.—
Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Neel Kamel Cinema situated at Bharatpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bharatpur on 16-10-85

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building known as Neel Kamal Chhaya Chitrapat, situat-
ed at Bharatpur and more fully described in sale deed regis-
tered by the S.R. Bharatpur vide registration No. 1934
dated 16-10-85.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 28-5-86
Seal :